QuizHat

करेंट अफेयर्स

मई 2024 करेंट अफेयर्स पर प्रामाणिक संकलन

- **राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम**
- **टॉपिक वाइज वर्गीकरण**
- **परीक्षाओं के लिए अभ्यास प्रश्न**
- **वन लाइनर महत्त्वपूर्ण तथ्य**

Download the app

For latest news and Quiz...

महत्वपूर्ण समाचार

- अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, 2024
- भारतीय मसाला ब्रांडों पर प्रतिबन्ध
- चाबहार बंदरगाह पर समझौता
- क्या है एयरक्राफ्ट टर्बुलेंस
- ताम जा' ब्लू होल
- गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार

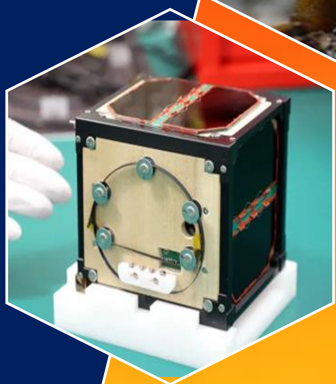

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग सहित सभी परीक्षाओं के लिए उपयोगी

QuizHat

प्रिय अभ्यर्थी,

जैसा कि आप सभी जानते हैं, किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने की पहली शर्त यह है कि पाठ्यक्रम के अनुरूप अधिक से अधिक प्रश्नों का अभ्यास किया जाए।

इसी बिंदु को ध्यान में रखते हुए हमने क्विज़हैट ऐप तैयार किया है जो अभ्यर्थियों को अभ्यास के लिए पाठ्यक्रम के अनुरूप महत्त्वपूर्ण प्रश्न उपलब्ध कराता है।

प्रश्नों की सम्पूर्ण श्रृंखला विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों के साथ ही नवीन प्रश्नों के समावेश से तैयार की गयी है। इन प्रश्नों का बार-बार अभ्यास महत्त्वपूर्ण विषयों पर आपकी समझ को बढ़ायेगा और परीक्षा में अच्छे अंक लाने में सहायक होगा।

मोबाइल पर प्रश्नों का अभ्यास करना बोझिल न हो इसलिए ऐप में केवल 10-10 प्रश्नों के सेट तैयार किये गये हैं, जिनका आप जितनी बार चाहे उतनी बार अभ्यास कर सकते हैं।

हम आशा करते हैं कि यह ऐप आपकी तैयारी का सही मूल्यांकन करके आपको और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा।

शुभकामनाओं सहित क्विज़हैट

यूपीएससी, स्टेट पीसीएस एवं अन्य परीक्षाओं के लिए उपयोगी

QuizHat ऐप

- UPSC, UPPCS एवं अन्य परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न
- UP RO/ARO 2023 के लिए अभ्यास प्रश्न
- प्रतिदिन टॉपिक-वाइज अभ्यास प्रश्न
- NCERT पर आधारित अभ्यास प्रश्न
- दैनिक करेंट अफेयर्स एवं संबंधित प्रश्न
- द हिन्दू, इंडियन एक्सप्रेस पर आधारित प्रश्न
- कुल 3000 से अधिक प्रश्न
- उत्तर व्याख्या सहित टेस्ट के PDF

गूगल प्ले स्टोर से QuizHat ऐप डाउनलोड करें

GET IT ON Google Play

राष्ट्रीय घटनाक्रम 3
मसाला ब्रांडों में साल्मोनेला संदूषण 3
भारतीय मसाला ब्रांडों पर प्रतिबन्ध 3
हिंदु विवाह में सप्तपदी एक आवश्यक अनुष्ठान 4
शक्सगाम घाटी.. 4
गारो हिल्स में प्राचीन जीवाश्मों की खोज 5
मानक आवश्यक पेटेंट (Standard Essential Patent) ... 5
दिल्ली की डेयरियों में प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल 5
केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जारी ब्लू कॉर्नर नोटिस 6
पलियार जनजाति.. 6
नई दवाओं हेतु विनिर्माण लाइसेंस जारी करने की शक्ति. 6
कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए शिंकू ला सुरंग का निर्माण..... 7
भारतीयों के लिए आहार दिशानिर्देश.............................. 7
इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम 7
इंडियन ओशन डायपोल 8
कादर अनुसूचित जनजाति.. 8
पीएम-वाणी योजना 8
भारतीय विज्ञापन मानक परिषद 9
'रन फॉर सन' मैराथन.. 9
अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम...9
टीकाकरण पर आवश्यक कार्यक्रम 9
पाइरेनीज़ पर्वत में फ्रांस और चीन की बैठक का आयोजन 10
ग्लाइड फेज़ इंटरसेप्टर (जीपीआई) परियोजना 10
अंटार्कटिक संधि सलाहकार बैठक 11
संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी ट्रस्ट फंड में भारत का योगदान 11
चाबहार बंदरगाह पर भारत और ईरान के मध्य समझौता 12
वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन..12
बुलावा मिसाइल..12
आंतरिक विस्थापन पर वैश्विक रिपोर्ट (GRID) 2024.......12
यूएई का 10-वर्षीय ब्लू रेजीडेंसी वीज़ा..........................13
अहरामत नदी 13
अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, 2024 13
अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय 13
फिलीपींस और चीन के मध्य विवाद............................. 14
अरब लीग द्वारा फिलिस्तीनी क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की मांग 14
कोपरनिकस आपातकालीन प्रबंधन सेवा 15
यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक 15
अपराध रोकथाम और आपराधिक न्याय आयोग (CCPCJ) 16
न्यू कैलेडोनिया द्वीपसमूह.. 16
भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे 16
फिलिस्तीन को स्टेट (देश) का दर्जा.............................. 16
परमाणु सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICONS-2024).. 17
जीरो डेब्रिस चार्टर पर हस्ताक्षर 17
विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024............................... 17
बहुराष्ट्रीय अभ्यास रेड फ्लैग 24.................................. 18
राजव्यवस्था...19
भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 और 86 19
एससी/एसटी अधिनियम के उल्लंघन को सार्वजनिक रूप से उजागर करना 19
वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 19
अर्थव्यवस्था 20
शेयर बाजार में फ्रंट-रनिंग 20
पाकिस्तान को स्टैंड-बाय अरेंजमेंट के तहत वित्तीय सहायता 21
रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर का दर्जा 21
भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी को 'नवरत्न का दर्जा' 21
रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के शेयरों की डीलिस्टिंग..... 22
ड्रिप प्राइसिंग 22
पूंजीगत लाभ कर 23
पार्टिसिपेटरी नोट्स 23
भारत को $111 बिलियन रेमिटेंस प्राप्त 23
भारतीय स्टेट बैंक आईआईबीएक्स में पहला ट्रेडिंग-कम-क्लियरिंग सदस्य... 24
पिग बचरिंग घोटाला (Pig Butchering Scam) 24

QuizHat

फिनटेक क्षेत्र के लिए स्व-नियामक संगठन को मान्यता देने की फ्रेमवर्क (एसआरओ-एफटी)....25

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी....25

शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के लिए पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र....25

ला कुम्ब्रे ज्वालामुखी....25

प्युसेटिया छपराजनिर्विन....26

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार....27

चंद्रयान के नाम पर समुद्री प्रजाति का नाम....27

सह्याद्रि टाइगर रिजर्व में बाघों के स्थानांतरण की योजना....27

अरुणाचल प्रदेश में एक नई कैटफ़िश की खोज....28

ताम जा' ब्लू होल....28

हिंडन नदी में बढ़ता प्रदूषण....28

सोनाई रूपाई वन्यजीव अभयारण्य....29

सिल्क कॉटन ट्री....29

नीलगिरी में भूस्खलन को रोकने के लिए 'हरित' समाधान....29

लिगडस गारवले नामक मकड़ी की नई प्रजाति....29

कांवर झील....30

हम्बोल्ट ग्लेशियर....30

मेडागास्कर में बाओबाब वृक्ष....31

लक्षद्वीप की प्रवाल भित्तियों में गंभीर विरंजन....31

दुनिया की आधी चरागाहों का क्षरण....32

भरल एवं हिमालयी आइबेक्स की गणना....33

जीएसएपी स्किल्स प्लेटफॉर्म....33

मैतेई सागोल (Meitei Sagol)....34

अरुणाचल के ईगलनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य में संकटग्रस्त लाल पांडा....34

विशाल हिमखंड अंटार्कटिका में टूटा....34

काजा शिखर सम्मेलन....35

भूगोल....36

माउंट इबू में विस्फोट....36

रेमल चक्रवात....36

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी....36

एंटारेस (Antares) के सामने से गुजरा चंद्रमा....36

अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र....37

सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज़ ऑफ़ टॉरपीडो (स्मार्ट) प्रणाली....37

एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक....37

MQ-9B ड्रोन....38

कोलीन (Choline) नामक एक आवश्यक पोषक तत्व पर शोध....38

फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम (Fusobacterium nucleatum)....38

स्वदेशी बमवर्षक यूएवी विमान का अनावरण....38

केरल में वेस्ट नाइल फीवर....39

विडाल परीक्षण में खामियां....39

बासमती फसल में 'फुट रॉट' रोग....40

गेहूं की नई किस्म : HD 3386....40

सिकल सेल रोग....41

इग्ला-एस....41

एक्स्ट्रा-फुफ्फुसीय टीबी....42

साहुल....42

एयरक्राफ्ट टर्बुलेंस क्या है....43

50,000 साल पुराने निएंडरथल हड्डियों में सबसे पुराने ज्ञात मानव वायरस....44

लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन (LUPEX)....44

SPECULOOS-3b....44

कैल्शियम कार्बाइड....45

प्लेनेटरी अलाइनमेंट (Planetary alignment)....45

R21/मैट्रिक्स-एम वैक्सीन....45

लिग्नोसैट उपग्रह....45

कला एवं संस्कृति....45

कच्छ अजरख को जीआई टैग....45

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रीजनल रजिस्टर में भारतीय साहित्य....46

खेल घटनाक्रम....47

वैशाली रमेश बाबू....47

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2024....47

एशियाई सीनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक....47

वन लाइनर....47

अभ्यास प्रश्न....48

राष्ट्रीय घटनाक्रम

मसाला ब्रांडों में साल्मोनेला संदूषण

संयुक्त राज्य अमेरिका ने साल्मोनेला संदूषण के कारण अक्टूबर 2023 से एमडीएच मसालों के लगभग एक तिहाई शिपमेंट को अस्वीकार कर दिया है।

2022 में, अमेरिका ने एमडीएच शिपमेंट का लगभग 15 प्रतिशत अस्वीकार किया था, वहीं 2023 में यह दोगुना होकर लगभग 31 प्रतिशत हो गया है।

साल्मोनेला क्या है?

अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के अनुसार, साल्मोनेला बैक्टीरिया का एक समूह है जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी और साल्मोनेलोसिस नामक बुखार का कारण बन सकता है।

यह कैसे फैलता है?

साल्मोनेला स्वाभाविक रूप से जानवरों की आंतों में रहता है और उनके मल (मल) में पाया जा सकता है। यदि मनुष्य साल्मोनेला-संक्रमित जानवरों या अपने वातावरण में वस्तुओं के संपर्क में आते हैं तो बैक्टीरिया मनुष्यों में फैल जाते हैं।

यह एक सर्वव्यापी और कठोर जीवाणु है जो शुष्क वातावरण में कई सप्ताह और पानी में कई महीनों तक जीवित रह सकता है।

साल्मोनेला से जुड़े जोखिम

साल्मोनेला से संक्रमित लोगों को दस्त, बुखार और पेट में ऐंठन हो सकती है। कुछ लोग - विशेष रूप से 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वयस्क, और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग इसके प्रति अधिक सुभेद्य हो सकते हैं।

भारतीय मसाला ब्रांडों पर प्रतिबन्ध

हांगकांग और सिंगापुर द्वारा लोकप्रिय भारतीय मसाला ब्रांडों एमडीएच और एवरेस्ट ग्रुप के कुछ उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के बाद, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने व्यापक गुणवत्ता जांच करने का निर्णय लिया है। इन देशों ने मसालों में कार्सिनोजेनिक 'एथिलीन ऑक्साइड' (Ethylene Oxide) के होने के कारण मसाला ब्रांडों के उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

एथिलीन ऑक्साइड (EtO) क्या है?

एथिलीन ऑक्साइड एक जीवाश्म ईंधन उपोत्पाद है, जिसके कई औद्योगिक उपयोग हैं, जिसमें मसालों का धूमन (fumigation) भी शामिल है।

यह एक रंगहीन, अत्यधिक ज्वलनशील और अत्यधिक प्रतिक्रियाशील गैस है जो न केवल कार्सिनोजेनिक पाया गया है बल्कि साँस के द्वारा शरीर में प्रवेश करने पर उत्परिवर्तजन भी हो सकता है।

यह एक कीटनाशक है, जिसे इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) ने इसे ग्रुप 1 कार्सिनोजेन घोषित किया है, जबकि यूरोपीय संघ ने इसे श्रेणी 1बी कार्सिनोजेन और 1बी म्यूटाजेन घोषित किया है।

इसका उपयोग खाद्य उद्योग द्वारा क्यों किया जाता है?

एथिलीन ऑक्साइड एक खाद्य फ्यूमिगेंट है जो बैक्टीरिया, वायरस और कवक सहित माइक्रोबियल संदूषण को रोकता है।

जब इसका अनुमेय सीमा में उपयोग किया जाता है, तो यह खाद्य जनित बीमारियों के प्रसार को रोकने में सहायता कर सकता है और सूखे खाद्य पदार्थों को लंबे समय तक शेल्फ लाइफ भी दे सकता है।

मसाला उद्योग साल्मोनेला और ई कोलाई जैसे रोग पैदा करने वाले रोगाणुओं की वृद्धि को रोकने के लिए एथिलीन ऑक्साइड का उपयोग करता है। एथिलीन ऑक्साइड का वही डीएनए हानिकारक गुण, जो खाद्य पदार्थों को कीटाणुरहित करने में मदद करता है, कैंसर का कारण भी बन सकता है।

EtO के उपयोग से संबंधित खाद्य सुरक्षा नियम क्या हैं?

संयुक्त राज्य अमेरिका में, खाद्य पदार्थों में EtO के उपयोग की अनुमति है, लेकिन विनियमित है।

भारत में, FSSAI किसी भी खाद्य उत्पाद में इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है।

यूरोपीय संघ में, खाद्य फ्यूमिगेंट के रूप में एथिलीन ऑक्साइड के उपयोग पर 1991 से प्रतिबंध लगा दिया गया है। 2023 में, यूरोपीय आयोग ने यौगिक को "फ्यूमिगेंट" के बजाय "कीटनाशक अवशेष" करार दिया।

PT FACT

एस्चेरिचिया कोली (ई.कोली) एक जीवाणु उपभेद है जो आम तौर पर लोगों और जानवरों की आंतों, मवेशियों और मनुष्यों के मल अपशिष्ट में पाया जाता है।

साल्मोनेला बैक्टीरिया का एक समूह है जो साल्मोनेलोसिस नामक खाद्य-जनित बीमारियों का कारण बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) साल्मोनेला को डायरिया संबंधी बीमारियों के चार प्रमुख वैश्विक कारणों में से एक के रूप में पहचानता है। जिन व्यक्तियों में साल्मोनेलोसिस विकसित होता है, उनमें संक्रमण होने के 12-72 घंटे बाद मतली, दस्त, बुखार और पेट में ऐंठन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसालों का उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है।

हिंदु विवाह में सप्तपदी एक आवश्यक अनुष्ठान

उच्चतम न्यायालय के हालिया निर्णय में कहा गया है कि हिंदू विवाह एक 'संस्कार' है और इसे हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत तब तक मान्यता नहीं दी जा सकती, जब तक कि इसे "उचित रूप में समारोहों के साथ नहीं किया जाता"।

हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधानों पर पीठ ने कहा कि "जब तक विवाह उचित समारोहों और उचित रूप में नहीं किया जाता है, तब तक इसे अधिनियम की धारा 7 (1) के अनुसार 'संपन्न' नहीं कहा जा सकता है।"

धारा 7 की उप-धारा (2) में सप्तपदी (saptapadi) संस्कार का उल्लेख है, यानी, दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के सामने संयुक्त रूप से सात कदम उठाना, जिसके पश्चात् विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है।

पीठ ने कहा कि "जहां हिंदू विवाह लागू संस्कारों या सप्तपदी जैसे समारोहों के अनुसार नहीं किया जाता है, वहां विवाह को हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। दूसरे शब्दों में, अधिनियम के तहत एक वैध विवाह के लिए, अपेक्षित समारोहों का आयोजन किया जाना चाहिए और कोई मुद्दा/विवाद उत्पन्न होने पर उक्त समारोह के प्रदर्शन का प्रमाण होना चाहिए।

न्यायालय ने बताया कि "हिंदू विवाह एक संस्कार है और इसका एक पवित्र चरित्र है। हिंदू विवाह में सप्तपदी के संदर्भ में, ऋग्वेद में वर्णन मिलता है, जिसके अनुसार, सातवां कदम (सप्तपदी) पूरा करने के बाद दूल्हा अपनी दुल्हन से कहता है, "सात कदमों के साथ हम दोस्त (सखा) बन गए हैं।"

शक्सगाम घाटी

हाल ही में, भारत ने शक्सगाम घाटी में बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

चीन अवैध तरीके से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (Pakistan-occupied Kashmir) स्थित इस घाटी में सड़क बना रहा है। जबकि भारत शक्सगाम घाटी को अपना हिस्सा मानता है।

भारत 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को स्वीकार नहीं करता है, जिसके माध्यम से पाकिस्तान ने चीन को "गैरकानूनी" रूप से इस क्षेत्र को सौंपने का प्रयास किया था।

शक्सगाम घाटी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का हिस्सा है।

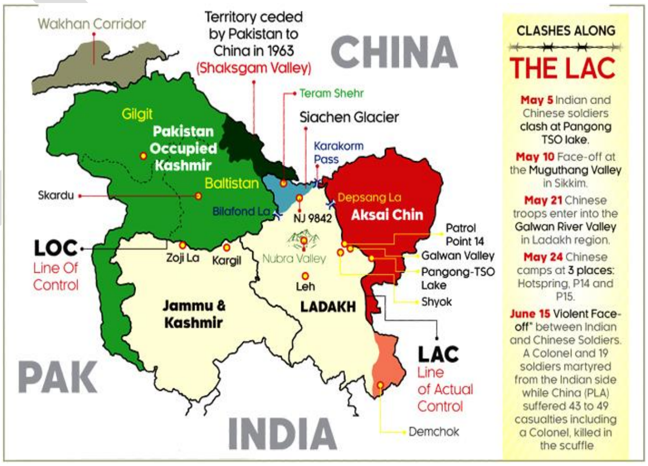

शक्सगाम घाटी के बारे में

शक्सगाम घाटी सियाचिन ग्लेशियर के उत्तर-पश्चिम, बाल्टिस्तान के उत्तर, गिलगिट के पूर्व और चीन के जिनजियांग के दक्षिण में स्थित है।

दक्षिण में काराकोरम रेंज और उत्तर में कुनलून पर्वत श्रृंखला के बीच स्थित शक्सगाम घाटी दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे पहाड़ों से घिरा हुआ है। यह बेहद दुर्गम स्थान है। यहां पर शक्सगाम नाम की नदी भी है।

यह एक विवादित क्षेत्र है जिस पर भारत दावा करता है लेकिन नियंत्रण पाकिस्तान द्वारा किया जाता है ।

गारो हिल्स में प्राचीन जीवाश्मों की खोज

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के खोजकर्ताओं ने हाल ही में मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स के टोलेग्रे में लगभग 35-40 मिलियन वर्ष पुराने प्राचीन जीवाश्मों को खोजा है।

ये जीवाश्म विलुप्त प्रजाति जेनेरा रोडोसेटस या अमुलोसेटस (genera Rhodocetus or Amulocetus) से संबंधित हो सकता है, जो संभावित रूप से व्हेल के पूर्वज थे।

गारो हिल्स के बारे में

गारो पहाड़ियाँ मेघालय राज्य के पश्चिमी भाग का निर्माण करती हैं। यह रेंज मेघालय उपोष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिकी-क्षेत्र का हिस्सा है।

भारत-बांग्लादेश सीमा के करीब स्थित, गारो पहाड़ियाँ पटकाई पहाड़ी श्रृंखला का हिस्सा हैं, जो भारत-म्यांमार सीमा तक फैली हुई है।

यह क्षेत्र ब्रह्मपुत्र नदी की विभिन्न सहायक नदियों द्वारा सिंचित है। गारो पहाड़ियों पर अधिकतर गारो नामक जनजाति का प्रभुत्व है ।

मानक आवश्यक पेटेंट (Standard Essential Patent)

भारत विशेष रूप से दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र में कुछ प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा मानक आवश्यक पेटेंट (एसईपी) के प्रबंधन से संबंधित संभावित संकट का सामना कर रहा है। सेल्युलर फोन के लिए भारत के घरेलू विनिर्माण उद्योग हेतु महत्वपूर्ण एसईपी की नियामक निगरानी को काफी हद तक न्यायपालिका पर छोड़ दिया गया है।

'मानक आवश्यक पेटेंट' (एसईपी) क्या हैं?

एसईपी एक तकनीकी आविष्कार के लिए दिया गया पेटेंट है जो किसी मानक के कार्यान्वयन और कामकाज के लिए आवश्यक है।

ये पेटेंट के प्रकार हैं जो उन प्रौद्योगिकियों को कवर करते हैं जिन्हें उद्योग द्वारा "मानकों" के रूप में अपनाया जाता है। उदाहरण के लिए, सीडीएमए, जीएसएम और एलटीई जैसी प्रौद्योगिकियां दूरसंचार क्षेत्र में सभी उद्योग मानक हैं।

विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित विभिन्न ब्रांडों के सेलुलर फोन की अंतरसंचालनीयता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी मानक विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

उदाहरण के लिए, एक बार जब जीएसएम को एक मानक के रूप में अपनाया गया, तो सभी निर्माताओं को यह सुनिश्चित करना था कि उनके द्वारा निर्मित हैंडसेट जीएसएम के अनुकूल हों।

दिल्ली की डेयरियों में प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल

हाल ही में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में डेयरी कॉलोनियों में 'ऑक्सीटोसिन के बड़े पैमाने पर उपयोग' के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

ऑक्सीटोसिन का सेवन पशु क्रूरता की श्रेणी में आता है, और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 12 के तहत एक संज्ञेय अपराध है।

पृष्ठभूमि

केंद्र सरकार ने अप्रैल 2018 में इस दवा पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगा दिया था कि दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए दुधारू मवेशियों पर इसका दुरुपयोग किया जा रहा है, जो न केवल मवेशियों के स्वास्थ्य बल्कि दूध का सेवन करने वाले मनुष्यों के स्वास्थ्य पर भी असर डालता है।

केंद्र ने निर्णय लिया था कि केवल एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (KAPL) को पूरे देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए ऑक्सीटोसिन का उत्पादन करने की अनुमति दी जाएगी।

क्या है ऑक्सीटोसिन

इसे 'लव हार्मोन' के रूप में भी जाना जाता है। यह हार्मोन स्तनधारियों की पिट्यूटरी ग्रंथियों द्वारा सेक्स, प्रसव, स्तनपान या सामाजिक बंधन के दौरान स्रावित होता है और प्रसव के दौरान उपयोग के लिए फार्मा कंपनियों द्वारा रासायनिक रूप से निर्मित और बेचा जा सकता है। इसे या तो इंजेक्शन या नाक के घोल के रूप में दिया जाता है।

नई माताओं को जन्म देने के बाद अत्यधिक रक्तस्राव से बचाने के लिए इसका उपयोग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो मातृ मृत्यु का एक सामान्य कारण है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जारी ब्लू कॉर्नर नोटिस

यौन शोषण के आरोपों के बाद राजनयिक पासपोर्ट पर जर्मनी भाग गए एक राजनीतिक पार्टी के सांसद के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी कर सकती है।

ब्लू कॉर्नर नोटिस के बारे में

यह इंटरपोल की रंग-कोडित नोटिस प्रणाली का एक हिस्सा है, जो देशों को "दुनिया भर में वांछित व्यक्तियों/अपराधों पर" जानकारी के लिए अलर्ट और अनुरोध साझा करने में सक्षम बनाता है।

नोटिस सात प्रकार के होते हैं - रेड नोटिस, येलो नोटिस, ब्लू नोटिस, ब्लैक नोटिस, ग्रीन नोटिस, ऑरेंज नोटिस और पर्पल नोटिस। हर एक का अलग-अलग निहितार्थ है।

रेड नोटिस: अभियोजन या सज़ा काटने के लिए वांछित व्यक्तियों के स्थान और गिरफ्तारी की तलाश करना।

येलो नोटिस: लापता व्यक्तियों, अक्सर नाबालिगों का पता लगाने में मदद करने के लिए, या ऐसे लोगों की पहचान करने में मदद करने के लिए जो खुद को पहचानने में असमर्थ हैं।

ब्लू नोटिस: आपराधिक जांच के संबंध में किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान या गतिविधियों के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र करना।

ब्लैक नोटिस: अज्ञात शवों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए।

ग्रीन नोटिस: किसी व्यक्ति की आपराधिक गतिविधियों के बारे में चेतावनी देने के लिए, जहां उस व्यक्ति को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए संभावित खतरा माना जाता है।

ऑरेंज नोटिस: सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर और आसन्न खतरे का प्रतिनिधित्व करने वाली किसी घटना, व्यक्ति, वस्तु या प्रक्रिया के बारे में चेतावनी देने के लिए।

पर्पल नोटिस: अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले तौर-तरीकों, वस्तुओं, उपकरणों और छिपने के तरीकों के बारे में जानकारी मांगना या प्रदान करना।

इंटरपोल के बारे में

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन, जिसे आमतौर पर इंटरपोल के नाम से जाना जाता है, दुनिया भर में पुलिस सहयोग और अपराध नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है। ल्योन, फ्रांस में स्थित, यह दुनिया का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय पुलिस संगठन है।

ये नोटिस किसी सदस्य देश के नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के अनुरोध पर इंटरपोल के जनरल सचिवालय द्वारा जारी किए जाते हैं, और सभी सदस्य देशों के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं।

पलियार जनजाति

'कोडाईकनाल और थेनी क्षेत्रों में पलियार जनजातियों' पर किए गए एक हालिया शोध में एक प्रमुख निष्कर्ष से पता चला कि 36 गांवों में रहने वाले 1,173 परिवारों में से किसी के भी पास सरकारी नौकरी नहीं है।

जनजाति के बारे में

केरल और तमिलनाडु के पहाड़ों और जंगलों में रहने वाली इस खानाबदोश द्रविड़ जनजाति का एक समृद्ध इतिहास और संस्कृति है।

पलियार जनजाति तमिलनाडु के मदुरै, रामनाथपुरम, डिंडीगुल और श्रीविल्लिपुथुर जिलों में केंद्रित हैं। ये कई नामों से जाने जाते हैं, जैसे पलियान , पझैयारारे और पनैयार।

ऐतिहासिक रूप से, पलियार पूरे डिंडीगुल जिले और पश्चिमी घाट से सटे सिरुमलाई पलानी पहाड़ियों में फैले हुए थे। चूंकि वे पलानी पहाड़ियों में रहते थे, इसलिए इन्हें पनैयार के नाम से जाना जाता था।

परंपरागत रूप से, पलियार शिकारी और संग्रहकर्ता थे। वर्तमान में, वे वन उत्पादों के व्यापारियों, खाद्य कृषकों और मधुमक्खी पालकों में बदल गए हैं, जिनमें से कुछ बागानों में मजदूरों के रूप में काम करते हैं।

नई दवाओं हेतु विनिर्माण लाइसेंस जारी करने की शक्ति

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) निर्यात के लिए नई दवाओं हेतु विनिर्माण लाइसेंस जारी करने वाला एकमात्र प्राधिकरण बन गया है, जिसने भारत निर्मित दवाओं की बढ़ती वैश्विक जांच के बीच राज्य सरकारों से विनिर्माण लाइसेंस जारी करने की शक्ति वापस ले ली है।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के बारे में:

यह ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के प्रावधानों के तहत चिकित्सा उपकरण उद्योग के लिए भारत का राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण है। यह भारत की शीर्ष दवा नियामक संस्था है।

यह प्राधिकरण देश में नई दवाओं, क्लिनिकल परीक्षणों की मंजूरी, दवाओं के लिए मानक निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार हैं।

यह भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के तहत काम करता है। भारतीय औषधि महानियंत्रक (DCGI) CDSCO का प्रमुख है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए शिंकू ला सुरंग का निर्माण

सीमा सड़क संगठन (BRO) चीन सीमा के निकट कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए शिंकू ला सुरंग का निर्माण शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

शिंकू ला सुरंग

यह हिमाचल की लाहौल घाटी और लद्दाख की ज़ांस्कर घाटी के बीच 15,800 फीट पर शिंकू-ला दर्रे के नीचे एक सुरंग है। यह निमू-पदम-दारचा रोड लिंक पर स्थित है।

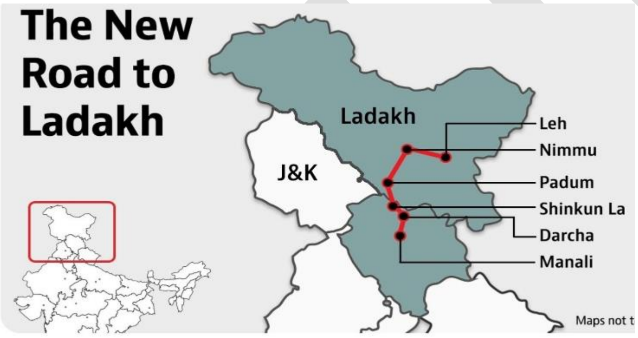

इस सुरंग की लंबाई 4.1 किलोमीटर होगी। निर्माण पूरा होने के बाद शिंकू-ला सुरंग दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग बन जाएगी।

यह लद्दाख को हर मौसम में सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करेगा और यह लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए सबसे छोटा मार्ग होगा।

भारतीयों के लिए आहार दिशानिर्देश

हैदराबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन (एनआईएन) ने भारतीयों के लिए संशोधित आहार दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें आवश्यक पोषक तत्वों को पूरा करने और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) को रोकने के लिए आवश्यक दिशानिर्देशों का उल्लेख है।

हैदराबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन (एनआईएन), जो भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) का हिस्सा है, ने शरीर के निर्माण के लिए प्रोटीन सप्लीमेंट से बचने का आह्वान किया है। प्रोटीन पाउडर के लंबे समय तक सेवन से हड्डियों से खनिज क्षति और किडनी क्षति जैसे संभावित खतरे उत्पन्न हो सकते हैं।

स्वस्थ भोजन विकल्प चुनने के लिए नमक का सेवन सीमित करने, चीनी और अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को कम करने और खाद्य लेबल पर जानकारी पढ़ने की सिफारिश की गयी है।

दिशानिर्देशों के अनुसार, कुल ऊर्जा सेवन में चीनी 5 प्रतिशत से कम होनी चाहिए, और संतुलित आहार में अनाज और बाजरा से 45 प्रतिशत से अधिक कैलोरी नहीं मिलनी चाहिए। इसमें कहा गया कि दालों, बीन्स और मांस से प्राप्त कैलोरी 15 प्रतिशत होनी चाहिए। बाकी कैलोरी नट्स, सब्जियों, फलों और दूध से आनी चाहिए।

इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम

हाल ही में, मतदाताओं को हर दिन इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) कॉल प्राप्त हो रही हैं। भारतीय चुनाव आयोग को इस बात की जांच का आदेश देना चाहिए कि विभिन्न दूरसंचार कंपनियों के सेवा प्रदाताओं ने नागरिकों के मोबाइल फोन नंबर राजनीतिक दलों के साथ कैसे साझा किए।

इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस (आईवीआर) एक स्वचालित फोन सिस्टम तकनीक है जो कॉलर्स को किसी एजेंट से बात किए बिना ही पहले से रिकॉर्ड किए गए संदेशों तक पहुंचने की अनुमति देती है।

इस प्रकार, यह प्रणाली पूर्व-रिकॉर्ड किए गए संदेशों और टेक्स्ट-टू-स्पीच तकनीक को जोड़ती है।

यह एक टेलीफोनी प्रणाली है जो कंपनियों और संगठनों से अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों और अन्य बुनियादी कार्यों को स्वचालित रूप से हल करने में मदद करती है और उपयोगकर्ताओं को बातचीत करने का एक आसान तरीका

प्रदान करती है। यह बड़ी मात्रा में कॉल से निपटने के लिए एक अच्छा समाधान प्रदान करती है।

इंडियन ओशन डायपोल

हाल ही में, दो ऑस्ट्रेलियाई मौसम एजेंसियों ने कहा है कि हिंद महासागर में पॉजिटिव इंडियन ओशन डायपोल (आईओडी) या इंडियन नीनो, 2024 के उत्तरार्ध में लगातार दूसरे वर्ष फिर से उभर सकता है।

इंडियन नीनो, एक जलवायु पैटर्न है, जिसके परिणामस्वरूप हिंद महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में अनियमित उतार-चढ़ाव होता है।

इंडियन ओशन डायपोल के बारे में:

इसे कभी-कभी भारतीय नीनो भी कहा जाता है, यह एक ऐसी ही घटना है, जो पूर्व में इंडोनेशियाई और मलेशियाई तटरेखा और पश्चिम में सोमालिया के पास अफ्रीकी तटरेखा के बीच हिंद महासागर के क्षेत्र में घटित होती है।

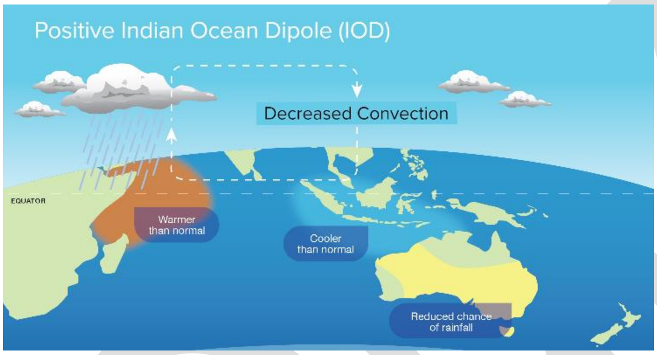

एक 'सकारात्मक आईओडी' पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर में सामान्य समुद्र-सतह तापमान (एसएसटी) से अधिक ठंडा और पश्चिमी उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर में सामान्य समुद्र-सतह तापमान से अधिक गर्म होता है।

इसके विपरीत घटना को 'नकारात्मक आईओडी' कहा जाता है , जो पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर में सामान्य एसएसटी की तुलना में गर्म और पश्चिमी उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर में सामान्य एसएसटी की तुलना में ठंडा होता है।

एक सकारात्मक आईओडी घटना को अक्सर एल नीनो के समय विकसित होते देखा जाता है, जबकि एक नकारात्मक आईओडी ला नीना के साथ जुड़ा होता है।

प्रभाव

एक सकारात्मक आईओडी इंडोनेशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया में वर्षा को रोकते हुए अफ्रीकी समुद्र तट और भारतीय उपमहाद्वीप में वर्षा में मदद करता है। नकारात्मक आईओडी की घटना के दौरान प्रभाव विपरीत होते हैं।

कादर अनुसूचित जनजाति

हाल ही में, तमिलनाडु के अनामलाई टाइगर रिजर्व में एक हाथी के हमले से कादर जनजाति के एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। कादर जनजाति जंगली हाथियों के साथ सह-अस्तित्व में रहने के लिए जाने जाते हैं।

कादर जनजाति के बारे में:

कादर दक्षिण भारत का एक स्वदेशी आदिवासी समुदाय है। ये केरल में कोच्चि और तमिलनाडु में कोयंबटूर के बीच पहाड़ी सीमा पर रहते हैं।

ये पारंपरिक वन निवासी हैं जो जीविका के लिए वन उपज पर निर्भर हैं। ये खेती नहीं करते हैं।

21वीं सदी की शुरुआत में इनकी आबादी लगभग 2,000 थी। ये तमिल और कन्नड़ जैसी द्रविड़ भाषाएँ बोलते हैं ।

ये केरल में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) के रूप में सूचीबद्ध हैं , लेकिन तमिलनाडु में कादर जनजाति को यह दर्जा नहीं दिया गया है।

पीएम-वाणी योजना

प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वाणी) योजना के तहत सार्वजनिक वाईफाई हॉटस्पॉट देश में 2 लाख के आंकड़े के करीब हैं। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वर्तमान में 1,99,896 वाईफाई हॉटस्पॉट उपलब्ध हैं।

पीएम-वाणी योजना के बारे में:

प्रधानमंत्री वाईफाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वाणी) को संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग द्वारा दिसंबर 2020 में लॉन्च किया गया था।

इस योजना का उद्देश्य देश में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत डिजिटल संचार बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए सार्वजनिक वाईफाई हॉटस्पॉट के प्रसार को बढ़ाना है।

सार्वजनिक हॉटस्पॉट तक बेहतर पहुंच के माध्यम से, सरकार का लक्ष्य छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों के लिए रोजगार बढ़ाना और वंचित शहरी गरीबों और ग्रामीण परिवारों को कम लागत वाला इंटरनेट प्रदान करना है।

यह योजना स्थानीय दुकानों और प्रतिष्ठानों को अंतिम मील इंटरनेट वितरण के लिए वाई-फाई प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करती है जिसके लिए लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होती है या पंजीकरण शुल्क नहीं लगता है।

पीएम-वाणी इंटरनेट का उपयोग कैसे कर सकते हैं?

पीएम-वाणी योजना के तहत सार्वजनिक हॉटस्पॉट तक पहुंचने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध मोबाइल एप्लिकेशन 'Wi-DOT' डाउनलोड करना होगा जो उपलब्ध नेटवर्क दिखाता है। फिर उपयोगकर्ता उपलब्ध कनेक्शनों की सूची में से नेटवर्क चुन सकता है और नेटवर्क का उपयोग करने के लिए भुगतान कर सकता है। उपयोगकर्ता तब तक नेटवर्क का उपयोग कर सकता है जब तक कि उसकी शेष राशि समाप्त न हो जाए।

भारतीय विज्ञापन मानक परिषद

हाल ही में भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (ASCI) ने मशहूर हस्तियों वाले 101 विज्ञापनों के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई की है।

यह भारत में विज्ञापन उद्योग का एक स्वैच्छिक स्व-नियामक संगठन है ।

इसकी स्थापना 1985 में विज्ञापन और मीडिया उद्योग के पेशेवरों द्वारा भारतीय विज्ञापनों को सभ्य, निष्पक्ष और ईमानदार बनाए रखने के लिए किया गया था।

यह सभी मीडिया जैसे प्रिंट, टीवी, रेडियो, होर्डिंग्स, एसएमएस, ईमेल, इंटरनेट/वेबसाइट, उत्पाद पैकेजिंग, ब्रोशर, प्रचार सामग्री और बिक्री केन्द्र सामग्री आदि से प्राप्त शिकायतों पर गौर करता है।

'रन फॉर सन' मैराथन

भारत सरकार ने हरित और स्वस्थ ग्रह को बढ़ावा देने हेतु 3 मई, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय सूर्य दिवस (इंटरनेशनल सन डे) मनाने के उद्देश्य से नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 'रन फॉर सन' मैराथन का आयोजन किया।

भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 3 किमी और 5 किमी की दौड़ वाली 'रन फॉर सन' मैराथन को जलवायु परिवर्तन में कमी लाने और सभी के लिए स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य को बढ़ावा देने में सौर ऊर्जा की अहम भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।

मैराथन के माध्यम से सौर ऊर्जा और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति देश की तरफ से मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

टीकाकरण पर आवश्यक कार्यक्रम

वर्ष 2024 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम (Expanded Programme on Immunization : EPI) के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है, जिसे वर्तमान में टीकाकरण पर आवश्यक कार्यक्रम (Essential Programme on Immunization) के रूप में जाना जाता है।

इसे 1974 में विश्व स्वास्थ्य संगठन **टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम** के रूप में शुरू किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी देशों में सभी बच्चों को जीवन रक्षक टीकों से लाभ मिल सकें।

कार्यक्रम में शामिल टीके

प्रारंभ में यह कार्यक्रम छह टीकों को शामिल करता था - बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (बीसीजी), डिप्थीरिया, पर्टुसिस, टेटनस, पोलियो और खसरा।

बाद में WHO ने इस पहल के तहत 7 और बीमारियों को शामिल किया- हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (Hib), हेपेटाइटिस बी (HepB), रूबेला, न्यूमोकोकल रोग (PNC), रोटावायरस (रोटा), ह्यूमन पैपिलोमावायरस (HPV), और कोविड-19।

भारत का सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी)

यह कार्यक्रम संपूर्ण विश्व और भारत में टीकाकरण कार्यक्रमों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। 1974 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इस कार्यक्रम के घोषणा के बाद, दुनिया भर के लगभग हर देश ने अपना राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया।

भारत ने 1978 में ईपीआई लॉन्च किया था, जिसे बाद में 1985 में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (Universal Immunization Programme : UIP) नाम दिया गया था।

यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम (यूआईपी) सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है, जो सालाना करीब 2.67 करोड़ नवजात शिशुओं और 2.9 करोड़ गर्भवती महिलाओं को लक्षित करता है।

यह सबसे अधिक लागत प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों में से एक है और 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाने के लिए काफी हद तक सहायक रहा है।

यूआईपी के तहत, 12 वैक्सीन मुफ्त प्रदान की जा रही है:

- राष्ट्रीय स्तर पर 9 बीमारियों के खिलाफ - डिप्थीरिया, पर्टुसिस, टेटनस, पोलियो, खसरा, रूबेला, तपेदिक, हेपेटाइटिस बी और हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी के कारण होने वाला मेनिनजाइटिस और निमोनिया
- उप-राष्ट्रीय स्तर पर 3 बीमारियों के खिलाफ - रोटावायरस डायरिया, न्यूमोकोकल निमोनिया और जापानी एन्सेफलाइटिस; जिनमें से रोटावायरस वैक्सीन और न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन विस्तार की प्रक्रिया में हैं, जबकि जापानी एन्सेफलाइटिस वैक्सीन केवल स्थानिक जिलों में प्रदान की जाती है।

पाइरेनीज़ पर्वत में फ्रांस और चीन की बैठक का आयोजन

फ्रांस के राष्ट्रपति ने 7 मई को निजी बैठकों के लिए पाइरेनीज़ (Pyrenees) में एक सुदूर पहाड़ी दर्रे पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मेजबानी की है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को स्पेनिश सीमा के पास टूरमलेट दर्रे (Tourmalet Pass) पर बैठक का आयोजन किया।

पाइरेनीज़ पर्वत के बारे में:

पाइरेनीज़ दक्षिण-पश्चिमी यूरोप में एक वलित पर्वत श्रृंखला है जो स्पेन और फ्रांस के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है।

यह पूर्व में भूमध्य सागर के तट से लेकर पश्चिम में अटलांटिक महासागर पर बिस्के की खाड़ी तक फैला हुआ है।

यह शेष महाद्वीपीय यूरोप को इबेरियन प्रायद्वीप से अलग करता है।

पाइरेनीज़ पर्वत का पश्चिमी छोर इबेरियन प्रायद्वीप के उत्तरी भाग में स्थित कैंटब्रियन पर्वत के साथ विलीन हो जाता है।

स्पेन में स्थित, एनेटो पीक, पाइरेनीस पर्वत (3,404 मीटर) की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है।

ग्लाइड फेज़ इंटरसेप्टर (जीपीआई) परियोजना

जापान एवं अमेरिका संयुक्त रूप से ग्लाइड फेज़ इंटरसेप्टर (जीपीआई) परियोजना में निवेश कर रहे हैं।

यह अमेरिका और जापान द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की जा रही एक मिसाइल इंटरसेप्टर प्रणाली है, जिसके 2032 के अंत तक विकसित होने की संभावना है।

ग्लाइड फेज़ इंटरसेप्टर एक मिसाइल रक्षा कार्यक्रम है जिसे लॉन्च चरण और टर्मिनल चरण के बीच, ग्लाइड चरण के दौरान हाइपरसोनिक मिसाइलों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

अंटार्कटिक संधि सलाहकार बैठक

भारत 20 से 30 मई, 2024 तक, कोच्चि, केरल में 46वीं अंटार्कटिक संधि सलाहकार बैठक (ATCM 46) और पर्यावरण संरक्षण समिति (CEP 26) की 26वीं बैठक की मेजबानी करेगा।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (NCPOR) के माध्यम से आयोजित, इन बैठकों का उद्देश्य अंटार्कटिका में पर्यावरण संरक्षण और वैज्ञानिक सहयोग पर वैश्विक चर्चा को सुविधाजनक बनाना है।

अंटार्कटिक संधि के बारे में

अंटार्कटिक संधि प्रणाली के तहत प्रतिवर्ष बुलाई जाने वाली ये बैठकें अंटार्कटिका के महत्वपूर्ण पर्यावरण, वैज्ञानिक और शासन संबंधी मुद्दों को संबोधित करने के लिए अंटार्कटिक संधि सलाहकार दलों और अन्य हितधारकों के लिए मंच के रूप में काम करती हैं।

1959 में हस्ताक्षरित और 1961 में लागू हुई अंटार्कटिक संधि ने अंटार्कटिका को शांतिपूर्ण उद्देश्यों, वैज्ञानिक सहयोग और पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित क्षेत्र के रूप में स्थापित किया। वर्तमान में 56 देश इस समझौते पर हस्ताक्षरकर्ता हैं।

पर्यावरण संरक्षण समिति के बारे में

सीईपी की स्थापना 1991 में अंटार्कटिक संधि के पर्यावरण संरक्षण पर प्रोटोकॉल (मैड्रिड प्रोटोकॉल) के तहत की गई थी।

सीईपी अंटार्कटिका में पर्यावरण संरक्षण पर अंटार्कटिका संधि परामर्शदात्री बैठक को सलाह देता है।

अंटार्कटिक संधि सचिवालय (ATS)

अंटार्कटिक संधि सचिवालय (ATS) अंटार्कटिक संधि प्रणाली के लिए प्रशासनिक केंद्र के रूप में कार्य करता है।

2004 में स्थापित, एटीएस एटीसीएम और सीईपी बैठकों का समन्वय करता है, सूचनाओं को पुनः प्रस्तुत और प्रसारित करता है, और अंटार्कटिक शासन और प्रबंधन से संबंधित राजनयिक संचार, आदान-प्रदान और वार्ता की सुविधा प्रदान करता है।

यह अंटार्कटिक संधि प्रावधानों और समझौतों के अनुपालन की निगरानी भी करता है और संधि कार्यान्वयन एवं प्रवर्तन मामलों पर अंटार्कटिक संधि दलों को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

भारत की अंटार्कटिका में स्थिति

भारत, 1983 से अंटार्कटिक संधि का एक सलाहकार दल है, साथ ही अंटार्कटिक अनुसंधान और पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

भारत का पहला अंटार्कटिक अनुसंधान स्टेशन, दक्षिण गंगोत्री, 1983 में स्थापित किया गया था। वर्तमान में, भारत दो अनुसंधान केंद्र संचालित कर रहा है: मैत्री (1989) और भारती (2012)।

स्थायी अनुसंधान स्टेशन अंटार्कटिका में भारतीय वैज्ञानिक अभियानों की सुविधा प्रदान करते हैं, जो 1981 से प्रतिवर्ष चल रहे हैं। 2022 में, भारत ने अंटार्कटिक संधि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, अंटार्कटिक अधिनियम लागू किया।

ध्रुवीय क्षेत्रों (आर्कटिक और अंटार्कटिक), हिमालय और दक्षिणी महासागर में भारत के वैज्ञानिक और रणनीतिक प्रयास गोवा में राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के अधीन हैं। NCPOR भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत एक प्रतिष्ठित स्वायत्त संस्थान है।

संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी ट्रस्ट फंड में भारत का योगदान

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी ट्रस्ट फंड (U.N. Counter-Terrorism Trust Fund) में $500,000 का योगदान दिया है।

यह योगदान संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी कार्यालय (UNOCT) के वैश्विक कार्यक्रमों का समर्थन करता है, जो मुख्य रूप से आतंकवाद के वित्तपोषण (Countering Financing of Terrorism : CFT) और काउंटरिंग टेररिस्ट ट्रैवल प्रोग्राम (Countering Terrorist Travel Programme : CTTP) पर केंद्रित है।

संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी ट्रस्ट फंड के बारे में:

इसकी स्थापना 2009 में हुई थी और 2017 में इसे संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय (UNOCT) में स्थानांतरित कर दिया गया।

यह कोष सरकारों, अंतर-सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों, निजी संस्थानों और व्यक्तियों से योगदान स्वीकार करता है।

चाबहार बंदरगाह पर भारत और ईरान के मध्य समझौता

भारत और ईरान ने ईरान में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह पर एक टर्मिनल के संचालन के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

शाहिद-बेहस्ती टर्मिनल (Shahid-Behesti terminal) के संचालन को सक्षम करने के लिए इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के पोर्ट एंड मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन (पीएमओ) के बीच दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बंदरगाह के विकास में आईपीजीएल लगभग 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा।

ईरान के साथ दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करना मध्य एशिया और उससे आगे के लिए भारत की रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि का हिस्सा है।

ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में चाबहार एक गहरे पानी का बंदरगाह है। यह बंदरगाह पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह से 72 किमी पश्चिम में स्थित है।

यह भारत के सबसे नजदीक स्थित ईरानी बंदरगाह है जो खुले समुद्र में स्थित है। यह बड़े मालवाहक जहाजों के लिए आसान और सुरक्षित पहुंच प्रदान करता है।

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन

हाल ही में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस (GBA) ने देश के परिदृश्य का आकलन करने, नीति ढांचे का मसौदा तैयार करने और जैव ईंधन कार्यशालाएं आयोजित करने पर केंद्रित एक कार्य योजना अपनाई है।

वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (जीबीए) के बारे में:

ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस जैव ईंधन को अपनाने के लिए भारत के नेतृत्व वाली एक पहल है, जो सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और उद्योगों का एक बहु-हितधारक गठबंधन है।

इस पहल का उद्देश्य जैव ईंधन को ऊर्जा परिवर्तन की कुंजी के रूप में स्थापित करना और नौकरियों और आर्थिक विकास में योगदान देना है।

यह गठबंधन सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और उद्योगों का एक बहु-हितधारक गठबंधन है। इसे नई दिल्ली में 2023 G20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर लॉन्च किया गया था। भारत के नेतृत्व वाली इस पहल में अब तक 24 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं।

यह पहल जैव ईंधन व्यापार का समर्थन करने और जैव ईंधन में जागरूकता बढ़ाने के लिए जैव ईंधन के सबसे बड़े उपभोक्ताओं और उत्पादकों को एक साथ लाती है।

जैव ईंधन में भारत की स्थिति

वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड 171.2 बिलियन लीटर जैव ईंधन की खरीद की गई, जिसमें भारत का योगदान केवल 2.7 प्रतिशत या 4.6 बिलियन लीटर था।

इसके बावजूद अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत इथेनॉल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है।

भारत गन्ना, मक्का और वनस्पति तेलों सहित जैव ईंधन फीडस्टॉक के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।

बुलावा मिसाइल

रूसी राष्ट्रपति ने रूसी सैन्य शस्त्रागार में बुलावा नामक एक नई परमाणु-सक्षम मिसाइल को शामिल करने का आदेश देकर देश की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाया है।

बुलावा मिसाइल के बारे में:

RSM-56 बुलावा (NATO रिपोर्टिंग नाम: SS-N-32) एक अंतरमहाद्वीपीय-रेंज, पनडुब्बी-प्रक्षेपित, ठोस प्रणोदक बैलिस्टिक मिसाइल है। यह तीन चरणों वाली ठोस प्रणोदक मिसाइल है।

इस मिसाइल का विकास 1990 के दशक के अंत में शुरू किया गया था, और इसे रूस की बोरे-क्लास की पनडुब्बियों पर तैनात करने के लिए डिजाइन किया गया है।

आंतरिक विस्थापन पर वैश्विक रिपोर्ट (GRID) 2024

हाल ही में जारी आंतरिक विस्थापन पर वैश्विक रिपोर्ट (GRID) के अनुसार, 2023 में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या पिछले वर्ष के 71.1 मिलियन से बढ़कर 75.9 मिलियन हो गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 7.7 मिलियन लोग आपदाओं के कारण विस्थापित हुए (इसमें से एक-चौथाई भूकंप के कारण विस्थापित हुए) और 68.3 मिलियन लोग संघर्ष और हिंसा के कारण विस्थापित हुए।

सूडान, सीरिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी), कोलंबिया और यमन दुनिया के लगभग आधे आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की मेजबानी करते हैं।

दक्षिण एशिया, जिसमें भारत भी शामिल है, में हाल के वर्षों में सबसे कम विस्थापन दर्ज किया गया। दक्षिण एशिया में 3.7 मिलियन आंतरिक विस्थापन हुए, जिनमें से 3.6 मिलियन आपदाओं के कारण हुए। यह 2018 के बाद से सबसे कम

विस्थापन का आंकड़ा है, जब आईडीएमसी ने आंतरिक विस्थापन की निगरानी शुरू की थी।

आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र (आईडीएमसी) के बारे में:

यह जिनेवा स्थित आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र (IDMC) द्वारा प्रकाशित एक वार्षिक रिपोर्ट है। यह केंद्र संघर्ष, हिंसा और आपदाओं के कारण आंतरिक विस्थापन को रिकॉर्ड करता है ।

आईडीएमसी आंतरिक विस्थापन को "एक वर्ष के दौरान अपने देश की सीमाओं के भीतर लोगों की जबरन आवाजाही की संख्या" के रूप में परिभाषित करता है।

यूएई का 10-वर्षीय ब्लू रेजीडेंसी वीज़ा

हाल ही में, संयुक्त अरब अमीरात ने पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों के लिए 10-वर्षीय ब्लू रेजीडेंसी वीज़ा को मंजूरी दी है।

संयुक्त अरब अमीरात ने पर्यावरणविदों के लिए एक दीर्घकालिक निवास कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे 'ब्लू रेजीडेंसी' के नाम दिया गया है।

यह 10-वर्षीय वीज़ा विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन किया गया है जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति असाधारण योगदान और प्रयासों का प्रदर्शन किया है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का समर्थन करना है।

यह वीज़ा एक विशेष निवास परमिट है, जो उन लोगों को दिया जाएगा जिन्होंने समुद्री जीवन, भूमि-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र, वायु गुणवत्ता, टिकाऊ प्रौद्योगिकियों, चक्रीय अर्थव्यवस्था आदि विभिन्न पर्यावरणीय क्षेत्रों में असाधारण प्रदर्शन किया है।

अहरामत नदी

हाल ही में, शोधकर्ताओं की एक टीम ने मिस्र की प्राचीन भूमि से लुप्त अहरामत नदी के साक्ष्य को उजागर किया है। यह नदी संभवतः वैज्ञानिकों को पिरामिडों के रहस्य को सुलझाने में मदद कर सकती है।

अहरामत नील नदी की हाल ही में खोजी गई एक सहायक नदी है, जिसका अरबी में इसका अर्थ है 'पिरामिड'।

अहरामत नदी संभवतः प्राचीन मिस्र में पिरामिडों के निर्माण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक थी।

अहरामत शाखा 31 पिरामिडों के पास से बहती थी, जिसमें प्रतिष्ठित गीज़ा पिरामिड परिसर भी शामिल है।

यह निकटता दर्शाती है कि नदी एक महत्वपूर्ण परिवहन मार्ग के रूप में कार्य करती थी। प्राचीन मिस्र के लोग संभवतः पिरामिड स्थलों तक विशाल पत्थर के ब्लॉक और अन्य निर्माण सामग्री ले जाने के लिए नदी का उपयोग करते थे।

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, 2024

हाल ही में, जेनी एर्पेनबेक द्वारा लिखित और माइकल हॉफमैन द्वारा अनुवादित पुस्तक 'कैरोस' ने 2024 का अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीता है। एर्पेनबेक अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार की पहली जर्मन विजेता हैं।

यह कृति पूर्वी जर्मनी के अस्तित्व के अंतिम वर्षों के दौरान एक उलझे हुए प्रेम संबंध की कहानी है।

यह पुरस्कार प्रतिवर्ष दुनिया भर के उपन्यासों के सर्वश्रेष्ठ एकल कार्य के लिए प्रदान किया जाता है जिसका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया हो।

वर्ष 2023 में बल्गेरियाई लेखक जॉर्जी गोस्पोडिनोव द्वारा लिखित और एंजेला रोडेल द्वारा अंग्रेजी में अनुवादित उपन्यास 'टाइम शेल्टर' को अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2023 दिया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय

अंतर्राष्ट्रीयआपराधिक न्यायालय (ICC) के अभियोजक युद्ध अपराधों के लिए इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और तीन हमास नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की मांग कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) के बारे मे

यह रोम संविधि (1998) द्वारा स्थापित एक स्थायी न्यायिक निकाय है जो नरसंहार, युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध और आक्रामकता के अपराध के आरोपी व्यक्तियों की जांच, मुकदमा चलाने और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों को जेल की सजा देने के लिए स्थापित किया गया है।

पृष्ठभूमि : न्यायालय की संस्थापक संधि, रोम संविधि , जुलाई 1998 में अपनाई गई और न्यायालय ने 2002 में काम शुरू किया।

मुख्यालय: हेग, नीदरलैंड

सदस्य : 123 राष्ट्र रोम संविधि के सदस्य देश हैं और आईसीसी को मान्यता देते हैं। अमेरिका, चीन, रूस और भारत इसके सदस्य देश नहीं हैं।

न्यायाधीश : न्यायालय में अठारह न्यायाधीश हैं , जिनमें से प्रत्येक एक अलग सदस्य देश से है, जो नौ साल की अवधि के लिए चुने जाते हैं।

फिलीपींस और चीन के मध्य विवाद

हाल ही में दक्षिण चीन सागर में स्कारबोरो शोल (scarborough shoal) को लेकर फिलीपींस और चीन के मध्य विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गयी है।

इसके अतिरिक्त, मनीला ने बीजिंग पर एक अन्य विवादित एटोल, सबीना शोल, जो फिलीपीन द्वीप पलावन से लगभग 83 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित है, को कृत्रिम द्वीप में बदलने का भी आरोप लगाया है।

स्कारबोरो शोल 2012 से चीन के नियंत्रण में है, जब बीजिंग ने इसे मनीला से एक हफ़्ते लंबे गतिरोध के बाद छीन लिया था। फिलिपिनो मछुआरे लंबे समय से संसाधन-समृद्ध शोल में काम करते रहे हैं, लेकिन तब से उनकी पहुँच प्रतिबंधित और छिटपुट रही है।

2016 में, संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के तहत स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने दक्षिण चीन सागर में चीन के व्यापक दावों को खारिज कर दिया और फैसला सुनाया कि यह शोल फिलीपींस, चीन और वियतनाम के लिए पारंपरिक मछली पकड़ने का क्षेत्र है। लेकिन चीन ने इस फैसले की अनदेखी की और स्कारबोरो शोल सहित समुद्र के अधिकांश हिस्से पर अपना नियंत्रण बनाए रखा।

स्कारबोरो शोल के बारे में:

स्कारबोरो शोल दक्षिण चीन सागर में छोटी चट्टानों की एक श्रृंखला है जो त्रिकोण आकार में बनी हैं, जो फिलीपींस के लूजोन द्वीप से लगभग 120 समुद्री मील पश्चिम में है।

स्कारबोरो शोल पर कोई संरचना नहीं बनी है, लेकिन इस पर चीन का प्रभावी नियंत्रण है, जिसने 2012 से इस पर लगातार तटरक्षक की मौजूदगी बनाए रखी है।

चीन स्कारबोरो शोल को 'हुआंगयान दाओ' (Huangyan Dao) कहता है जबकि फिलीपींस इसे 'पैनाटैग शोल' या 'बाजो डी मासिनलोक' (Bajo de Masinloc/Panatag Shoal) कहता है।

तट के आसपास का गहरा पानी इसे एक उत्पादक मत्स्य पालन का क्षेत्र बनाता है, जो समुद्री जीवन से समृद्ध है, और लैगून में कई व्यावसायिक रूप से मूल्यवान शंख और समुद्री खीरे मिलते हैं।

फिलीपींस भौगोलिक आधार पर इस क्षेत्र पर अपना दावा करता है , क्योंकि यह फिलीपींस के मुख्य द्वीप लूजोन के काफी करीब है, लेकिन यह चीन से 500 मील से अधिक दूरी पर स्थित है।

अरब लीग द्वारा फिलिस्तीनी क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की मांग

अरब लीग ने बहरीन के मनामा में एक शिखर सम्मेलन के दौरान फिलिस्तीनी क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की मांग की।

"मनामा घोषणापत्र" में दो-राज्य समाधान लागू होने तक "कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र की अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और शांति सेना" की मांग की गई।

इसने गाजा में "तत्काल" युद्ध विराम और फिलिस्तीनी क्षेत्र में जबरन विस्थापन को समाप्त करने का भी आह्वान किया।

अरब लीग के बारे में

अरब लीग, 1945 में स्थापित 22 अरब देशों का एक गठबंधन है, जिसमें मध्य-पूर्व और अफ्रीका के देश शामिल हैं।

मुख्यालय: काहिरा, मिस्र ।

कोपरनिकस आपातकालीन प्रबंधन सेवा

ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने के तुरंत बाद यूरोपीय संघ (ईयू) ने खोज प्रयासों में मदद के लिए अपनी रेपिड सैटेलाइट मैपिंग सर्विस को सक्रिय कर दिया था।

रैपिड मैपिंग सेवा आपातकालीन प्रबंधन सेवा (EMS) के महत्वपूर्ण घटकों में से एक है, जो यूरोपीय संघ के कोपरनिकस कार्यक्रम के अंतर्गत आती है।

यूरोपीय संघ का कोपरनिकस कार्यक्रम क्या है?

15वीं शताब्दी के प्रसिद्ध वैज्ञानिक निकोलस कोपरनिकस के नाम पर रखा गया यह कार्यक्रम यूरोपीय संघ (ईयू) की अंतरिक्ष पहल का हिस्सा है। इसका उद्देश्य सेंटिनल्स नामक उपग्रहों के एक समूह से डेटा एकत्र करके पृथ्वी और उसके पर्यावरण की निगरानी करना है।

1998 में शुरू किए गए कोपरनिकस कार्यक्रम को पहले ग्लोबल मॉनिटरिंग फॉर एनवायरनमेंटल सिक्योरिटी (GMES) कहा जाता था।

इसे यूरोपीय आयोग (EC) द्वारा यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और यूरोपीय पर्यावरण एजेंसी (EEA) के समर्थन से लागू किया जाता है।

कोपरनिकस ईएमएस क्या है

कोपरनिकस ईएमएस 2012 से कार्यरत है, तथा प्राकृतिक आपदाओं, मानव-निर्मित आपात स्थितियों और मानवीय संकटों के प्रबंधन में सहायता के लिए उपग्रह सुदूर संवेदन और यथास्थान डेटा स्रोतों से प्राप्त भू-स्थानिक जानकारी प्रदान करता है।

सेवा के दो घटक हैं: मानचित्रण घटक और पूर्व चेतावनी घटक। पहला घटक उपग्रह इमेज के आधार पर मानचित्र और विश्लेषण प्रदान करता है; दूसरा घटक बाढ़, सूखे और जंगल की आग के बारे में चेतावनी जारी करता है, और जंगल की आग के प्रभावों का लगभग वास्तविक समय पर आकलन करता है।

मैपिंग घटक में दो मॉड्यूल हैं: रैपिड मैपिंग (RM); जोखिम और रिकवरी मैपिंग (RRM)। आरएम, जिसे इब्राहिम रईसी के दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर की तलाश के लिए सक्रिय किया गया था, दुनिया में कहीं भी, कुछ दिनों या घंटों के भीतर नक्शे उपलब्ध कराता है। RRM आपदा प्रबंधन के लिए कुछ हफ़्तों या महीनों के भीतर आवश्यक नक्शे प्रदान करता है लेकिन तत्काल प्रतिक्रियाओं के लिए नहीं। इसका उपयोग रोकथाम, तैयारी, आपदा जोखिम में कमी और रिकवरी के लिए किया जाता है।

यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक

विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा हाल ही में जारी यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक 2024 में भारत को 119 देशों में से 39वां स्थान दिया गया है ।

भारत दक्षिण एशिया में सर्वोच्च रैंक वाला देश है। 2021 के सूचकांक में भारत की रैंकिंग 54वीं थी।

संयुक्त राज्य अमेरिका को सूचकांक में शीर्ष स्थान दिया गया जबकि इसके बाद स्पेन, जापान, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया का स्थान आता है।

सूचकांक में अंतिम स्थान पर क्रमशः माली और सिएरा लियोन को रखा गया है।

अन्य तथ्य-

यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी एक द्विवार्षिक रिपोर्ट है। पहला सूचकांक 2022 में जारी किया गया था।

इससे पहले, डबल्यूईएफ़ 2007 से द्विवार्षिक रूप से यात्रा और पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक प्रकाशित करता था। यात्रा और पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक को यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक से बदल दिया गया है।

2024 यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक इंग्लैंड के सरे विश्वविद्यालय के सहयोग से तैयार किया गया था।

विश्व आर्थिक मंच

विश्व आर्थिक मंच एक गैर-लाभकारी अंतर्राष्ट्रीय थिंक टैंक है जिसे सार्वजनिक-निजी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 1971 में जर्मनी के क्लॉस श्वाब द्वारा स्थापित किया गया था।

डबल्यूईएफ़ का मुख्यालय: कोलोनी, स्विट्जरलैंड

एक शोध संगठन के रूप में यह कई रिपोर्टें जारी करता है। डबल्यूईएफ़ द्वारा जारी कुछ महत्वपूर्ण रिपोर्ट इस प्रकार हैं:

Quiz Hat

1. वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट
2. वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट
3. ऊर्जा संक्रमण सूचकांक
4. यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक

अपराध रोकथाम और आपराधिक न्याय आयोग (CCPCJ)

अपराध की रोकथाम, आपराधिक न्याय प्रतिक्रियाओं और सहयोग को मजबूत करने के लिए पांच दिनों की चर्चा के बाद, अपराध रोकथाम और आपराधिक न्याय आयोग (CCPCJ) का 33वां सत्र हाल ही में संपन्न हुआ।

यह अपराध की रोकथाम और आपराधिक न्याय के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का प्रमुख नीति-निर्माण निकाय है। यह संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) का एक आयोग है।

सदस्यता : सीसीपीसीजे में 40 सदस्य देश हैं , जिनका चुनाव ईसीओएसओसी द्वारा किया जाता है।

न्यू कैलेडोनिया द्वीपसमूह

हाल ही में, न्यू कैलेडोनिया द्वीपसमूह में आजादी के लिए हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। यह द्वीपसमूह फ़्रांस के अधीन है।

यह द्वीपसमूह ऑस्ट्रेलिया से लगभग 900 मील (1,500 किमी) पूर्व में दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित है।1946 में न्यू कैलेडोनिया फ़्रांसीसी क्षेत्र बन गया था।

राजधानी: नौमिया (ग्रांडे टेरे द्वीप पर स्थित)

1998 में नौमिया समझौते ने फ्रांस से इस क्षेत्र की जिम्मेदारियों के क्रमिक हस्तांतरण के लिए 20 वर्ष की समय-सीमा तय की थी।

न्यू कैलेडोनिया को काफी हद तक स्वायत्तता प्राप्त है, लेकिन रक्षा और शिक्षा जैसे मामलों के लिए यह काफी हद तक फ्रांस पर निर्भर है।

इस द्वीप पर चीनी प्रभाव बढ़ रहा है। न्यू कैलेडोनिया के निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा चीन को जाता है, जिसमें से अधिकांश निकल है।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे

हाल ही में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) पर प्रमुख संस्थाओं के साथ चर्चा करने के लिए पहली बार संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।

भारत, अमेरिका, यूएई, सऊदी अरब, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय संघ ने 9 सितंबर को भारत में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

इस गलियारे में दो अलग-अलग गलियारे होंगे। पूर्वी गलियारा भारत को पश्चिम एशिया/मध्य पूर्व से जोड़ेगा और उत्तरी गलियारा पश्चिम एशिया/मध्य पूर्व को यूरोप से जोड़ेगा।

गलियारे का उद्देश्य बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक एकीकरण के माध्यम से एशिया, पश्चिम एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप को जोड़कर, क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

फिलिस्तीन को स्टेट (देश) का दर्जा

28 मई को नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए फिलिस्तीन को राज्य का दर्जा दे दिया है। यह पहली बार है कि किसी पश्चिमी यूरोपीय देश ने फिलिस्तीन को इस तरह की मान्यता दी है।

नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा कि दो-राज्य समाधान "एकमात्र विकल्प" है; जबकि आयरलैंड के प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने कहा कि यह निर्णय "शांतिपूर्ण भविष्य" बनाने में मदद करेगा। फिलिस्तीनी नेताओं ने इस निर्णय का स्वागत किया और पीएलओ ने इसे "ऐतिहासिक क्षण" बताया।

कौन से देश फिलिस्तीन को एक राज्य के रूप में मान्यता देते हैं?

नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन की घोषणा से पहले ही संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यों में से 143 ने फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दी थी।

इनमें से ज़्यादातर देश एशिया, अफ़्रीका और दक्षिण अमेरिका में हैं। भारत ने 1988 में फिलिस्तीन को मान्यता दी थी।

1947 में फिलिस्तीन के लिए संयुक्त राष्ट्र विभाजन योजना (UNGA संकल्प 181 (II)) में एक यहूदी राज्य, एक अरब राज्य की स्थापना और यरुशलम शहर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक कॉर्पस सेपरेटम (अलग निकाय) के रूप में प्रशासित करने का प्रस्ताव रखा गया था। इसे 'दो-राज्य समाधान' के रूप में भी जाना जाता है।

संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की स्थिति क्या है?

वर्तमान में, फिलिस्तीन संयुक्त राष्ट्र में एक "स्थायी पर्यवेक्षक राज्य" है - अर्थात "सदस्य राज्य" नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में एक और स्थायी पर्यवेक्षक राज्य है - होली सी (Holy See), जो वेटिकन सिटी का प्रतिनिधित्व करता है।

एक स्थायी पर्यवेक्षक राज्य के रूप में, फिलिस्तीन को "सुरक्षा परिषद से लेकर महासभा और इसकी छह मुख्य समितियों तक, इसके मुख्य अंगों और निकायों में मसौदा प्रस्तावों और निर्णयों पर मतदान को छोड़कर, संगठन की सभी कार्यवाहियों में भाग लेने की अनुमति है"।

परमाणु सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICONS-2024)

हाल ही में कजाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया की सह-अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के तत्वावधान में वियना में परमाणु सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICONS-2024) का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में 142 देशों और 16 संगठनों के 2000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) क्या है?

IAEA एक अंतर-सरकारी संगठन है जो परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने तथा परमाणु हथियारों सहित किसी भी सैन्य उद्देश्य के लिए इसके उपयोग को रोकने का प्रयास करता है। इसकी स्थापना 1957 में संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत की गई थी।

यह यूएनजीए और यूएनएससी दोनों को रिपोर्ट करता है और इसका मुख्यालय ऑस्ट्रिया के वियना में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय में है।

वर्ष 2005 में इसे सुरक्षित और शांतिपूर्ण विश्व के लिए कार्य हेतु नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

IAEA के 178 सदस्य देश हैं, भारत इसके संस्थापक सदस्यों में से एक है।

जीरो डेब्रिस चार्टर पर हस्ताक्षर

हाल ही में 12 देशों ने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए)/ईयू अंतरिक्ष परिषद में जीरो डेब्रिस चार्टर पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे पृथ्वी की कक्षा में मानवीय गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मजबूत हुई है।

नवंबर 2023 में सेविले में ईएसए अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन में अनावरण किए जाने वाले जीरो डेब्रिस चार्टर का लक्ष्य महत्वाकांक्षी तकनीकी लक्ष्यों और वैश्विक सहयोग के माध्यम से 2030 तक अंतरिक्ष मलबे को खत्म करना है।

अंतरिक्ष सुरक्षा और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध कोई भी संस्था चार्टर पर हस्ताक्षर कर सकती है और मौजूदा साझेदारों से अनुमोदन की आवश्यकता के बिना शून्य मलबा समुदाय में शामिल हो सकती है।

हाल ही में, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, साइप्रस, एस्टोनिया, जर्मनी, लिथुआनिया, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने शून्य मलबा चार्टर का पालन करने का संकल्प लिया है, और आने वाले महीनों में 100 से अधिक संगठनों के इसमें शामिल होने की उम्मीद है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024

हाल ही में, रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (RWB) ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024 को जारी किया, जो पत्रकारिता, रिपोर्टिंग और मीडिया के कामकाज की स्वतंत्रता के आधार पर 180 देशों को रैंक प्रदान करता है। यह विभिन्न देशों में प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति का आकलन करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

सूचकांक में भारत का स्कोर पिछले वर्ष की तुलना 36.62 से गिरकर 31.28 हो गया है। भारत की रैंक 2023 में 161 से सुधरकर 2024 में 159 हो गई, लेकिन ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अन्य देशों की रैंकिंग में गिरावट आई है। हालाँकि, भारत अभी भी तुर्की, पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देशों से पीछे है, जो क्रमशः 158, 152 और 150 वें स्थान पर हैं।

रैंकिंग में नॉर्वे शीर्ष पर है , जबकि डेनमार्क दूसरे और स्वीडन तीसरे स्थान पर है। जबकि इरिट्रिया सबसे नीचे है।

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (RWB), जिसे फ्रेंच में रिपोर्टर्स सेन्स फ्रंटियर्स (RSF) के नाम से भी जाना जाता है, एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है जो सूचना की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने का प्रयास करता है।

संगठन को संयुक्त राष्ट्र, यूनेस्को, यूरोपीय परिषद और अंतर्राष्ट्रीय संगठन फ्रैंकोफ़ोनी में सलाहकार का दर्जा प्राप्त है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024: सर्वश्रेष्ठ प्रेस स्वतंत्रता वाले शीर्ष 10 देश

क्रम संख्या	**देश**	**वैश्विक स्कोर**
1	नॉर्वे	91.89
2	डेनमार्क	89.6
3	स्वीडन	88.32
4	नीदरलैंड	87.73
5	फिनलैंड	86.55
6	एस्तोनिया	86.44
7	पुर्तगाल	85.9
8	आयरलैंड	85.59
9	स्विट्ज़रलैंड	84.01
10	जर्मनी	83.84

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024: सबसे खराब प्रेस स्वतंत्रता वाले शीर्ष 10 देश

क्रम संख्या	**देश**	**वैश्विक स्कोर**
180	इरिट्रिया	16.64
179	सीरिया	17.41
178	अफ़ग़ानिस्तान	19.09
177	उत्तर कोरिया	20.66
176	ईरान	21.3
175	तुर्कमेनिस्तान	22.01
174	वियतनाम	22.31
173	बहरीन	23.21
172	चीन	23.36
171	म्यांमार	24.41

बहुराष्ट्रीय अभ्यास रेड फ्लैग 24

भारतीय वायु सेना (IAF) की एक टुकड़ी प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय अभ्यास रेड फ्लैग 24 में भाग लेने के लिए अलास्का के एइलसन एयर फ़ोर्स बेस पर पहुँच गयी है।

रेड फ्लैग दो सप्ताह का उन्नत हवाई युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास है जिसका उद्देश्य बहुराष्ट्रीय वातावरण में वायुसैनिकों को एकीकृत करना है।

रेड फ्लैग अभ्यास का आयोजन दो स्थान पर किया जाता हैं: नेवादा में नेलिस एयर फ़ोर्स बेस और अलास्का में एइलसन एयर फ़ोर्स बेस।

नेवादा अभ्यास का आयोजन यूनाइटेड स्टेट्स एयर फ़ोर्स वारफेयर सेंटर (USAFWC) द्वारा, जबकि अलास्का अभ्यास का प्रबंधन पैसिफिक एयर फ़ोर्स (PACAF) द्वारा किया जाता है।

Quizhat

राजव्यवस्था

भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 और 86

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार और संसद से भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 498A की जगह लेने वाले प्रावधान के संबंध में भारतीय न्याय संहिता (BNS) में आवश्यक बदलाव करने का आग्रह किया है।

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि आईपीसी की धारा 498A को नए आपराधिक कानून में शब्दशः कॉपी कर दिया गया है।

3 मई, 2024 को उच्चतम न्यायालय ने पति और परिवार के सदस्यों से प्रतिशोध लेने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 498A के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की है।

यहीं कारण है कि न्यायालय ने केंद्र सरकार से व्यावहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 85 एवं 86 में आवश्यक बदलाव करने पर विचार करने को कहा है, जो 1 जुलाई, 2024 से लागू होना है।

भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 498A

यह धारा भारत में विवाहित महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली घरेलू हिंसा और उत्पीड़न की बढ़ती चिंता को ध्यान में रखते हुए आईपीसी में एक संशोधन के रूप में 1983 में शामिल किया गया था।

यह धारा केवल विवाहित महिलाओं पर लागू होती है।

इस कानून के अनुसार, अगर कोई पति या उसके रिश्तेदार, पत्नी का उत्पीड़न करते हैं तो उन्हें तीन साल की सज़ा हो सकती है।

यह धारा संज्ञेय और गैरज़मानती है, यानी, इसमें ज़मानत नहीं मिलेगी और पुलिस बिना वारंट के भी व्यक्ति को गिरफ़्तार कर सकती है।

यह क़ानून सिर्फ दहेज से जुड़े मामलों में ही सुरक्षा प्रदान नहीं करता, बल्कि क्रूरता से भी बचाव करता है।

क्रूरता से मतलब है- दहेज के लिए परेशान करना या कोई भी ऐसा बर्ताव करना जिससे महिला को मानसिक या शारीरिक क्षति पहुंची हो या इसकी वजह से आत्महत्या को मजबूर हुई हो।

दुरुपयोग को रोकने के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्देश-

वर्ष 2008 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दाम्पत्य या पारिवारिक विवाद में कोई भी एफ़आईआर दर्ज करने से पहले, पुलिस को प्राथमिक जांच पड़ताल करनी चाहिए।

वर्ष 2014 में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस को एक व्यक्ति को खुदबखुद नहीं गिरफ़्तार करना चाहिए और उन्हें पहले उसे नोटिस भेजना चाहिए और इसके बाद मजिस्ट्रेट को उस व्यक्ति की गिरफ़्तारी की मंजूरी देनी चाहिए।

वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट निर्देश जारी किया कि इन मामलों को देखने और सुलह समझौता कराने के लिए हर ज़िले में एक पारिवार कल्याण कमेटी होनी चाहिए।

.एससी/एसटी अधिनियम के उल्लंघन को सार्वजनिक रूप से उजागर करना

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि जानबूझकर अपमान या धमकी देने का कथित कृत्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत तभी अपराध माना जाएगा, जब वह सार्वजनिक रूप से किया गया हो।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के बारे में:

यह अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के सदस्यों के विरुद्ध अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अलावा अन्य व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले अत्याचारों के अपराधों को रोकने के लिए एक अधिनियम है ।

इस अधिनियम में सूचीबद्ध सभी अपराध संज्ञेय हैं । अधिनियम के अंतर्गत किए गए अपराध की जांच पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) से नीचे के पद के अधिकारी द्वारा नहीं की जा सकती।

जांच 30 दिनों के भीतर पूरी होनी चाहिए और रिपोर्ट सीधे राज्य पुलिस निदेशक को भेजी जानी चाहिए।

वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों के 100% सत्यापन की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की।

इस सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी भी उम्मीदवार ने अभी तक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर डाले गए

वोटों और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीन द्वारा मुद्रित पर्चियों के बीच बेमेल की ओर इशारा नहीं किया है, इसी के साथ ही ही सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया।

VVPAT मशीन क्या है? यह कैसे काम करता है?

वीवीपैट मशीन ईवीएम की बैलेट यूनिट से जुड़ी होती है, और जो कागज की एक पर्ची मुद्रित करके मतदाता द्वारा डाले गए वोट का दृश्य सत्यापन प्रस्तुत करती है।

कागज की यह पर्ची, जिसमें उम्मीदवार का क्रमांक, नाम और पार्टी का चिन्ह होता है, मशीन में प्रदर्शित होती है, जिससे मतदाता को अपना वोट सत्यापित करने के लिए सात सेकंड का समय मिलता है। इसके बाद, पर्ची नीचे एक डिब्बे में गिर जाती है।

कोई भी मतदाता वीवीपैट पर्ची घर वापस नहीं ले जा सकता, क्योंकि बाद में इसका उपयोग पांच याद्दच्छिक रूप से चयनित मतदान केंद्रों में डाले गए वोटों को सत्यापित करने के लिए किया जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक रूप से डाले गए वोट के भौतिक सत्यापन की अनुमति देने से, मतदाताओं और राजनीतिक दलों दोनों को इस प्रक्रिया पर अधिक विश्वास होता है कि उनका वोट सही ढंग से दर्ज किया जा रहा है।

चुनाव आयोग ने VVPATs की शुरुआत क्यों की?

वीवीपीएटी मशीन का विचार पहली बार 2010 में सामने आया, जब भारत के चुनाव आयोग (ईसी) ने ईवीएम-आधारित मतदान प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के तरीके पर चर्चा करने के लिए राजनीतिक दलों के साथ एक बैठक की।

जुलाई 2011 में लद्दाख, तिरुवनंतपुरम, चेरापूंजी, पूर्वी दिल्ली और जैसलमेर में फील्ड परीक्षण आयोजित किए गए। डिजाइन को बेहतर बनाने, अधिक परीक्षण करने और राजनीतिक दलों से फीडबैक लेने के बाद, चुनाव आयोग विशेषज्ञ समिति ने इसे फरवरी 2013 में मंजूरी दे दी।

उस वर्ष बाद में, चुनाव संचालन नियम, 1961 में संशोधन किया गया ताकि ईवीएम के साथ ड्रॉप बॉक्स वाले प्रिंटर को जोड़ने की अनुमति दी जा सके। 2013 में नागालैंड के नोकसेन विधानसभा क्षेत्र के सभी 21 मतदान केंद्रों पर पहली बार वीवीपीएटी का उपयोग किया गया था, जिसके बाद चुनाव आयोग ने चरणबद्ध तरीके से वीवीपीएटी शुरू करने का निर्णय लिया। जून 2017 तक, वीवीपैट को 100% अपनाया गया था।

केवल पांच मतदान केंद्रों की वीवीपैट पर्चियों को याद्दच्छिक रूप से क्यों गिना जाता है?

चुनाव की सटीकता को सत्यापित करने के लिए वीवीपैट मशीनों की कितने प्रतिशत पर्चियों को गिना जाना चाहिए, इसके लिए चुनाव आयोग ने 2018 में, भारतीय सांख्यिकी संस्थान (ISI) से सुझाव माँगा था।

जिसके बाद फरवरी 2018 में, चुनाव आयोग ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक याद्दच्छिक रूप से चयनित मतदान केंद्र की वीवीपैट पर्चियों की गिनती अनिवार्य कर दी।

टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू द्वारा दायर याचिका पर अप्रैल 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे प्रति विधानसभा सीट पर पांच मतदान केंद्रों तक बढ़ा दिया गया था। पांच मतदान केंद्रों का चयन संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा उम्मीदवारों/उनके एजेंटों की उपस्थिति में ड्रा द्वारा किया जाता है।

चुनाव आयोग का दावा है कि चुनाव अधिकारियों को एक मतदान केंद्र में वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम गणना से मिलान करने में लगभग एक घंटे का समय लगता है। इसके अलावा, चूंकि वीवीपैट पर्चियों की गिनती संबंधित मतदान केंद्र के लिए ईवीएम वोटों को सारणीबद्ध करने के बाद ही शुरू हो सकती है, इस प्रकार पांच मतदान केंद्रों के लिए कुल मिलाकर पांच घंटे की देरी होगी।

विपक्षी दल मतदान को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए वीवीपैट पर्चियों के व्यापक सत्यापन की मांग करते रहते हैं। जबकि चुनाव आयोग के अनुसार जनशक्ति की उपलब्धता सहित बुनियादी ढांचे की चुनौतियों के आधार पर सभी मतदान केंद्रों पर वीवीपैट पर्चियों की गिनती नहीं की जा सकती है।

अर्थव्यवस्था

शेयर बाजार में फ्रंट-रनिंग

हाल ही में, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) में फ्रंट-रनिंग को रोकने के लिए म्यूचुअल फंड नियमों में बदलाव को मंजूरी दे दी है।

फ्रंट-रनिंग एक ब्रोकर द्वारा स्टॉक या किसी अन्य वित्तीय परिसंपत्ति का व्यापार करना है, जिसे भविष्य के लेनदेन का आंतरिक ज्ञान होता है जो इसकी कीमत को काफी हद तक प्रभावित करने वाला होता है।

इसे फॉरवर्ड-ट्रेडिंग या टेलगेटिंग के नाम से भी जाना जाता है। फ्रंट-रनिंग विभिन्न रूपों और संदर्भों में हो सकती है, जिसमें शेयर बाजार, कमोडिटी बाजार और अन्य वित्तीय बाजार शामिल हैं।

फ्रंट-रनिंग का एक उदाहरण: मान लीजिए कि एक ब्रोकर को XYZ कंपनी के 500,000 शेयर खरीदने के लिए एक प्रमुख ग्राहक से ऑर्डर मिलता है। इतनी बड़ी खरीदारी से स्टॉक की कीमत तुरंत बढ़ जाएगी, कम से कम अल्पावधि में। ब्रोकर पहले अपने निजी पोर्टफोलियो के लिए कुछ स्टॉक खरीदता है। फिर ग्राहक का ऑर्डर दिया जाता है। इसके बाद ब्रोकर तुरंत ये शेयर बेच देता है और लाभ कमा लेता है।

फ्रंट-रनिंग का यह रूप अवैध और अनैतिक है। ब्रोकर ने उस जानकारी के आधार पर लाभ कमाया है जो सार्वजनिक जानकारी नहीं थी।

फ्रंट-रनिंग के लिए आमतौर पर उपयोग की जाने वाली रणनीतियाँ बाय-बाय-सेल (BBS) ट्रेडिंग पैटर्न और सेल-सेल-बाय (SSB) ट्रेडिंग पैटर्न हैं।

पाकिस्तान को स्टैंड-बाय अरेंजमेंट के तहत वित्तीय सहायता

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने स्टैंड-बाय अरेंजमेंट (SBA) द्वारा समर्थित बेलआउट पैकेज के हिस्से के रूप में पाकिस्तान को 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के तत्काल वितरण को मंजूरी दे दी है।

पकिस्तान को पहले ही कुल 1.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की दो किश्तें दी जा चुकी हैं, जिसमें जुलाई 2023 में 1.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर और जनवरी 2024 में 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर का वितरण किया गया था।

इसके साथ ही एसबीए के तहत पाकिस्तान को वित्तीय सहायता लगभग 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है।

क्या है स्टैंड-बाय अरेंजमेंट?

स्टैंड-बाय अरेंजमेंट (एसबीए) भुगतान संतुलन की समस्याओं का सामना करने वाले देशों को अल्पकालिक वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

यह वित्तीय सहायता आमतौर पर 12-24 महीने की अवधि के लिए दी जाती है, जो कभी-कभी 36 महीने तक बढ़ाई जा सकती है।

रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर का दर्जा

हाल ही में, वित्त मंत्रालय ने रत्न एवं आभूषण क्षेत्र को अधिकृत आर्थिक संचालक (Authorised Economic Operator : AEO) का दर्जा दिया है।

AEO वैश्विक व्यापार को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए विश्व सीमा शुल्क संगठन (WCO) के मानकों के सुरक्षित ढांचे के तहत एक कार्यक्रम है।

इस कार्यक्रम को व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए निर्यात उन्मुख उद्योगों हेतु सीमा शुल्क विभाग द्वारा 2011 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में पेश किया गया था।

यह कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों में निर्यात संचालन को सरल बनाने में सहायक रहा है, जिसके परिणामस्वरूप निर्यातकों के लिए महत्वपूर्ण समय और लागत की बचत हुई।

इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को बढ़ाना और वैध वस्तुओं की आवाजाही को सुविधाजनक बनाना है।

भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी को 'नवरत्न का दर्जा'

हाल ही में, सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रम कंपनी भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA) को सार्वजनिक उद्यम विभाग से 'नवरत्न का दर्जा' प्रदान किया गया है।

IREDA की स्थापना 1987 में एक गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के रूप में की गई थी, यह नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत संचालित होता है।

यह उपक्रम नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से संबंधित परियोजनाओं को बढ़ावा देता है और विकसित करता है।

नवरत्न स्थिति के बारे में:

सरकार सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को तीन श्रेणियों, महारत्न, नवरत्न और मिनीरत्न में वर्गीकृत करती है ।

भारत सरकार ने सबसे पहले 1997 में नौ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को नवरत्न का दर्जा दिया था।

नवरत्न का दर्जा देने के मानदंड:

नवरत्न का दर्जा देने के लिए, पीएसयू को मिनीरत्न-I, अनुसूची 'ए' कंपनी होनी चाहिए।

किसी कंपनी को नवरत्न का दर्जा हासिल करने के लिए, उसे लगातार तीन वर्षों तक 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ दर्ज करना होगा, और तीन वर्षों तक औसत वार्षिक कारोबार 25,000 करोड़ रुपये बनाए रखना होगा, या तीन वर्षों में उनकी वार्षिक औसत शुद्ध संपत्ति 15,000 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए।

नवरत्न कंपनियां विशिष्ट प्रदर्शन मानकों को पूरा करके और कुछ पात्रता मानदंडों को पूरा करके 'महारत्न' का दर्जा प्राप्त कर सकती हैं।

रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के शेयरों की डीलिस्टिंग

हाल ही में, रिलायंस कैपिटल लिमिटेड में एक निवेशक, जो दिवालिया कार्यवाही का सामना कर रहा है, ने सेबी के शेयरों की डीलिस्टिंग मानदंडों के कुछ नियमों को चुनौती दी है।

डीलिस्टिंग का अर्थ है किसी सूचीबद्ध कंपनी के शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज से हटाना। एक बार डीलिस्ट होने के बाद, उस कंपनी की प्रतिभूतियों का स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार नहीं किया जा सकता है।

जो स्टॉक एक्सचेंज की आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहते हैं, उन्हें बाहर किए जाने और डीलिस्ट किए जाने का जोखिम रहता है। डीलिस्टिंग या तो स्वैच्छिक या अनैच्छिक हो सकती है।

स्वैच्छिक डीलिस्टिंग में, एक कंपनी स्टॉक एक्सचेंज से अपनी प्रतिभूतियों को हटाने का निर्णय स्वयं लेती है।

अनैच्छिक डीलिस्टिंग तब होती है जब किसी सूचीबद्ध कंपनी के शेयरों को लिस्टिंग दिशानिर्देशों का अनुपालन न करने, रिपोर्ट दाखिल करने में देरी या कम शेयर कीमत के कारण स्टॉक एक्सचेंज से जबरन हटा दिया जाता है।

यदि कोई कंपनी अपनी प्रतिभूतियों को डीलिस्ट करना चाहती है, तो उसे कुल जारी किए गए शेयरों का 90% वापस खरीदना होगा।

ड्रिप प्राइसिंग

केंद्र सरकार ने हाल ही में "ड्रिप प्राइसिंग" के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि यह उपभोक्ताओं को "छिपे हुए शुल्क" (Hidden Charges) से आश्चर्यचकित कर सकता है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा एक नमूना भी साझा किया गया है जिसमें दिखाया गया है कि ग्राहक पर ड्रिप मूल्य निर्धारण कैसे लागू होता है, जिसमें ₹ 4,700 की कीमत वाले जूते का उदाहरण दिया गया है। ड्रिप मूल्य निर्धारण में शामिल सभी शुल्कों को जोड़ने के बाद, यह ₹ 5,100 तक हो जाता है।

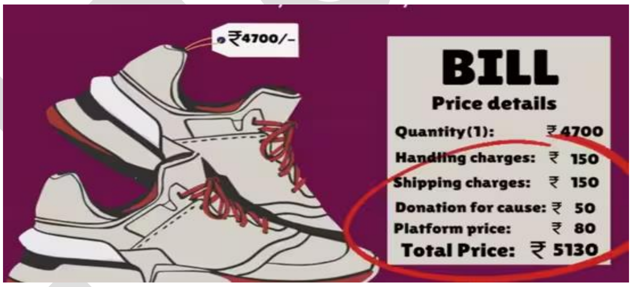

ड्रिप प्राइसिंग एक ऐसी रणनीति है जहां शुरुआत में किसी वस्तु की लागत का केवल एक हिस्सा प्रदर्शित किया जाता है, बाद में खरीद प्रक्रिया के दौरान पूरी राशि का खुलासा किया जाता है।

अप्रत्याशित रूप से ऊंची कीमतों से ग्राहकों को चिंतित होने से बचाने के लिए कंपनियां शुरुआत में कम कीमत पेश करती है और बाद में अनिवार्य शुल्क का खुलासा करती हैं।

ड्रिप मूल्य निर्धारण तुलनात्मक खरीदारी को जटिल बनाता है और उन विक्रेताओं को नुकसान पहुंचाता है जो अधिक पारदर्शी मूल्य निर्धारण संरचनाएं प्रदान करते हैं।

ड्रिप प्राइसिंग का एक उदाहरण हवाई जहाज के टिकट की कीमत है जिसमें सामान शुल्क (baggage fees) शामिल नहीं है।

पूंजीगत लाभ कर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उन रिपोर्टों का खंडन किया है कि आयकर (आईटी) विभाग मौजूदा लोकसभा चुनाव 2024 में सरकार के सत्ता में वापस आने की स्थिति में पूंजीगत लाभ कर संरचना में बदलाव लाने की योजना बना रहा है।

पूंजीगत लाभ कर (सीजीटी) के बारे में:

पूंजीगत लाभ कर किसी परिसंपत्ति की बिक्री पर लगाया जाने वाला कर है। पूंजीगत लाभ कर केवल पूंजीगत संपत्तियों पर लागू होते हैं, जिनमें स्टॉक, बॉन्ड, क्रिप्टोकरेंसी और एनएफटी जैसी डिजिटल संपत्ति, आभूषण और रियल एस्टेट शामिल हैं।

भूमि, भवन , गृह संपत्ति, वाहन , पेटेंट , ट्रेडमार्क , पट्टे पर अधिकार , मशीनरी और आभूषण पूंजीगत संपत्ति के कुछ उदाहरण हैं।

अवधि के आधार पर, पूंजीगत लाभ अल्पकालिक या दीर्घकालिक हो सकता है।

जब किसी पूंजीगत संपत्ति को उसके मूल खरीद मूल्य से अधिक पर बेचते हैं, तो परिणाम पूंजीगत लाभ होता है। इस पूंजीगत लाभ पर अलग-अलग कर लगाया जाता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कितने समय तक पूंजीगत संपत्ति अपने पास रखी है।

किसी पूंजीगत संपत्ति पर एक वर्ष या उससे कम समय तक स्वामित्व रखने के बाद उसे बेचने से अल्पकालिक पूंजीगत लाभ होता है।

किसी पूंजीगत संपत्ति पर एक वर्ष से अधिक समय तक स्वामित्व रखने के बाद उसे बेचने से दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ होता है।

पार्टिसिपेटरी नोट्स

गिफ्ट इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर (IFSC) में रहने वाले और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) को ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट्स (ODIs) जारी करने की अनुमति दी गई है, जिन्हें लोकप्रिय रूप से पार्टिसिपेटरी नोट्स (pnotes) के रूप में जाना जाता है।

पार्टिसिपेटरी नोट्स के बारे में:

पार्टिसिपेटरी नोट्स जिन्हें पी-नोट्स (पीएन) के रूप में जाना जाता है, पंजीकृत एफआईआई द्वारा जारी किए गए उपकरण हैं।

ये भारतीय प्रतिभूतियों में निवेश करने के लिए विदेशी निवेशकों और हेज फंड द्वारा उपयोग किए जाने वाले वित्तीय उपकरण हैं, जिन्हें भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है।

ये पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा उन विदेशी निवेशकों को जारी किए जाते हैं जो सेबी के तहत पंजीकृत हुए बिना भारत के शेयर बाजारों में निवेश करना चाहते हैं।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पंजीकृत ब्रोकर और विदेशी संस्थागत निवेशक पार्टिसिपेटरी नोट जारी करते हैं और विदेशी निवेशकों की ओर से निवेश करते हैं। हर महीने, दलालों को नियामक बोर्ड को अपनी पार्टिसिपेटरी नोट जारी करने की स्थिति की रिपोर्ट देनी होती है।

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारत के बाहर स्थापित संस्थाएं हैं जो भारत में निवेश प्रस्ताव लाने के लिए जिम्मेदार हैं। ये किसी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा 2000 में भारत में पार्टिसिपेटरी नोट्स पेश किए गए थे। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के तहत 1450 से अधिक एफआईआई पंजीकृत हैं ।

भारत को $111 बिलियन रेमिटेंस प्राप्त

हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) ने अपनी विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2022 में 111 बिलियन डॉलर के साथ विदेशों से प्रेषण का उच्चतम प्राप्तकर्ता देश था, जो पहली बार $100 बिलियन के आंकड़े को पार कर गया है।

संयुक्त राष्ट्र की विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 ने प्रेषण में भारत की लगातार वृद्धि को रेखांकित किया, जो 2010 में 53.48 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2022 में 111.22 बिलियन डॉलर हो गया है। यह महत्वपूर्ण वृद्धि वैश्विक प्रेषण परिदृश्य में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

इसकी प्रेषण प्राप्तियां अपने निकटतम समकक्षों मेक्सिको ($ 61.1 बिलियन), चीन ($ 51 बिलियन), फिलीपींस ($38.05 बिलियन) और फ्रांस ($30.04 बिलियन) से कहीं आगे थीं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि, "दुनिया में सबसे बड़ी संख्या में भारत के अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी (लगभग 18 मिलियन) रहते हैं, जिसमें से प्रवासियों की एक बड़ी आबादी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देशों में रहती है।"

पाकिस्तान और बांग्लादेश, जो 2022 में छठे और आठवें (क्रमशः लगभग 30 अरब डॉलर और 21.5 अरब डॉलर) सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय प्रेषण प्राप्तकर्ता थे।

कौन-से देश सर्वाधिक प्रेषण भेजते हैं?

परंपरागत रूप से, उच्च आय वाले देश अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण के प्राथमिक स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, दुनिया के अग्रणी प्रेषण भेजने वाले देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका का स्थान प्रथम है। 2022 में, अमेरिका ने 79.15 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कुल बहिर्प्रवाह दर्ज किया।

अमेरिका के बाद प्रेषण भेजने वाले देशों में क्रमशः सऊदी अरब (39.35 बिलियन अमेरिकी डॉलर), स्विट्जरलैंड (31.91 बिलियन अमेरिकी डॉलर) और जर्मनी (25.60 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का स्थान हैं।

प्रेषण (Remittances) क्या हैं?

प्रेषण से तात्पर्य उन वित्तीय या वस्तुगत हस्तांतरणों से है जो प्रवासी अपने गृह देशों में अपने परिवारों या समुदायों को सीधे भेजते हैं।

हाल के वर्षों में, इन हस्तांतरणों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और वर्तमान में यह कई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए विदेशी आय का प्राथमिक स्रोत बन गया है।

भारतीय स्टेट बैंक आईआईबीएक्स में पहला ट्रेडिंग-कम-क्लियरिंग सदस्य

भारतीय स्टेट बैंक ने हाल ही में घोषणा की कि वह इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (IIBX) में पहला ट्रेडिंग-कम-क्लियरिंग सदस्य बन गया है।

इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (IIBX) के बारे में:

यह भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज है। यह GIFT सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी) IFSC (इंटरनेशनल फाइनेंस सर्विसेज सेंटर), गांधीनगर, गुजरात में स्थित है।

भारत के अपने स्वयं के अंतर्राष्ट्रीय बुलियन एक्सचेंज की आकांक्षा को बढ़ावा देते हुए और वैश्विक सर्राफा बाजार में भारत के लिए एक बड़ी भूमिका निभाने के उद्देश्य से इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज आईएफएससी लिमिटेड (IIBX) का शुभारंभ किया गया।

IIBX को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA) द्वारा विनियमित किया जाता है।

बुलियन को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण द्वारा अधिकृत और इंडिया इंटरनेशनल डिपॉजिटरी आईएफएससी लिमिटेड (आईआईडीआई) द्वारा सूचीबद्ध लॉकर में रखा जाता है।

IIBX पर बुलियन का कारोबार बुलियन डिपॉजिटरी रसीद (BDR) के रूप में किया जाता है। आईआईडीआई के साथ डीमैट खाता खोलना आवश्यक है जहां बीडीआर जमा किया जाएगा।

IIBX की शुरुआत भारत में सोने का आयात करने के लिए एक प्रवेश द्वार प्रदान करने और सराफा व्यापार एवं सराफा वित्तीय उत्पादों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक विश्व स्तरीय सराफा विनिमय पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने के लिए की गई है।

पिग बचरिंग घोटाला (Pig Butchering Scam)

ऑनलाइन धोखाधड़ी में वृद्धि के बीच, पिग बचरिंग घोटाले को समझना आवश्यक है। पिग बचरिंग घोटाले के तहत लोगों को अधिक धन निवेश करने के लिए तैयार किया जाता है, विशेषकर क्रिप्टोकरेंसी में।

'पिग बचरिंग' घोटालेबाज अक्सर लोगों की भावनाओं से खेलते हैं, उन्हें वित्तीय रिटर्न प्राप्त करने के लिए लेनदेन में शामिल करते हैं, जैसे कि नकली प्लेटफ़ॉर्म में निवेश करना।

ये घोटाले टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के जरिए किए जा रहे हैं। घोटालेबाज संभावित लक्ष्यों को रिटर्न के वादे के साथ आकर्षित करते हैं, उनकी उम्मीदों को बढ़ाते हैं और उनके खाते खाली कर देते हैं।

फिनटेक क्षेत्र के लिए स्व-नियामक संगठन को मान्यता देने की फ्रेमवर्क (एसआरओ-एफटी)

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में फिनटेक क्षेत्र के लिए स्व-नियामक संगठन (SRO-FT) को मान्यता देने हेतु फ्रेमवर्क जारी किया है, ताकि इस क्षेत्र में फर्मों द्वारा बेहतर स्व-प्रशासन और अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।

फिनटेक क्षेत्र में स्व-नियमन को प्रोत्साहित करने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 15 जनवरी, 2024 को 'फिनटेक क्षेत्र के लिए स्व-नियामक संगठनों (SRO) को मान्यता देने हेतु मसौदा रूपरेखा' जारी की थी, जिसमें हितधारकों से टिप्पणियाँ और प्रतिक्रियाएँ आमंत्रित की गई थीं।

प्राप्त इनपुट और उनकी जाँच के आधार पर, 'फिनटेक क्षेत्र के लिए स्व-नियामक संगठनों (SRO-FT) को मान्यता देने हेतु रूपरेखा' (SRO-FT रूपरेखा) को अंतिम रूप दिया गया है।

फिनटेक क्या है?

फिनटेक (FinTech), 'फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी' (Financial Technology) का संक्षिप्त रूप है। वित्तीय कार्यों में प्रौद्योगिकी के उपयोग को फिनटेक कहा जाता है।

डिजिटल पेमेंट, डिजिटल ऋण, बैंक टेक, इंश्योर टेक, रेगटेक (RegTech) क्रिप्टोकरेंसी (Cryptocurrency) आदि फिनटेक के कुछ प्रमुख घटक हैं।

हालाँकि वर्तमान में फिनटेक के तहत कई अलग-अलग क्षेत्र और उद्योग जैसे-शिक्षा, खुदरा बैंकिंग, फंड जुटाना और गैर-लाभकारी कार्य, निवेश प्रबंधन आदि भी शामिल किये जाते हैं।

भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते फिनटेक बाजारों में से एक है। भारतीय फिनटेक उद्योग का बाजार आकार 2021 में 50 बिलियन डॉलर है और 2025 तक ~150 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के लिए पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राजस्थान में शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के लिए पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) को परिभाषित करने वाली मसौदा अधिसूचना जारी की है। मसौदे में अभयारण्य के कोर एरिया के आसपास 348.60 वर्ग किमी का ईएसजेड प्रस्तावित है।

पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने, वन्यजीवों के इन-सीटू संरक्षण को बढ़ावा देने और सुभेद्य पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए मुख्य संरक्षित वन क्षेत्रों के आसपास एक बफर ज़ोन है।

2022 में सुप्रीम कोर्ट ने संरक्षित क्षेत्रों के 1 किलोमीटर के बफर जोन को इको सेंसिटिव जोन घोषित करने का आदेश दिया था।

शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य को 1983 में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया था, लेकिन तब से पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र की घोषणा को अंतिम रूप नहीं दिया गया था।

यह वन्यजीव अभयारण्य राजस्थान के बारां जिले से लगभग 65 किमी दूर स्थित है। यह अभयारण्य शेरगढ़ किले से घिरा हुआ है, जो एक प्राचीन किला है जो 790 ईस्वी पूर्व का है। इस अभयारण्य से परबन नदी प्रवाहित होती है।

ला कुम्ब्रे ज्वालामुखी

हाल ही में, गैलापागोस द्वीप समूह पर ला कुम्ब्रे ज्वालामुखी से निकला लावा दुर्लभ लैंड इगुआना के निवास स्थान को नष्ट कर रहा है।

इस ज्वालामुखी विस्फोट की निगरानी कर रहे शोधकर्ताओं के अनुसार लावा प्रवाह ने लैंड इगुआना के आवास सहित द्वीप की स्थानिक वनस्पति को भी नुकसान पहुंचाया है।

ला कुम्ब्रे ज्वालामुखी के बारे में

यह ज्वालामुखी **फर्नांडीना द्वीप पर स्थित** है, जो गैलापागोस द्वीप समूह का तीसरा सबसे बड़ा द्वीप है।

यह मुख्य भूमि इक्वाडोर से लगभग 1,125 किलोमीटर दूर स्थित है और 2020 के बाद पहली बार इसमें विस्फोट हुआ है।

ज्वालामुखी के शिखर पर **एक बड़ा गड्ढा या काल्डेरा है , जिसमें एक स्थायी झील भी है।**

यह झील हजारों **गैलापागोस लैंड इगुआना** (कोनोलोफस सबक्रिस्टैटस) सहित विभिन्न प्रकार के जीवों को आकर्षित करती है जो काल्डेरा के भीतर घोंसलों में अपने अंडे देते हैं।

गैलापागोस लैंड इगुआना

यह गैलापागोस द्वीप समूह के लिए स्थानिक लैंड इगुआना की तीन प्रजातियों में से एक है (अन्य दो प्रजातियाँ **बैरिंगटन लैंड इगुआना** और गैलापागोस पिंक लैंड इगुआना हैं)।

यह इगुआनिडे परिवार में **छिपकली की एक बहुत बड़ी प्रजाति** है। यह मुख्यतः एक **शाकाहारी प्रजाति है।**

ये पीले सरीसृप, जिनकी लंबाई एक मीटर (3 फीट) से अधिक और वजन 14 किलोग्राम से अधिक हो सकता है, ज्यादातर कांटेदार नाशपाती कैक्टस के फल और पत्तियां खाते हैं।

इस ठंडे खून वाले सरीसृप का **फ़िंच के साथ पारस्परिक संबंध** (**mutualistic relationship**) है , जिसे अक्सर उनकी पीठ टिक चुनते हुए देखा जा सकता है।

ये अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में सुभेद्य की श्रेणी में आता है।

प्युसेटिया छपराजनिर्विन

हाल ही में एक ग्रीन लिंक्स मकड़ी (green lynx spider) की खोज की गयी है, जिसका नाम प्युसेटिया छपराजनिर्विन (Peucetia chhaparajnirvin) है।

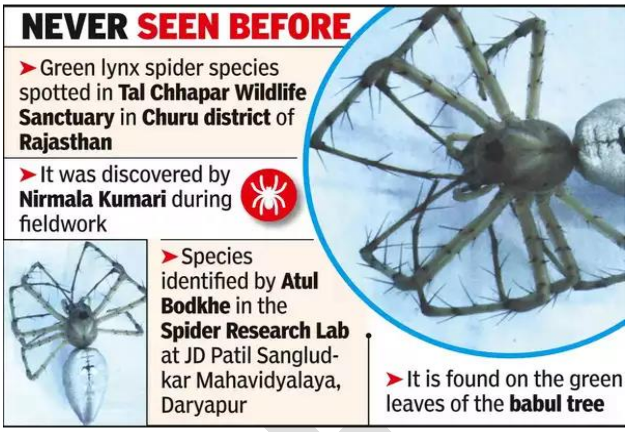

प्युसेटिया छपराजनिर्विन के बारे में:

यह **ग्रीन लिंक्स मकड़ी की एक नई प्रजाति है।**

मकड़ी **राजस्थान** के चुरू जिले के ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य में पाई गई है।

मकड़ी की प्रजाति का नाम राजस्थान के ताल छापर क्षेत्र के नाम पर प्युसेटिया छपराजनिर्विन रखा गया है।

यह मकड़ी वाचेलिया निलोटिका (**बबुल) पेड़ की हरी पत्तियों पर पाई गई है।**

इनका **हरा रंग इनके परिवेश के साथ घुलने-मिलने** और शिकार पर घात लगाने में सहायता करता है, जबकि इनके **लंबे पैर** इन्हें **तेज़ी से आगे बढ़ने में सहायता करते हैं।**

यह मकड़ी **रात्रिचर** होती है और **छोटे-छोटे कीड़ों को खाती है।**

लिंक्स स्पाइडर क्या हैं?

लिंक्स स्पाइडर, (फैमिली ऑक्सीओपिडे) घोंसला या जाल नहीं बनाते हैं बल्कि **हमला करके अपने शिकार को पकड़ते हैं।**

ये **निचली झाड़ियों और वनस्पतियों में** पाए जाने वाले **कीड़ों के प्रमुख शिकारियों** में से हैं। ये पौधों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़ों के महत्वपूर्ण शिकारी हैं।

लिंक्स मकड़ी प्रजातियों में रंगीन धारीदार पेट और **कांटेदार पैर होते हैं।**

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार

छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के संयोजक और हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के संस्थापक सदस्य आलोक शुक्ला को गोल्डमैन पुरस्कार 2024 (एशिया महाद्वीप के लिए) से सम्मानित किया गया है।

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार के बारे में:

यह पुरस्कार प्राकृतिक **पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन** के लिए अक्सर व्यक्तिगत जोखिम उठाते हुए निरंतर और महत्वपूर्ण प्रयासों के लिए दिया जाता है।

इसे **ग्रीन नोबेल के नाम से भी जाना जाता है।**

यह दुनिया के छह बसे हुए महाद्वीपीय क्षेत्रों: अफ्रीका, एशिया, यूरोप, द्वीपों और द्वीपीय राष्ट्र, उत्तरी अमेरिका और दक्षिण एवं मध्य अमेरिका के **जमीनी स्तर के पर्यावरण नायकों को पुरस्कृत करता है।**

हसदेव अरण्य क्षेत्र के बारे में

यह छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग में एक विशाल वन है जो अपनी जैव विविधता और कोयले के भंडार के लिए जाना जाता है।

यह वन क्षेत्र आदिवासी आबादी वाले कोरबा, सूरजपुर और सरगुजा जिलों के में फैला हुआ है।

महानदी की सहायक नदी हसदेव नदी **इस वन क्षेत्र से** होकर प्रवाहित होती है।

यह मध्य भारत का सबसे बड़ा खंडित वन है जहाँ **साल** और **सागौन के वन पाए जाते हैं।**

चंद्रयान के नाम पर समुद्री प्रजाति का नाम

कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के समुद्री जीवविज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने पूर्वी तट में समुद्री टार्डिग्रेड (marine tardigrade) की एक नई प्रजाति की खोज की है। इस जीव को इसरो के सफल चंद्र मिशन चंद्रयान -3 के नाम पर बैटिलिप्स चंद्रायणी (Batillipes chandrayaani) नाम दिया गया है।

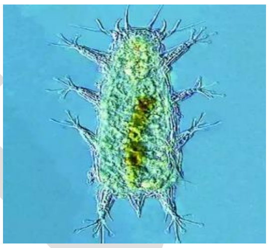

यह नई वर्णित प्रजाति तमिलनाडु के मंडपम तट के अंतर्ज्वारीय समुद्र तट तलछट में पाई गई है।

टार्डिग्रेड्स, जिन्हें water bears के रूप में जाना जाता है, जो अत्यधिक पर्यावरणीय परिस्थितियों में अपनी असाधारण लचीलापन और जीवित रहने की क्षमताओं के लिए जाने जाते हैं।

ये पृथ्वी पर सबसे कठिन जानवरों में से एक हैं जो सभी पांच बड़े पैमाने पर हुए विलुप्ति से बच गए हैं।

सह्याद्रि टाइगर रिजर्व में बाघों के स्थानांतरण की योजना

महाराष्ट्र वन विभाग चंद्रपुर के तादोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व से कुछ बाघों को राज्य के पश्चिमी क्षेत्र के एकमात्र टाइगर रिजर्व सह्याद्रि में स्थानांतरित करने की तैयारी कर रहा है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) ने अक्टूबर 2023 में स्थानांतरण योजना को मंजूरी दे दी थी। महाराष्ट्र वन विभाग स्थानांतरण प्रक्रिया के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

स्थानांतरण परियोजना उत्तरी पश्चिमी घाट के जंगलों में बाघों के संरक्षण में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच एक प्रमुख वन्यजीव गलियारा बनाता है ।

सह्याद्रि टाइगर रिजर्व के बारे में

सह्याद्रि टाइगर रिजर्व देश के केवल उन पांच टाइगर रिजर्वों में से एक है, जहाँ एक भी बाघ नहीं पाए जाते हैं। अन्य चार टाइगर

रिजर्व हैं - तेलंगाना में कवल, अरुणाचल प्रदेश में कमलांग, मिजोरम में डंपा और ओडिशा में सतकोसिया रिजर्व।

यह टाइगर रिजर्व पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सतारा, सांगली और रत्नागिरी जिलों में फैला हुआ है। 1,165 वर्ग किमी में फैले इस रिजर्व को 2010 में चंदोली राष्ट्रीय उद्यान और कोयना वन्यजीव अभयारण्य को मिलाकर अधिसूचित किया गया था।

अरुणाचल प्रदेश में एक नई कैटफ़िश की खोज

हाल ही में, भारतीय अनुसंधान कृषि परिषद्-नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज द्वारा ने अरुणाचल प्रदेश में कैटफ़िश की एक नई प्रजाति की खोज की है, जिसे ग्लाइप्टोथौरैक्स पुण्यब्रतई नाम दिया गया है।

यह नई प्रजाति ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में तिस्सा नदी की सहायक नदी तुंग स्ट्रीम से एकत्र की गई है।

-Glyptothorax punyabratai

नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज के बारे में

यह एक शोध संगठन है जो मछली जर्मप्लाज्म संसाधनों के संरक्षण और अध्ययन के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में काम करता है। ये मछली प्रजातियों की आनुवंशिक विविधता की पहचान, दस्तावेजीकरण और संरक्षण के लिए काम करते हैं।

इसकी स्थापना दिसंबर 1983 में इलाहाबाद के एक अस्थायी परिसर में की गई थी। बाद में इसे 1999 में लखनऊ में एक स्थायी परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया।

ताम जा' ब्लू होल

शोधकर्ताओं ने मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप के पास चेतुमल खाड़ी में ताम जा' ब्लू होल को पृथ्वी पर सबसे गहरे ज्ञात ब्लू होल के रूप में खोजा है, जो 1,380 फीट (420 मीटर) से भी गहरा है।

ब्लू होल जल से भरी ऊर्ध्वाधर गुफाएं या सिंकहोल हैं, जो तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं जिनका आधार चूना पत्थर, संगमरमर या जिप्सम जैसे घुलनशील सामग्री से बना होता है।

ब्लू होल, जिसे कार्स्ट संरचनाओं के रूप में भी जाना जाता है, जो महासागरों की सतह के नीचे जलमग्न ऊर्ध्वाधर गुफाएं होती है। ये जीवन से भरपूर एक संपन्न समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र है।

भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से हजारों वर्षों में निर्मित, ब्लू होल हिमयुग के दौरान एक चूना पत्थर की गुफा प्रणाली होती थी। जैसे ही समुद्र का स्तर बढ़ा, गुफा जलमग्न हो गई, अंततः, गुफा की छत ढह गई, और अपने पीछे विशाल सिंकहोल छोड़ गई जिसे हम वर्तमान में देखते हैं।

ताम जा' ब्लू होल से पहले संशा योंगले ब्लू होल को सबसे गहरा माना जाता था, जो दक्षिण चीन सागर में 480 फीट गहरा है। इसे ड्रैगन होल के रूप में भी जाना जाता है।

ब्लू होल के अन्य उदाहरण- कैरेबियन में ग्रेट ब्लू होल और डीन का ब्लू होल, मिस्र में दहाब ब्लू होल और बेलीज़ में ग्रेट ब्लू होल।

हिंडन नदी में बढ़ता प्रदूषण

हाल ही में, राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) से दो सप्ताह के भीतर हिंडन नदी के प्रदूषण पर एक अतिरिक्त रिपोर्ट पेश करने को कहा है जिसमें दोषी नगर निकायों के खिलाफ की गई कार्रवाई भी शामिल है।

शहरी, कृषि और औद्योगिक अपशिष्ट को नदी में छोड़े जाने के कारण यह गंगा बेसिन के सबसे प्रदूषित हिस्सों में से एक है।

हिंडन नदी के बारे में:

यह यमुना नदी की एक सहायक नदी है और मुख्य रूप से वर्षा आधारित नदी है।

इसका उद्गम उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में निम्न शिवालिक पर्वतमाला से होता है।

यह नोएडा में यमुना नदी में गिरने से पहले 400 किलोमीटर तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में बहती है।

सहायक नदियाँ : काली (पश्चिम) नदी और कृष्णा नदी हिंडन नदी की मुख्य सहायक नदियाँ हैं।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी)

इसकी स्थापना राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत की गई है।

शासनादेश : पर्यावरण संरक्षण तथा वनों एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों का प्रभावी एवं शीघ्र निस्तारण।

ट्रिब्यूनल की प्रमुख पीठ नई दिल्ली में है और भोपाल, पुणे, कोलकाता एवं चेन्नई में ट्रिब्यूनल की अन्य पीठें हैं।

सोनाई रूपाई वन्यजीव अभयारण्य

हाल ही में, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने असम के मुख्य सचिव से उन अधिकारियों का विवरण देने को कहा है जिन्होंने जिन्होंने वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 का उल्लंघन करते हुए सोनई रूपाई वन्यजीव अभयारण्य और चारदुआर रिजर्व फॉरेस्ट के भीतर मतदान केंद्रों, स्कूलों और अन्य निर्माण गतिविधियों को अनुमति दी थी।

सोनाई रूपाई वन्यजीव अभयारण्य के बारे में:

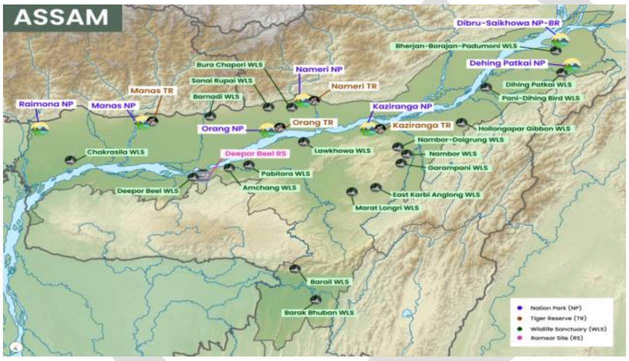

यह असम के सोनितपुर जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित एक संरक्षित क्षेत्र है। यह ग्रेट हिमालयन रेंज की तलहटी में स्थित है। इस क्षेत्र को 1998 में अभयारण्य घोषित किया गया था।

अभयारण्य गर्म और आर्द्र ग्रीष्मकाल के साथ उपोष्णकटिबंधीय प्रकार की जलवायु का अनुभव करता है। बुरहीदिहिंग नदी अभयारण्य से होकर बहती है। अभयारण्य के मुख्य आकर्षण हाथी और भारतीय बाइसन हैं।

सिल्क कॉटन ट्री

दक्षिण राजस्थान में सिल्क कॉटन ट्री की अत्यधिक कटाई हो रही हैं, जिससे इस क्षेत्र में ये वृक्ष लुप्त हो रहे हैं, जो क्षेत्र के जंगलों और लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

सिल्क कॉटन ट्री के बारे में:

सिल्क कॉटन ट्री को स्थानीय रूप से सेमल पेड़ के रूप में जाना जाता है, जिसका वैज्ञानिक नाम बॉम्बैक्स सीइबा एल.(Bombax ceiba L.) है।

यह एक पर्णपाती पेड़ है। यह मुख्य रूप से नम पर्णपाती और अर्ध-सदाबहार जंगलों में तथा मैदानी इलाकों में भी पाया जाता है

राजस्थान में गरासिया जनजाति का मानना है कि वे सेमल के पेड़ के वंशज हैं।

इस वृक्ष की जड़ें, फल, बीज, तना, तने की छाल और गोंद सभी औषधीय रूप से मूल्यवान हैं।

नीलगिरी में भूस्खलन को रोकने के लिए 'हरित' समाधान

तमिलनाडु राज्य के नीलगिरी क्षेत्र में भूस्खलन को रोकने के लिए 'हरित' समाधान के रूप में सॉयल नेलिंग और हाइड्रोसीडिंग विधि का प्रयोग किया जा रहा है।

मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए नीलगिरी की प्रमुख सड़कों के आसपास पांच स्थानों पर घास उगाकर ढलानों को स्थिर करने का कार्य किया जा रहा है।

सॉइल नेलिंग एक जियोटेक्नीकल इंजीनियरिंग तकनीक है जिसमें मिट्टी को मजबूत करने के लिए एक निर्दिष्ट क्षेत्र में मजबूत तत्वों को शामिल किया जाता है।

ढलान को मजबूत करने की प्रक्रिया के बाद, 'हाइड्रोसीडिंग' विधि का प्रयोग किया जा रहा है। यह घास और पौधों के रोपण को सुविधाजनक बनाने के लिए मिट्टी पर बीज, उर्वरक, कार्बनिक पदार्थों और जल के मिश्रण को लगाने की एक प्रक्रिया है, जो मिट्टी की ऊपरी परत को एक साथ रखने में मदद करेगी और क्षरण को रोकेंगी।

लिगडस गारवले नामक मकड़ी की नई प्रजाति

हाल ही में कर्नाटक के कोडागु जिले के सोमवारपेट तालुक में स्थित एक गांव गारवले से 'लिगडस गारवले' (Ligdus Garvale) नामक एक नई मकड़ी की प्रजाति का दस्तावेजीकरण किया गया है।

लिगडस गारवाले के बारे में:

यह जंपिंग स्पाइडर की एक नई प्रजाति है ।

यह कर्नाटक के कोडागु जिले के गारवले गांव से खोजी गई है, जो कृषि वानिकी से घिरा हुआ है, जहाँ काली मिर्च और धान के खेतों के साथ-साथ कॉफी के बागान प्रमुख हैं।

यह 129 वर्षों में लिगडस जीनस का केवल दूसरा दर्ज उदाहरण है। इससे पूर्व लिगडस चेलिफ़र को 1895 में म्यांमार में खोजा गया था।

जंपिंग स्पाइडर क्या हैं?

जंपिंग स्पाइडर मकड़ियों का सबसे बड़ा परिवार है, जिसमें 6,380 से अधिक प्रजातियाँ (परिवार साल्टिसिडे) हैं। ये अपने शिकार पर कूदने और झपटने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

ये उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं , लेकिन कुछ उत्तरी और यहां तक कि आर्कटिक क्षेत्रों में भी रहते हैं।

कांवर झील

कभी प्रवासी पक्षियों का स्वर्ग रही बिहार के बेगुसराय में स्थित ताजे पानी की कांवर झील धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है।

भूमि के अनियंत्रित अतिक्रमण और बूढ़ी गंडक नदी पर तटबंध के निर्माण ने आर्द्रभूमि के प्रमुख जल प्रवेश को अवरुद्ध कर दिया है।

कांवर झील के बारे में:

यह बिहार में स्थित एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की ऑक्सबो झील है। मूल रूप से लगभग 7,000 हेक्टेयर में फैली यह झील प्रवासी पक्षियों के लिए एक गंतव्य के रूप में जानी जाती है और कई जलीय प्रजातियों का घर है।

बेगुसराय जिले में स्थित झील, रामसर कन्वेंशन के तहत राज्य की पहली और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि है।

इसे कबरताल झील के नाम से भी जाना जाता है जो एक वर्षा आधारित झील है।

यह एक अवशिष्ट ऑक्सबो झील है, जो गंगा की सहायक नदी गंडक नदी के घुमावदार होने के कारण बनी है।

पक्षियों के अवैध शिकार को रोकने के लिए इसे पहले 1986 में राज्य सरकार द्वारा संरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया था, और बाद में केंद्र सरकार द्वारा एक अभयारण्य घोषित किया गया था।

संकट: साइट पर प्रमुख खतरों में जल प्रबंधन गतिविधियाँ जैसे जल निकासी, बांध और नहरीकरण शामिल हैं।

क्या है ऑक्सबो झील?

ऑक्सबो झील एक घुमावदार झील है जो समय के साथ कटाव और तलछट जमाव के परिणामस्वरूप घुमावदार नदी के किनारे बनती है।

ऑक्सबो झीलें आमतौर पर अर्धचंद्राकार होती हैं और नदियों के पास बाढ़ के मैदानों और निचले इलाकों में आम विशेषताएं हैं।

हम्बोल्ट ग्लेशियर

इंटरनेशनल क्रायोस्फीयर क्लाइमेट इनिशिएटिव (ICCI) ने कहा है कि एंडीज पर्वतश्रेणी में वेनेजुएला का एकमात्र शेष ग्लेशियर- हम्बोल्ट, या ला कोरोना (Humboldt, or La Corona) है, जो "ग्लेशियर के रूप में वर्गीकृत होने के लिए आकार में बहुत छोटा हो गया है।

इसके साथ ही आधुनिक समय में वेनेजुएला पहला ऐसा देश है जिसने अपने सभी ग्लेशियर पूरी तरह से खो दिए हैं।

हम्बोल्ट ग्लेशियर वेनेजुएला के दूसरे सबसे ऊंचे पर्वत पिको हम्बोल्ट के करीब था।

अनुमान लगाया गया था कि हम्बोल्ट ग्लेशियर कम से कम एक और दशक तक बना रहेगा, लेकिन नवीनतम आकलन से पता चला है कि ग्लेशियर उम्मीद से कहीं अधिक तेजी से पिघला है।

यह ग्लेशियर 2 हेक्टेयर से भी कम क्षेत्र में सिकुड़ गया है। इसलिए, इसे ग्लेशियर के स्थान पर बर्फ क्षेत्र (ice field) के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है क्योंकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, ग्लेशियर के का आकार लगभग 10 हेक्टेयर होना चाहिए।

वेनेजुएला के सिएरा नेवादा डी मेरिडा पर्वत श्रृंखला में छह ग्लेशियर थे, जो समुद्र तल से लगभग 5,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित थे, जिसमें से पहले ही 2011 तक पांच ग्लेशियर लुप्त हो चुके हैं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रायोस्फीयर जलवायु पहल के बारे में:

इसका गठन 2009 में कोपेनहेगन में COP-15 के बाद किया गया था।

यह वरिष्ठ नीति विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं का एक नेटवर्क है जो सरकारों और संगठनों के साथ मिलकर पृथ्वी के क्रायोस्फीयर को यथासंभव संरक्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई पहलों को बनाने, आकार देने और कार्यान्वित करने के लिए काम करता है।

यह पहल क्रायोस्फीयर के तीन प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है: आर्कटिक, अंटार्कटिक और उच्च पर्वतीय क्षेत्र।

मेडागास्कर में बाओबाब वृक्ष

हाल ही में, एक नए अध्ययन में बाओबाब (baobab) वृक्ष की उत्पत्ति का पता चला है, जो ऊंचे और विशिष्ट आकार के पर्णपाती पेड़ हैं जो मेडागास्कर द्वीप पर प्रमुख रूप से पाए जाते हैं। इस वृक्ष को "जंगल की जननी" (mother of the forest) के रूप में भी जाना जाता है।

बाओबाब अपनी महान ऊंचाइयों के लिए जाने जाते हैं, जिनमें से कुछ 50 मीटर तक फैले हुए हैं, और असाधारण रूप से इनका जीवनकाल 2,000 वर्ष का होता है।

मेडागास्कर की स्थानीय संस्कृतियों में, इन पेड़ों को इसलिए भी पूजनीय माना जाता है क्योंकि उनके अधिकांश हिस्सों का कई तरह से उपयोग किया जाता है, जैसे- फल और बीज खाने योग्य होते हैं, बीज का तेल खाना पकाने के लिए और छाल के रेशे कपड़ों के लिए उपयोग किए जाते हैं।

इन्हें "उल्टा" पेड़ (upside down tree) भी कहा जाता है क्योंकि इसका शीर्ष उखाड़े हुए उलटे पौधे जैसा दिखता है।

यह वृक्ष जीनस एडानसोनिया (Adansonia) से संबंधित हैं , जिसमें आठ अलग-अलग प्रजातियां शामिल हैं: महाद्वीपीय अफ्रीका में पाए जाने वाले एडानसोनिया डिजिटाटा , उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में एडानसोनिया ग्रेगोरी और मेडागास्कर में पाई जाने वाली छह अन्य प्रजातियां।

मध्य प्रदेश के धार जिले में मांडू, शायद भारत का एकमात्र स्थान है जहां बाओबाब के पेड़ बहुतायत में पाए जाते हैं।

लक्षद्वीप की प्रवाल भित्तियों में गंभीर विरंजन

आईसीएआर-सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (CMFRI) के अनुसार अक्टूबर 2023 से लंबे समय तक चलने वाली मरीन हीटवेव के कारण लक्षद्वीप की प्रवाल भित्तियों में गंभीर विरंजन हो गया है। कोरल ब्लीचिंग से लक्षद्वीप के विविध समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के समक्ष खतरा उत्पन्न हो गया है।

लक्षद्वीप सागर में इससे पहले 1998, 2010 और 2015 में मूंगा विरंजन की घटनाएं देखी गई हैं, लेकिन वर्तमान में घटित मूंगा विरंजन अभूतपूर्व है।

प्रवाल भित्तियाँ क्या है?

प्रवाल गतिहीन जीव हैं, अर्थात वे स्थायी रूप से समुद्र तल से जुड़े रहते हैं। इन्हें 'कठोर' या 'नरम' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

कठोर मूंगों में चूना पत्थर से बने पथरीले कंकाल होते हैं जो कोरल पॉलीप्स द्वारा निर्मित होते हैं। जब पॉलीप्स मर जाते हैं, तो उनके कंकाल पीछे रह जाते हैं और नए पॉलीप्स की नींव के रूप में उपयोग किए जाते हैं।

ये पत्थरीले प्रवाल कंकाल, हजारों-लाखों वर्षों में, जटिल प्रवाल भित्तियों का निर्माण करते हैं, जिन्हें अक्सर "समुद्र के वर्षावन" के रूप में संदर्भित किया जाता है, जो हजारों समुद्री प्रजातियों और जीवंत पारिस्थितिकी प्रणालियों का घर हैं। लक्षद्वीप के लगभग सभी द्वीप कोरल एटोल (coral atolls) हैं।

मूंगा विरंजन/ कोरल ब्लीचिंग क्या है?

कोरल ब्लीचिंग तब होता है जब समुद्र का जल बहुत गर्म हो जाता है। ऐसी स्थितियों में, कोरल अपने ऊतकों में रहने वाले सूक्ष्म शैवाल को बाहर निकाल देते हैं, ये सूक्ष्म शैवाल उनके लिए भोजन का उत्पादन करते हैं।

इन शैवाल के बिना, मूंगों के ऊतक पारदर्शी हो जाते हैं, जिससे उनका सफेद कंकाल उजागर हो जाता है। इसे ही मूंगा विरंजन कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, अपने शैवाल के बिना, कोरल लगभग दो सप्ताह तक जीवित रह सकते हैं।

लक्षद्वीप सागर अभी कितना गर्म है?

जब समुद्र की सतह का तापमान अधिकतम औसत तापमान से 1 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है तो मूंगे थर्मल तनाव (thermal stress) का अनुभव करते हैं। यदि उच्च तापमान लंबे समय तक बना रहता है तो यह तनाव और भी अधिक बढ़ सकता है।

वैज्ञानिक किसी क्षेत्र में पिछले 12 हफ्तों में संचित थर्मल तनाव को मापने के लिए डिग्री हीटिंग वीक (डीएचडब्ल्यू) संकेतक का उपयोग करते हैं। इसकी गणना सेल्सियस-सप्ताह (celsius-weeks) में की जाती है।

सीएमएफआरआई ने शोध में पाया कि 4 डिग्री सेल्सियस-सप्ताह से ऊपर डीएचडब्ल्यू मान कोरल ब्लीचिंग का कारण बनता है। हालाँकि, लक्षद्वीप सागर में 27 अक्टूबर, 2023 से लगातार तापमान सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस अधिक हो रहा है।

अत्यधिक वायुमंडलीय गर्मी (ग्लोबल वार्मिंग के कारण) के अलावा, समुद्री धाराओं में बदलाव से भी पानी का तापमान असामान्य रूप से बढ़ रहा है।

भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे द्वारा 2022 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार हिंद महासागर में मरीन हीट वेव बढ़ रही हैं। हिंद महासागर में तेजी से बढ़ते तापमान और मजबूत अल नीनो के कारण मरीन हीट वेव में उल्लेखनीय वृद्धि की सूचना दी गई थी। पहले, ये मरीन हीट वेव उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर में दुर्लभ हुआ करती थीं, लेकिन अब ये हर साल आने वाली घटना बन गई हैं।

लक्षद्वीप का निर्माण मूंगा चट्टानों से हुआ है और इसलिए द्वीपों की संरचना के लिए चट्टानों का स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है। मूंगे की मृत्यु से कार्बनिक पदार्थ का संचय होता है, जो बाद में मूंगों के निर्माण को रोक सकता है।

दुनिया की आधी चरागाहों का क्षरण

मरुस्थलीकरण की रोकथाम पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD) की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व के लगभग आधे चरागाहें (rangelands) क्षरित हो चुके हैं।

चरागाहों/ रेंजलैंड्स के बारे में

यूएनसीसीडी रिपोर्ट रेंजलैंड्स को प्राकृतिक या अर्ध-प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में परिभाषित करती है जो पशुधन या जंगली जानवरों द्वारा चरे जाते हैं। रेंजलैंड्स में घास, झाड़ियाँ, खुले जंगल और कृषि वानिकी प्रणालियाँ (भूमि जिसमें पेड़ और फसलें या चरागाहें होती हैं) जैसी वनस्पतियाँ होती हैं।

वर्तमान में, रेंजलैंड्स पृथ्वी के स्थलीय सतह क्षेत्र के 80 मिलियन वर्ग किमी (पृथ्वी की आधी से अधिक भूमि) को कवर करते हैं, और इस प्रकार यह दुनिया में सबसे बड़ा भूमि कवर या भूमि उपयोग प्रकार है।

ये कार्बन सिंक और मीठे पानी के भंडारगृह के रूप में कार्य करते हैं तथा भूमि के मरुस्थलीकरण को रोकते हैं। दुनिया भर में लाखों लोग खाद्य सुरक्षा और आजीविका के लिए रेंजलैंड पर निर्भर हैं।

यूएनसीसीडी के अनुसार "चरागाहें वैश्विक खाद्य उत्पादन का 16% और पालतू शाकाहारी जानवरों के लिए 70% भोजन उत्पन्न करते हैं, सबसे महत्वपूर्ण रूप से अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में।"

यूएनसीसीडी के अनुसार, भारत में रेंजलैंड्स लगभग 1.21 मिलियन वर्ग किमी में फैले हुए हैं।

चरवाहे कौन हैं?

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) के अनुसार पशुपालन पशुधन उत्पादन पर आधारित आजीविका प्रणाली है। इसमें पशुधन पालन, डेयरी उत्पादन, मांस उत्पादन, ऊन उत्पादन और चमड़ा उत्पादन शामिल हैं।

पशुधन उत्पादन में शामिल स्वदेशी और गैर-स्वदेशी दोनों समुदायों और समूहों को चरवाहों के रूप में जाना जाता है। ये समुदाय भेड़, बकरी, मवेशी, घोड़े, गधे, ऊँट, याक, लामा और सूअर पालते हैं। कुछ चरवाहे समुदाय बत्तख और मुर्गियाँ भी पालते हैं।

विश्व स्तर पर, अनुमानित 500 मिलियन पशुपालक पशुधन उत्पादन और संबद्ध व्यवसायों में शामिल हैं। भारत में, हालांकि कोई आधिकारिक आंकड़े नहीं हैं, गुज्जर, बकरवाल, रेबारी, रायका, कुरुबा और मालधारी सहित 46 समूहों में इस समूह की आबादी लगभग 13 मिलियन लोगों का अनुमान लगाया है।

भारत में चरवाहों का आर्थिक योगदान क्या है?

भारत दुनिया की 20% पशुधन आबादी का घर है। भारत में चरवाहों के लिए लेखांकन (2020) रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से लगभग 77% जानवरों को चरवाहे प्रणालियों में पाला जाता है, जिसका अर्थ है कि उन्हें या तो झुंड में रखा जाता है या सामान्य भूमि पर छोड़ दिया जाता है।

वर्तमान में, भारत दुनिया में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक है, जो वैश्विक डेयरी उत्पादन का 23% हिस्सा है। पशुपालन और डेयरी विभाग के अनुसार, यह भैंस के मांस का सबसे बड़ा उत्पादक और भेड़ और बकरी के मांस का सबसे बड़ा निर्यातक भी है।

भरल एवं हिमालयी आइबेक्स की गणना

हिमाचल प्रदेश के उच्च ऊंचाई वाले, ठंडे रेगिस्तानी जिले लाहौल और स्पीति में वन्यजीव अधिकारियों ने नीली भेड़ या भरल और हिमालयन आइबेक्स की संख्या का अनुमान लगाने के लिए सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। ये हिम तेंदुए का मुख्य शिकार है।

भरल के बारे में:

भरल, जिसे नीली भेड़ भी कहा जाता है, उच्च हिमालयी क्षेत्र में पाई जाती है।

वैज्ञानिक नाम: स्यूडोइस नायाउर (Pseudois nayaur)

वितरण : यह भारत, भूटान, चीन, म्यांमार, नेपाल और पाकिस्तान में पाई जाती है।

IUCN लाल सूची में संरक्षण: कम चिंताजनक (Least Concern)

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972: अनुसूची 1

हिमालयी आईबेक्स के बारे में:

यह साइबेरियाई आइबेक्स की एक उप-प्रजाति है जो भारत, पाकिस्तान, तिब्बत और नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में पाई जाती है।

आइबेक्स जंगली बकरी की प्रजाति है जो यूरोप, एशिया और उत्तर-पूर्वी अफ्रीका के पहाड़ों में पाई जाती हैं।

वैज्ञानिक नाम: कैप्रा सिबिरिका

वे ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र सहित हिमालय के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में निवास करते हैं, जहां वे 3,000 से 5,800 मीटर के बीच की ऊंचाई पर पाए जा सकते हैं।

यह भारत के कई हिस्सों में पाए जाते हैं, मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों में।

आईयूसीएन रेड लिस्ट में संरक्षण : निकट संकटग्रस्त (Near Threatened)

जीएसएपी स्किल्स प्लेटफॉर्म

हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) ने ग्लोबल स्पीशीज एक्शन प्लान स्किल्स प्लेटफॉर्म (Species Conservation Knowledge, Information, Learning, Leverage and Sharing : SKILLS) platform) को जैव विविधता सम्मेलन में लॉन्च किया गया।

जीएसएपी स्किल्स प्लेटफॉर्म के बारे में:

जीएसएपी स्किल्स प्लेटफॉर्म जीएसएपी की सामग्री को ऑनलाइन करता है और वास्तविक समय में तकनीकी उपकरणों और संसाधनों को अद्यतन करने की अनुमति देता है।

इसका उद्देश्य वैश्विक सहयोग और साझेदारी को सुविधाजनक बनाना तथा सभी स्तरों पर निर्णयकर्ताओं, प्रजाति संरक्षणकर्ताओं और विशेषज्ञों को जोड़ना है।

यह प्लेटफॉर्म तकनीकी उपकरणों और संसाधनों पर वास्तविक समय पर अद्यतन जानकारी प्रदान करता है, जिससे पहुंच और प्रासंगिकता सुनिश्चित होती है।

इस मंच का प्रबंधन IUCN द्वारा सक्रिय रूप से किया जाता है , ताकि प्रजातियों के लिए कार्रवाई करने हेतु सरकारों और सभी हितधारकों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

जीएसएपी स्किल्स प्लेटफॉर्म के विकास को मुख्य रूप से कोरिया गणराज्य के पर्यावरण मंत्रालय द्वारा समर्थित किया गया है।

ग्लोबल स्पीशीज एक्शन प्लान

वैश्विक प्रजाति कार्य योजना एक व्यापक रोडमैप प्रदान करती है जिसके द्वारा समाज के सभी लोग हमारे ग्रह की प्रजातियों की रक्षा करने और जो हमने खो दिया है उसे पुनर्जीवित करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कार्रवाई कर सकते हैं।

इसे कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क (जीबीएफ) के कार्यान्वयन का समर्थन करने और दुनिया भर में बढ़ती जैव विविधता हानि को दूर करने के लिए विकसित किया गया है ।

मैतेई सागोल (Meitei Sagol)

हाल ही में मणिपुर सरकार ने मणिपुरी टट्टू या मैतेई सागोल, जो कि एक प्रसिद्ध घोड़ा है, को इतिहास के पन्नों में लुप्त होने से बचाने के लिए विभिन्न संगठनों और संघों के साथ हाथ मिलाया है।

यह भारत की सात मान्यता प्राप्त घोड़ा और टट्टू नस्लों में से एक है। अन्य घोड़ों में मारवाड़ी घोड़ा, काठियावाड़ी घोड़ा, जांस्करी टट्टू, स्पीति टट्टू, भूटिया टट्टू और कच्छी-सिंधी घोड़ा शामिल हैं।

इस नस्ल को मूल पोलो टट्टू माना जाता है, क्योंकि आधुनिक पोलो की उत्पत्ति मणिपुर के पारंपरिक सागोल कांगजेई खेल से हुई है।

मणिपुरी जीवनशैली में टट्टू का विशेष स्थान है। लाई हराओबा जैसे पारंपरिक आयोजनों और पोलो तथा घुड़दौड़ जैसे खेलों में इस्तेमाल किए जाने के अलावा इनका उपयोग मणिपुर साम्राज्य की घुड़सवार सेना द्वारा सवारी के रूप में भी किया जाता था।

मणिपुर सरकार ने 2013 में मणिपुरी टट्टू को लुप्तप्राय नस्ल घोषित किया।

मणिपुरी टट्टू की संख्या हाल के दिनों में तेजी से घट रही है - 17वीं पंचवर्षीय पशुधन गणना 2003 में 1,898 से घटकर 19वीं पंचवर्षीय पशुधन गणना 2012 में केवल 1,101 रह गई। 2019 में की गई अंतिम पशुधन गणना में यह संख्या और घटकर 1,089 रह गई।

गिरावट के लिए जिम्मेदार कारक

तीव्र शहरीकरण और अतिक्रमण के कारण मणिपुरी टट्टू के प्राकृतिक आवास का क्षरण

आर्द्रभूमि का सिकुड़ना

मणिपुर में पोलो मैदानों/पोलो खेल क्षेत्रों की कमी;

अनियंत्रित बीमारियाँ;

पड़ोसी राज्यों और देशों में टट्टू का पलायन।

अरुणाचल के ईगलनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य में संकटग्रस्त लाल पांडा

हाल ही में, अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में स्थित ईगलनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य में लुप्तप्राय प्रजाति, लाल पांडा को देखा गया।

लाल पांडा का वैज्ञानिक नाम ऐलुरस फुल्गेंस (Ailurus fulgens) है। इसके चमकीले लाल और सफेद बालों के कारण इसे 'फ़ायरफ़ॉक्स' उपनाम दिया गया है।

वैश्विक स्तर पर इनकी जनसंख्या 10,000 से भी कम है, अतः इनके आवासों की सुरक्षा के लिए संरक्षण प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

यह भूटान, चीन, भारत, म्यांमार और नेपाल के पहाड़ी जंगलों में रहता है। इनका लगभग 50% निवास पूर्वी हिमालय में है।

विशाल हिमखंड अंटार्कटिका में टूटा

नई दिल्ली के आकार से लगभग चार गुना बड़ा एक विशाल हिमखंड (Iceberg) अंटार्कटिका में ब्रंटआइस शेल्फ से टूटकर अलग हो गया है। इस घटना को 20 मई को उपग्रह चित्रों में देखा गया था।

कोपरनिकस सेन्टिनल-1 उपग्रह से प्राप्त रडार चित्रों से पता चलता है कि यह हिमखंड 22 मई को स्पष्ट रूप से अलग हो गया था।

A-83 हिमखंड के बारे में

A-83 नाम का यह हिमखंड 146 वर्ग मील (380 वर्ग किमी) में फैला है और लगभग 490 फीट (150 मीटर) मोटा है।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, पिछले चार सालों में इस क्षेत्र में यह तीसरा महत्वपूर्ण हिमखंड टूटकर अलग हुआ है। 2021 में, इसी क्षेत्र में हिमखंड A-74 बना, उसके बाद 2023 में इससे भी बड़ा A-81 बना।

आइसबर्ग A-83 को सबसे पहले पूर्वी वेडेल सागर में ब्रंट आइस शेल्फ़ के पास देखा गया था। यह "हैलोवीन क्रैक" नामक दरार से टूटा था।

क्षैतिज दरार, जिसे हैलोवीन क्रैक के नाम से जाना जाता है, 31 अक्टूबर, 2016 को खोजा गया था, जबकि ऊर्ध्वाधर दरार, 8.6 मील लंबा (14 किमी), जिसे इसी वर्ष 26 अप्रैल को देखा गया था।

हैलोवीन क्रैक मैकडॉनल्ड आइस रम्पल्स नामक क्षेत्र से शुरू होता है - जो कि वह जगह है जहां तैरती बर्फ की चादर का निचला हिस्सा उथले समुद्र तल पर स्थित है।

हिमखंड का टूटना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन इसकी बढ़ती आवृत्ति अंटार्कटिक आइस शेल्फ़ पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में चिंता पैदा करती है।

हालाँकि आइस शेल्फ़ का पिघलना ग्लोबल वार्मिंग से जुड़ा हुआ है, लेकिन हिमखंड A-83 का निर्माण प्राकृतिक प्रक्रियाओं के ज़रिए हुआ है।

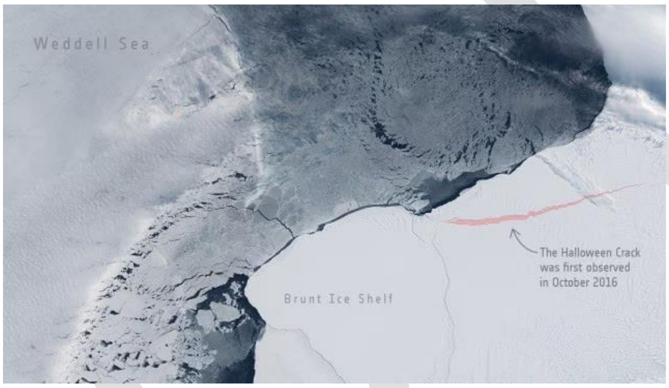

ब्रंट आइस शेल्फ़

वेल्स मौसम विज्ञानी डेविड ब्रंट के नाम पर ब्रंट आइस शेल्फ़ का नाम रखा गया है, हाल के वर्षों में इस पर कई हिमखंड टूटकर गिरे हैं।

ब्रंट आइस शेल्फ़ अंटार्कटिका के तट पर वेडेल सागर में स्थित है। यह पश्चिम में कोट्स लैंड से लेकर पूर्व में क्वीन मौड लैंड तक फैला हुआ है।

आइस शेल्फ़ एक भूभाग से जुड़ी हुई तैरती हुई बर्फ की सतह हैं, जो अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड जैसे ध्रुवीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं।

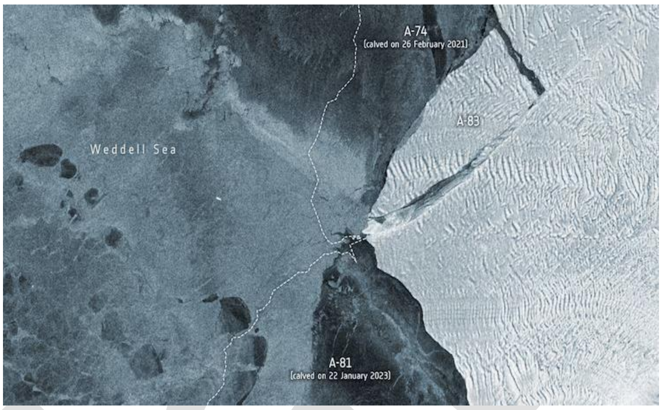

काजा शिखर सम्मेलन

हाल ही में, विक्टोरिया फॉल्स के उत्तरी किनारे पर स्थित जाम्बिया के शहर लिविंगस्टोन में कावांगो-जाम्बेजी (काजा) ट्रांस-फ्रंटियर संरक्षण क्षेत्र (टीएफसीए) शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

इस संरक्षण पहल में पांच दक्षिणी अफ्रीकी देश- अंगोला, बोत्सवाना, नामीबिया, जाम्बिया और जिम्बाब्वे के 400 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

काजा क्षेत्र, 5,20,000 वर्ग किलोमीटर का वेटलैंड है जो इन पाँच दक्षिणी अफ्रीकी देशों में फैला हुआ है, जिनकी ओकावांगो और ज़ाम्बेज़ी नदी घाटियों के साथ साझा अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ हैं। यहाँ वन्यजीव प्रजातियों की अधिकता है, जिसमें हाथियों की आबादी प्रमुख है।

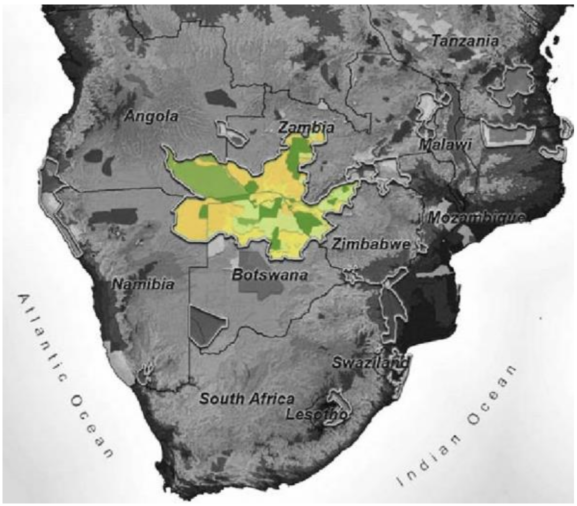

काजा देशों ने 2006 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसके परिणामस्वरूप 2011 की काजा संधि हुई और उसके तुरंत बाद इसका कार्यान्वयन हुआ।

काजा की लगभग 70 प्रतिशत भूमि पर 103 वन्यजीव प्रबंधन क्षेत्र और 85 वन्य क्षेत्र हैं। इसके भीतर तीन विश्व धरोहर स्थल भी हैं, जिनमें ज़ाम्बिया और ज़िम्बाब्वे के बीच सीमा बनाने वाली ज़ाम्बेज़ी नदी पर विक्टोरिया फ़ॉल्स और बोत्सवाना में ओकावांगो डेल्टा और त्सोडिलो हिल्स शामिल हैं।

भूगोल

माउंट इबू में विस्फोट

हाल ही में, माउंट इबू ज्वालामुखी में पुनः विस्फोट हुआ है, जिससे राख 4 किमी. की ऊंचाई तक फैल गई, तथा इसके क्रेटर के चारों ओर बैंगनी रंग की बिजली चमकने लगी।

माउंट इबू के बारे में:

इबू ज्वालामुखी एक सक्रिय स्ट्रेटो ज्वालामुखी है जो इंडोनेशिया के हल्माहेरा द्वीप (Halmahera Island) के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित है।

इंडोनेशिया प्रशांत महासागर के "फायर रिंग" पर स्थित है और जहां 127 सक्रिय ज्वालामुखी हैं। हाल के हफ़्तों में इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी के रुआंग ज्वालामुखी में भी विस्फोट हुआ था।

रेमल चक्रवात

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवात रेमल बंगाल की खाड़ी में आने वाला पहला प्री-मानसून उष्णकटिबंधीय चक्रवात है। अरबी में रेमल शब्द का अर्थ है 'रेत'।

उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नामकरण की परंपरा के अनुसार यह नाम ओमान द्वारा चुना गया है। उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नामकरण की परंपरा में 13 देश- बांग्लादेश, भारत, ईरान, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और यमन शामिल हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

एंटारेस (Antares) के सामने से गुजरा चंद्रमा

बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (IIA) ने चमकीले लाल तारे एंटारेस के सामने से गुजरते हुए चंद्रमा का फिल्मांकन किया है।

27 अप्रैल को चंद्रमा एंटारेस के सामने से गुजरा और लगभग 40 मिनट तक तारे को ढक लिया था।

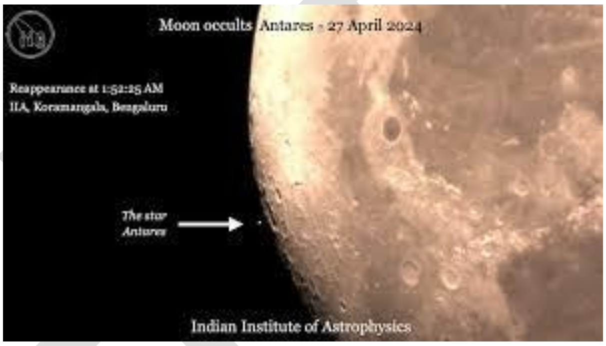

एंटारेस के बारे में

एंटारेस एक रेड सुपरजाइंट तारा है जिसे 'अल्फा स्कोर्पियो' भी कहा जाता है, जो स्कॉर्पियस तारामंडल में स्थित है।

यह उत्तरी गोलार्ध में गर्मी के महीनों के दौरान दक्षिणी दिशा में दिखाई देता है।

स्कॉर्पियस तारामंडल के भीतर स्थित होने और इसके आकर्षक लाल रंग के कारण इसे अक्सर "heart of the scorpion" कहा जाता है।

यह एक विशाल तारा है, जिसका व्यास सूर्य से लगभग 700 गुना अधिक आंका गया है। यह सूर्य से 10,000 गुना अधिक चमकीला है ।

अन्य तारों की तुलना में इसकी सतह का तापमान अपेक्षाकृत कम है, जो इसे इसका विशिष्ट लाल रंग देता है।

पृथ्वी से एंटारेस की दूरी लगभग 550 प्रकाश-वर्ष है, जो इसे हमारे सौर मंडल के सबसे निकटतम रेड सुपरजाइंट तारों में से एक बनाती है।

अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र

अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन से पता चलता है कि चन्द्रमा के उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र में बर्फ की मात्रा दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र की तुलना में दोगुनी है।

अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC) के बारे में

यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का एक प्रमुख **अनुसंधान और विकास केंद्र** है। **यह अहमदाबाद, गुजरात** में स्थित है।

इस केंद्र की उत्पत्ति 1966 में स्वर्गीय डॉ. विक्रम साराभाई द्वारा अहमदाबाद में **प्रायोगिक उपग्रह संचार पृथ्वी स्टेशन (Experimental Satellite Communication Earth Station) की स्थापना** के साथ हुई।

बाद **में 1972 में,** अहमदाबाद में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों में अनुसंधान करने वाली **इसरो की विभिन्न इकाइयों** को **एसएसी में विलय कर दिया गया।**

सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज़ ऑफ़ टॉरपीडो (स्मार्ट) प्रणाली

हाल ही में, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से अगली पीढ़ी के टारपीडो रिलीज सिस्टम का परीक्षण किया।

इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। इसे ओडिशा तट के डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से एक ग्राउंड मोबाइल लॉन्चर से लॉन्च किया गया।

विशेषताएँ

हल्के टॉरपीडो लॉन्च करने के लिए यह मिसाइल-आधारित तंत्र सैकड़ों किलोमीटर दूर पनडुब्बियों को लक्षित कर सकता है।

यह कनस्तर-आधारित मिसाइल प्रणाली है जिसमें दो-चरणीय ठोस प्रणोदन और सटीक जड़त्वीय नेविगेशन सहित कई उन्नत उपप्रणालियाँ शामिल हैं।

इस प्रणाली को तटों और युद्धपोतों दोनों से लॉन्च किया जा सकता है।

एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक

देश के मौजूदा पारंपरिक पनडुब्बी बेड़े को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से, भारतीय नौसेना ने 60,000 करोड़ रुपये का टेंडर जारी करके अत्यधिक उन्नत पनडुब्बी बनाने का परीक्षण शुरू कर दिया है।

तकनीक के बारे में

60,000 करोड़ रुपये के अनुबंध का उद्देश्य एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) तकनीक से लैस छह स्टील्थ पनडुब्बियों का निर्माण करना है, जो लंबे समय तक पानी के नीचे संचालन को सक्षम करेगा।

प्रोजेक्ट-75 (भारत) का लक्ष्य भारतीय नौसेना के लिए फ्यूल सेल और एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम (एआईपी) के साथ डीजल-इलेक्ट्रिक अटैक पनडुब्बियों की खरीद करना है।

भारतीय नौसेना के लिए जहाजों को लंबे समय तक पानी के भीतर रखने के लिए एआईपी प्रणाली महत्वपूर्ण है।

पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों को अपनी बैटरी चार्ज करने के लिए बार-बार सतह पर आना पड़ता है और पानी के भीतर उनकी क्षमता केवल कुछ दिनों की होती है।

एआईपी तकनीक से इन पनडुब्बियों की पानी के भीतर सहनशक्ति में काफी सुधार हुआ है और उन्हें एक विशिष्ट लाभ मिला।

एआईपी प्रणाली के लाभ:

यह पनडुब्बियों को पानी में अधिक समय तक रहने की अनुमति देता है।

यह पनडुब्बियों द्वारा उत्पन्न शोर के स्तर को कम करता है । इससे पनडुब्बियों का पता लगाना कठिन हो जाता है ।

एआईपी के प्रकार: ओपन-साइकिल सिस्टम, क्लोज्ड-साइकिल डीजल इंजन, क्लोज्ड-साइकिल स्टीम टर्बाइन, स्टर्लिंग साइकिल इंजन और फ्यूल सेल।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) फ्यूल सेल-आधारित एआईपी प्रणाली का उपयोग कर रहा है।

MQ-9B ड्रोन

संयुक्त राज्य अमेरिका से MQ-9B ड्रोन भारत खरीदेगा। इस अनुबंध पर जून में हस्ताक्षर होने की संभावना है, इसे दो राज्यों तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में रखा जाएगा।

भारतीय सेना और वायु सेना ने MQ-9B ड्रोन को उत्तर प्रदेश में सरसावा और गोरखपुर में तैनात किया जाएगा।

31 MQ-9B प्रीडेटर्स खरीदे जायेंगे, जिसमें से 15 भारतीय नौसेना को और 8-8 भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना को सौंपें जायेंगे।

इसकी लागत लगभग 4 बिलियन डॉलर होगी और पहली डिलीवरी 2026 के अंत तक होने की संभावना है।

MQ-9B ड्रोन के बारे में

जनरल एटॉमिक्स द्वारा निर्मित एमक्यू-9बी का उपयोग अमेरिकी वायु सेना और उसके नाटो सहयोगियों द्वारा किया जाता है।

एमक्यू-9बी स्वचालित टेकऑफ़ और लैंडिंग क्षमता (Automatic Takeoff and Landing Capability) का उपयोग करके 4,000 फीट तक के छोटे रनवे से उड़ान भर सकता है, जो इसे दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने वाली भारतीय सेना के लिए उपयुक्त बनाता है।

कोलीन (Choline) नामक एक आवश्यक पोषक तत्व पर शोध

क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के एक शोध में आणविक द्वार (molecular doorways) को खोजा गया है जिनका उपयोग तंत्रिका संबंधी विकारों के इलाज हेतु मस्तिष्क में दवाएं पहुंचाने में मदद के लिए किया जा सकता है।

इस शोध में पाया गया कि कोलीन नामक एक आवश्यक पोषक तत्व होता है, जो FLVCR2 नामक प्रोटीन द्वारा मस्तिष्क में पहुंचाया जाता है।

कोलीन के बारे में

कोलीन एक विटामिन जैसा पोषक तत्व है जो शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्यों के लिए आवश्यक है, विशेष रूप से मस्तिष्क के विकास के लिए।

यह पानी में घुलनशील और वसा में घुलनशील दोनों अणुओं के रूप में मौजूद है। शरीर अपने स्वरूप के आधार पर कोलीन का परिवहन और अवशोषण अलग-अलग तरीके से करता है।

शरीर अपने आप ही यकृत में थोड़ी मात्रा में कोलीन का उत्पादन करता है, लेकिन दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। परिणामस्वरूप, मनुष्यों को आहार से कुछ कोलीन प्राप्त करना चाहिए।

अंडे, सब्जियां, मांस, नट्स और बीन्स के सेवन से कोलीन पोषक तत्व शरीर को मिलता है।

कोलीन लीवर और मस्तिष्क को सही ढंग से काम करने में मदद करता है।

गर्भावस्था के दौरान कोलीन की कमी जन्म दोष का कारण बन सकती है, इसलिए गर्भवती महिलाओं के लिए पर्याप्त मात्रा में कोलीन प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।

फ्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम (Fusobacterium nucleatum)

हाल ही में, शोधकर्ताओं के एक समूह ने फ़्यूसोबैक्टीरियम न्यूक्लियेटम नामक बैक्टीरिया के एक विशिष्ट उपप्रकार की पहचान की है जो कोलोरेक्टल कैंसर (CRC) ट्यूमर में अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में पाया जाता है।

ये बैक्टीरिया मानव मुंह में रहते हैं और अन्यत्र दुर्लभ रूप से पाए जाते हैं। लेकिन बृहदान्त्र (colon) या मलाशय (rectum) के कैंसर के मामलों में ये बैक्टीरिया आंत के ट्यूमर में पाए गये हैं।

ये बैक्टीरिया कैंसर कोशिकाओं को प्रतिरक्षा प्रणाली से बचने और शरीर के अन्य भागों में फैलने में मदद करते हैं।

स्वदेशी बमवर्षक यूएवी विमान का अनावरण

हाल ही में, भारत के रक्षा और एयरोस्पेस कंपनी "फ्लाइंग वेज डिफेंस" द्वारा विकसित भारत का पहला स्वदेशी बमवर्षक मानवरहित हवाई वाहन (unmanned aerial vehicle : UAV)-FWD-200B का अनावरण किया गया।

100 किलोग्राम की पेलोड क्षमता के साथ, यह ऑप्टिकल निगरानी पेलोड के साथ-साथ सटीक हवाई हमले वाले हथियार भी ले जा सकता है।

इसकी अधिकतम गति 200 kts या 370 किमी प्रति घंटा है, जबकि इसकी परिचालन क्षमता 12-20 घंटे है।

इसकी मुख्य विशेषता बड़े पैमाने पर मानवरहित हवाई वाहन की लागत में कमी हासिल करना है। एक आयातित यूएस प्रीडेटर ड्रोन की कीमत 250 करोड़ रुपये है, जबकि भारत में निर्मित FWD-200B सिर्फ 25 करोड़ रुपये में उपलब्ध होगा।

केरल में वेस्ट नाइल फीवर

हाल ही में, केरल के स्वास्थ्य विभाग ने तीन जिलों में वेस्ट नाइल बुखार के मामलों की सूचना दी है। राज्य सरकार ने सभी जिलों को सतर्क रहने का आदेश दिया है और मानसून पूर्व सफाई अभियान और निगरानी गतिविधियों को बढ़ाकर मच्छर नियंत्रण उपाय करने के निर्देश जारी किए हैं।

वेस्ट नाइल फीवर के बारे में:

यह वेस्ट नाइल वायरस (WNV) के कारण होने वाली बीमारी है। वायरल बुखार का कारण क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छरों को माना जाता है।

मूल रूप से अफ्रीका से आया यह वायरस यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका में फैल गया है। यह फीवर मनुष्यों में घातक न्यूरोलॉजिकल रोग का कारण बन सकता है, हालांकि संक्रमित अधिकांश लोगों में कभी कोई लक्षण विकसित नहीं होते हैं।

वेस्ट नाइल वायरस को रोकने के लिए कोई टीका या दवा नहीं है और संक्रमित होने वाले लगभग 5 में से 1 व्यक्ति में बुखार और अन्य लक्षण जैसे- सिरदर्द, शरीर में दर्द, जोड़ों में दर्द, उल्टी, दस्त जैसे देखने को मिलते हैं जबकि संक्रमित होने वाले लगभग 150 लोगों में से 1 में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाली गंभीर बीमारी विकसित होती है जैसे कि इन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क में सूजन) या मेनिनजाइटिस (मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को घेरने वाली झिल्लियों की सूजन)।

इसका नाम युगांडा के वेस्ट नाइल जिले के नाम पर रखा गया है, जहां इसे पहली बार 1937 में पहचाना गया था।

विडाल परीक्षण में खामियां

विडाल परीक्षण के गलत परिणाम देने की प्रवृत्ति के कारण भारत में टाइफाइड की उचित पहचान नहीं हो पा रही है, जिससे लागत में वृद्धि हो रही है और रोगाणुरोधी प्रतिरोध जोखिम बढ़ रहा है।

विडाल टेस्ट के बारे में:

यह टाइफाइड बुखार के निदान के लिए किया जाने वाला एक परीक्षण है। बैक्टीरिया जनित अन्य संक्रमणों की तरह, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली बैक्टीरिया के खिलाफ रक्त में एंटीबॉडी का उत्पादन करती है, जिससे आंत्र ज्वर होता है।

विडाल परीक्षण एक सीरोलॉजिकल परीक्षण है जो रोगी के रक्त के नमूने में बैक्टीरिया के खिलाफ एंटीबॉडी का पता लगाता है, यह दर्शाता है कि वे बैक्टीरिया से संक्रमित हैं या नहीं।

1800 के दशक के अंत में एक फ्रांसीसी चिकित्सक द्वारा विकसित विडाल परीक्षण को इसकी खामियों के कारण कई देशों में उपयोग नहीं किया जाता है ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विडाल परीक्षण के परिणामों को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों के कारण, इस परीक्षण पर बहुत अधिक भरोसा न करना ही सर्वोत्तम विकल्प है।

सीमाएँ:

एक भी सकारात्मक विडाल परीक्षण रिपोर्ट का अर्थ यह नहीं है कि टाइफाइड संक्रमण मौजूद है, और एक नकारात्मक रिपोर्ट बीमारी की अनुपस्थिति की पुष्टि नहीं करती है।

सक्रिय संक्रमण का निदान करने के लिए, चिकित्सकों को कम से कम 7-14 दिनों के अंतराल पर लिए गए कम से कम दो सीरम नमूनों का परीक्षण करना चाहिए , ताकि वे एंटीबॉडी की सांद्रता में बदलाव का पता लगा सकें। लेकिन दो नमूने प्राप्त करना शायद ही संभव और समय लेने वाला है।

इसके अतिरिक्त, परीक्षण के परिणाम पूर्व एंटीबायोटिक उपयोग, मौजूदा प्रतिरक्षा स्तर, या अन्य संक्रमणों के साथ क्रॉस-रिएक्शन के कारण खराब हो सकते हैं।

गलत निदान का प्रभाव:

गलत निदान से अनुचित उपचार होता है, जो एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग में योगदान देता है और रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) को बढ़ाता है।

इससे न केवल इलाज करना कठिन हो जाता है, बल्कि बीमारी का बोझ भी बढ़ जाता है, बल्कि प्रभावित व्यक्तियों पर वित्तीय दबाव भी पड़ता है।

टाइफाइड बुखार क्या है?

टाइफाइड बुखार साल्मोनेला टाइफी बैक्टीरिया के कारण होने वाला एक संक्रामक रोग है, जो दूषित भोजन और पानी से फैलता है।

टाइफाइड बुखार से पीड़ित व्यक्ति को थकान, तेज बुखार, सिरदर्द, दस्त या कब्ज, पेट में दर्द, वजन कम होना और लाल धब्बे जैसे लक्षण अनुभव होते हैं।

ये लक्षण मलेरिया, डेंगू, इन्फ्लूएंजा और टाइफस जैसे कुछ लक्षणों की नकल करते हैं, जिससे उचित परीक्षण के बिना निदान करना मुश्किल हो जाता है।

बासमती फसल में 'फुट रॉट' रोग

हाल ही में, लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय ने बासमती चावल की किस्मों में प्रचलित 'फुट रॉट' रोग से निपटने के लिए बायोकंट्रोल एजेंट ट्राइकोडर्मा एस्पेरेलम (Trichoderma Asperellum) विकसित किया है और इसे केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (CIBRC) के साथ पंजीकृत किया है।

ट्राइकोडर्मा एस्पेरेलम:

यह एक बायोकंट्रोल एजेंट है जो पारंपरिक कीटनाशकों के लिए एक गैर-रासायनिक विकल्प प्रदान करता है, जो पर्यावरणीय नुकसान को कम करते हुए रोग प्रबंधन में सहायता करता है।

'फुट रॉट' रोग के बारे में:

चावल की खेती दो चरणों में की जाती है। बीजों को पहले नर्सरी बेड में बोया जाता है, जहां वे अंकुरित होते हैं, जिन्हें बाद में एक अच्छी तरह से तैयार खेत में प्रत्यारोपित किया जाता है।

फुट रॉट एक कवक रोग है जो बासमती चावल की फसलों को विशेष रूप से अंकुरण के चरण में प्रभावित करता है, हालांकि यह संक्रमित पौधों के प्रत्यारोपण के बाद संक्रमण का कारण भी बन सकता है।

यह फुसैरियम वर्टिसिलियोइड्स कवक के कारण होता है, जो एक मृदा-बीज जनित रोगज़नक़ है जो पौधे की जड़ के माध्यम से संक्रमण फैलाता है, और अंततः तने तक फ़ैल जाता है।

संक्रमित पौधे पहले हल्के पीले रंग के हो जाते हैं, फिर बड़े होकर सूख जाते हैं और अंततः मर जाते हैं।

वर्तमान में, बुआई और रोपाई से पहले पौधों को ट्राइकोडर्मा हर्ज़ियानम से उपचारित किया जाता है। बुआई से पहले बीजों को स्प्रिंट 75 डब्ल्यूएस (कार्बेन्डाजिम + मैंकोजेब) जैसे फफूंदनाशकों से भी उपचारित किया जाता है। लेकिन ये रासायनिक उपचार हैं जो मिट्टी के लिए हानिकारक हैं, और चावल के उपभोक्ताओं के लिए विषाक्त हो सकते हैं। कवकनाशी कार्बेन्डाजिम पंजाब में पहले से ही प्रतिबंधित है।

गेहूं की नई किस्म : HD 3386

हाल ही में, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) ने गेहूं के बीज की उच्च उपज देने वाली एक नई किस्म- HD 3386 पेश की है।

इसे कृषि मंत्रालय की केंद्रीय बीज समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है, जो येलो और लीफ रस्ट रोगों (yellow and leaf rust diseases) के लिए प्रतिरोधी है। यह रोग ज्यादातर उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों - पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में होता है।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) के बारे में:

यह अनुसंधान, उच्च शिक्षा और कृषि विज्ञान में प्रशिक्षण के क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा और अग्रणी संस्थान है। यह संस्थान दिल्ली में स्थित है और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा प्रशासित है।

इसे लोकप्रिय रूप से पूसा इंस्टीट्यूट के नाम से जाना जाता है, जो 1905 में पूसा (बिहार) में एक अमेरिकी हेनरी फिप्स के 30,000 पाउंड के उदार अनुदान के साथ शुरू हुआ। संस्थान

Quizlet

को तब कृषि अनुसंधान संस्थान (एआरआई) के रूप में जाना जाता था।

1911 में ARI का नाम बदलकर इंपीरियल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च कर दिया गया और 1919 में इसका नाम बदलकर इंपीरियल एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट कर दिया गया।

15 जनवरी, 1934 को आए विनाशकारी भूकंप के बाद , संस्थान को 29 जुलाई 1936 को दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया। स्वतंत्रता के बाद , संस्थान का नाम बदलकर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान कर दिया गया।

सिकल सेल रोग

हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका के एक 12 वर्षीय लड़के को सिकल सेल रोग से उपचार के लिए लाइफजेनिया नामक जीन थेरेपी दी गई है। यह लड़का सिकल सेल रोग के लिए व्यावसायिक रूप से लाइसेंस प्राप्त जीन थेरेपी पाने वाला विश्व का पहला व्यक्ति बन गया है।

सिकल सेल रोग (SCD) के बारे में:

यह एक वंशानुगत रक्त विकार है। इस रोग में हीमोग्लोबिन में दोष उत्पन्न हो जाता है।

हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं (आरबीसी) में एक अणु है जो शरीर के ऊतकों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है।

इस रोग से पीड़ित लोगों में विशिष्ट हीमोग्लोबिन अणु होते हैं जिन्हें हीमोग्लोबिन एस कहा जाता है , जो आरबीसी को सिकल या अर्धचंद्राकार आकार में विकृत कर देता है, जिससे ऊतकों तक ऑक्सीजन की पहुँच में बाधा आती है।

सिकल लाल रक्त कोशिकाएँ जल्दी नष्ट हो जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाती है जो शरीर में ऑक्सीजन की कमी कर देती हैं।

यह रक्त प्रवाह को कैसे प्रभावित करता है?

आम तौर पर, आरबीसी डिस्क के आकार की और इतनी लचीली होती हैं कि रक्त वाहिकाओं के माध्यम से आसानी से चल सकती हैं।

एससीडी में, आनुवंशिक उत्परिवर्तन के कारण आरबीसी अर्धचंद्राकार या " दरांती" आकार के हो जाते हैं।

ये सिकल्ड आरबीसी आसानी से झुकते या हिलते नहीं हैं और शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त के प्रवाह को अवरुद्ध कर देते हैं।

कारण

एससीडी का कारण एक दोषपूर्ण जीन है, जिसे सिकल सेल जीन कहा जाता है।

एक व्यक्ति एससीडी के साथ तभी पैदा होगा जब दो जीन विरासत में मिले हों - एक मां से और एक पिता से।

उपचार:

अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (स्टेम सेल प्रत्यारोपण) एससीडी को ठीक कर सकता है। जीन थेरेपी को एक अन्य संभावित इलाज के रूप में भी खोजा जा रहा है।

यूके ने हाल ही में सिकल सेल रोग और थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए दुनिया की पहली जीन थेरेपी कैसगेवी को मंजूरी दी है।

इग्ला-एस

भारतीय सेना को जल्द ही रूस द्वारा विकसित इग्ला-एस (Igla-S) बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (very short range air defence systems : VSHORAD) का एक और सेट प्राप्त होगा।

सेना को अगले महीने हैदराबाद में अदानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा असेंबल किए गए दो इजरायली हर्मीस-900 (Hermes-900) मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) में से पहला यूएवी मिलने वाला है।

इग्ला-एस के बारे में:

यह रूस द्वारा विकसित एक मानव-पोर्टेबल वायु रक्षा प्रणाली (MANPADS) है। इग्ला-एस वायु रक्षा प्रणाली को रोसोबोरोनेक्सपोर्ट (Rosoboronexport) से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के तहत अदानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (ADSTL) द्वारा आयातित किया जा रहा है।

यह हाथ से पकड़ी जाने वाली रक्षा प्रणाली है जिसे किसी व्यक्ति या चालक दल द्वारा संचालित किया जा सकता है। इग्ला-एस प्रणाली में एक एकल लांचर और एक मिसाइल शामिल है।

इसे कम उड़ान वाले विमानों को गिराने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह क्रूज़ मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई लक्ष्यों को भी बेअसर कर सकता है।

इसकी रेंज 500 मीटर से 6 किलोमीटर तक है और यह 3.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक लक्ष्य पर हमला करती है। मिसाइल की गति 400 मीटर प्रति सेकंड और तैनाती का समय 13 सेकंड है।

MANPADS सतह से हवा में मार करने वाली पोर्टेबल मिसाइल प्रणालियाँ होती हैं, जिन्हें उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में विमान, ड्रोन और मिसाइलों जैसे कम ऊंचाई वाले हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए उपयोग किया जाता है।

एक्स्ट्रा-फुफ्फुसीय टीबी

लगभग पांच में से एक टीबी रोगी को एक्स्ट्रा-फुफ्फुसीय टीबी (extra-pulmonary TB) होती है और उनमें से अधिकांश का निदान नहीं हो पाता है, और जिन कुछ का निदान हो जाता है उन्हें तब तक देखभाल से लाभ नहीं मिल पाता जब तक वे कुछ विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाओं का दौरा नहीं करते।

एक्स्ट्रा- फुफ्फुसीय टीबी के बारे में:

यह तपेदिक संक्रमण को संदर्भित करता है जो फेफड़ों के अलावा अन्य अंगों, जैसे- लिम्फ नोड्स, मस्तिष्क, आंत, आंखें या किसी अन्य अंग को प्रभावित करता है।

तपेदिक संक्रमण शरीर के किसी भी हिस्से में प्रकट हो सकता है। ईपीटीबी के कई मामलों में फेफड़ों का संक्रमण नहीं होता है।

यह किसी भी अंग को प्रभावित कर सकता है और एचआईवी से पीड़ित लोगों में अधिक प्रचलित है।

ईपीटीबी के अपर्याप्त निदान से संक्रमित अंगों को अपूरणीय क्षति होती है, जिससे दृष्टि हानि या यहां तक कि अंधापन भी हो सकता है।

ईपीटीबी से जुड़ी समस्याएं

टीबी के उपचार के साथ ही संक्रमण ठीक हो जाने के बाद भी रोग मार्करों की लंबे समय तक उपस्थिति है।

ईपीटीबी को लेकर चिकित्सकों के बीच जागरूकता की कमी और सटीक निदान एवं उपचार मानदंडों की कमी है।

मानदंडों को तैयार करने के लिए क्लिनिकल परीक्षणों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले डेटा की आवश्यकता होगी।

इंडेक्स-टीबी दिशानिर्देश (INDEX-TB guidelines) एक दशक पहले तैयार किए गए थे जिन्हें नवीनतम डेटा और अनुभव के साथ अद्यतन करने की आवश्यकता है।

साहुल

हाल ही में, पुरातत्वविदों ने साहुल नामक एक लुप्त भूदृश्य खोजा है, जो लगभग 70,000 वर्ष पहले पृथ्वी की सतह से ऊपर दिखाई देता था।

इस भूदृश्य ने मनुष्यों को महाद्वीपों के बीच यानी एशिया से ऑस्ट्रेलिया तक यात्रा करने में मदद की थी।

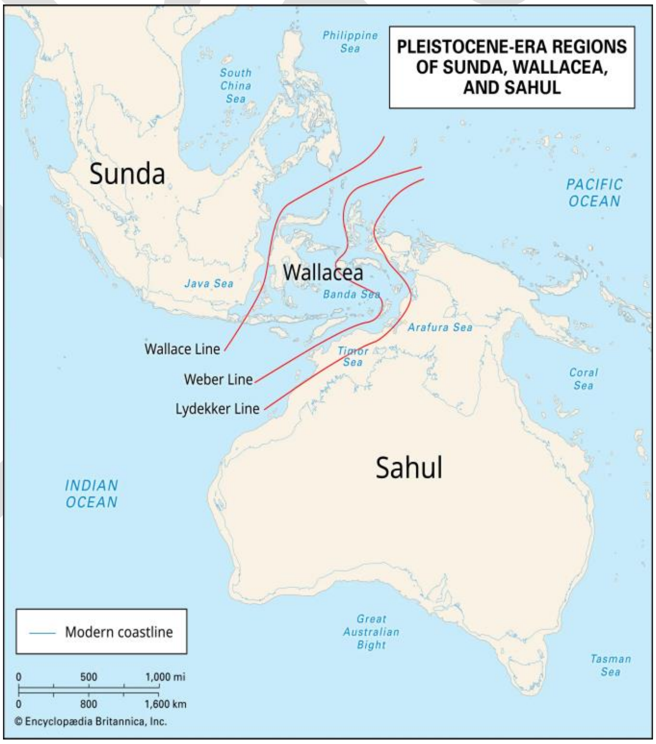

साहुल के बारे में:

इसे एक सुपरकॉन्टिनेन्ट कहा जा सकता है जो पृथ्वी की सतह पर उस समय उजागर हुआ था जब मनुष्य अंतिम हिमयुग के मध्य में थे।

यह सुपरकॉन्टिनेन्ट वर्तमान में ज्ञात ऑस्ट्रेलिया से उत्तर में पापुआ न्यू गिनी और दक्षिण में तस्मानिया से जुड़ा हुआ था।

इसने लगभग 7,000 दशक पहले प्राचीन काल में मनुष्यों को एशिया से ऑस्ट्रेलिया तक महाद्वीपों को पार करने में मदद की थी।

कुछ शोधकर्ताओं का अनुमान है कि साहुल वर्तमान ऑस्ट्रेलिया, तस्मानिया और न्यू गिनी के सामूहिक क्षेत्र से लगभग 30 प्रतिशत बड़ा था।

हिमयुग काल क्या है?

यह कोई भी भूगर्भिक अवधि है जिसके दौरान मोटी बर्फ की चादरें भूमि के विशाल क्षेत्रों को कवर करती हैं। बड़े पैमाने पर हिमनदी की ऐसी अवधि कई मिलियन वर्षों तक चल सकती है और पूरे महाद्वीपों की सतह की विशेषताओं को काफी हद तक बदल सकती है।

सबसे पहले ज्ञात घटना 570 मिलियन वर्ष से अधिक पुराने प्रीकैम्ब्रियन समय के दौरान हुई थी।

व्यापक हिमनद की सबसे हालिया अवधि प्लेइस्टोसिन युग (2.6 मिलियन से 11,700 वर्ष पूर्व) के दौरान हुई थी।

हिमयुग में समान रूप से ठंड नहीं होती । समग्र हिमयुग अवधि के दौरान ठंडी और गर्म अवधि हो सकती है।

ठंडी अवधि के कारण महाद्वीपीय बर्फ की चादरें, घाटी के ग्लेशियर और समुद्री बर्फ के अधिक विस्तृत क्षेत्र बन जाते हैं, जबकि गर्म अवधि के कारण बर्फ के क्षेत्र कम हो जाते हैं।

एयरक्राफ्ट टर्बुलेंस क्या है

हाल ही में, सिंगापुर एयरलाइन्स में गंभीर टर्बुलेंस (Severe turbulence) के कारण एक यात्री की मृत्यु हो गयी तथा 30 अन्य घायल हो गए है।

क्या है एयर टर्बुलेंस

एयर टर्बुलेंस अस्थिर हवा है जो अप्रत्याशित रूप से चलती है। हालांकि यह अक्सर तूफानों से जुड़ा होता है, लेकिन सबसे खतरनाक प्रकार क्लियर एयर टर्बुलेंस है, जो बिना किसी चेतावनी के होती है।

किसी हवाई जहाज के पंखों पर वायु प्रवाह में व्यवधान को टर्बुलेंस कहते हैं जिसके कारण एयरक्राफ्ट अनियमित ऊर्ध्वाधर गति (वर्टिकल मोशन) करने लगता है अर्थात अपने नियमित मार्ग से हट जाता है।

विमान में टर्बुलेंस के सात प्रकार

1. विंड शीयर टर्बुलेंस : हवा की दिशा में लंबवत या क्षैतिज रूप से अचानक परिवर्तन होना।
2. फ्रंटल टर्बुलेंस/ वाताग्र टर्बुलेंस : ये टर्बुलेंस अक्सर ठंड में होता है. इस समय ठंडी हवा गर्म हवा के पास पहुंचती है, जिससे दो विपरीत हवाएं घर्षण वाताग्र क्षेत्र में टर्बुलेंस पैदा करता है।
3. वेक टर्बुलेंस : वायुयान के वायुमंडल में यात्रा करते समय उसके पीछे चलने वाली अनियमित वायु के कारण।
4. मैकेनिकल टर्बुलेंस: धरती की सतह के पास ऊंची इमारतों से सामान्य वायु प्रवाह में बाधा पैदा होने के कारण।
5. माउंटेन वेव टर्बुलेंस: ये टर्बुलेंस कुछ हद तक मैकेनिकल टर्बुलेंस जैसा ही होता है। लेकिन इसमें बिल्डिंग की जगह पहाड़ होते हैं। जब हवा पहाड़ों की चोटी के ऊपर से बहती है और फिर नीचे की ओर आती है, तो माउंटेन वेव बनता है। इससे प्लेन में टर्बुलेंस आते हैं।
6. क्लियर एयर टर्बुलेंस : यह एक अचानक और गंभीर घुमावदार पवनें हैं जो बादल न होने पर भी विमान में तेज झटके का कारण बनता है। हवा के ऐसे अदृश्य हिस्से बिना किसी चेतावनी के प्रकट हो सकते हैं और इनका पूर्वानुमान लगाना कठिन होता है।
7. थंडरस्टॉर्म टर्बुलेंस: ये खराब मौसम और आंधी-तूफान की वजह से होता है। थंडरस्टॉर्म से पैदा टर्बुलेंस इतना ताकतवर हो सकता है कि किसी प्लेन को 2 से 6 हजार फीट वर्टिकली ऊपर या नीचे ले जा सकता है।

पायलट कैसे प्रतिक्रिया देते हैं?

चालक दल टर्बुलेंस और अन्य मौसम पूर्वानुमानों का अध्ययन करके योजना बनाते हैं, जिनमें पिछले कुछ वर्षों में सुधार हुआ है, जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त ईंधन लोड करना और उड़ान के दौरान मौसम रडार की निगरानी करना।

विमान वायु टर्बुलेंस पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं?

सभी आधुनिक वाणिज्यिक जेट उड़ान के दौरान अनुभव की जाने वाले बलों से कई गुना अधिक बल का सामना करने के लिए बनाए जाते हैं।

लंबे विमानों को पीछे की ओर सबसे अधिक टर्बुलेंस महसूस हो सकता है और आदर्श स्थान गुरुत्वाकर्षण के केंद्र के आसपास होता है, जो आमतौर पर पंखों के ठीक आगे होता है।

क्या जलवायु परिवर्तन अधिक टर्बुलेंस पैदा कर रहा है?

पिछले वर्ष यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि जलवायु परिवर्तन के साथ एयर टर्बुलेंस की घटना और भी बढ़ सकती है।

जलवायु परिवर्तन गर्म और ठंडी वायु के बीच तापमान के अंतर को बढ़ा रहा है जो ऊपरी वायुमंडल में जेट स्ट्रीम बनाने के लिए आपस में टकराते हैं। इसके कारण जेट स्ट्रीम अस्थिर हो रहे हैं और अधिक टर्बुलेंस को की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

50,000 साल पुराने निएंडरथल हड्डियों में सबसे पुराने ज्ञात मानव वायरस

हाल ही में, शोधकर्ताओं ने पाया है कि 50,000 वर्ष पूर्व रहने वाले निएंडरथल तीन विषाणुओं से संक्रमित थे, जो आज भी आधुनिक मनुष्यों को प्रभावित करते हैं।

न्यू साइंटिस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्राचीन वायरस के ये निशान अब तक खोजे गए मानव वायरस के सबसे पुराने अवशेष हैं। वे अब तक पाए गए सबसे प्राचीन मानव वायरस से लगभग 20,000 साल पुराने हैं। साइबेरिया में 31,000 वर्ष पुराने दूध के दांतों में पाया गया सामान्य सर्दी का वायरस।

वैज्ञानिकों ने रूस के अल्ताई पहाड़ों में स्थित चगिर्स्काया गुफा (Chagyrskaya cave) में दो नर निएंडरथल के कंकालों से प्राप्त डीएनए अनुक्रमों में प्राचीन वायरस को खोजा है, जो इस प्रकार है- एडेनोवायरस, एक हर्पीजवायरस और एक पेपिलोमावायरस।

आधुनिक मनुष्यों में, एडेनोवायरस कई तरह के लक्षण पैदा कर सकता है, जिसमें सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसे लक्षण, गले में खराश और गुलाबी आँख शामिल हैं। यौन संचारित पेपिलोमावायरस के संक्रमण से जननांग मस्से और कुछ प्रकार के कैंसर हो सकते हैं, जबकि हर्पीसवायरस से चिकनपॉक्स हो सकता है।

निएंडरथल के बारे में:

ये आधुनिक मानव के सबसे करीबी विलुप्त मानव रिश्तेदार थे जो कभी यूरोप से लेकर मध्य और दक्षिण-पश्चिम एशिया तक पाए जाते थे।

प्रजाति: होमो निएंडरथेलेंसिस

ऐसा माना जाता है कि निएंडरथल की अंतिम आबादी लगभग 40,000 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी।

लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन (LUPEX)

जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) ने हाल ही में कहा है कि भारत-जापान के संयुक्त चंद्र मिशन, लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन (LUPEX) के शीघ्र ही लॉन्च होने की संभावना है।

यह इसरो और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। इस मिशन को 2025 में प्रक्षेपित किया जाना है।

मिशन का प्राथमिक उद्देश्य चंद्र सतह का अन्वेषण करना तथा जल की खोज करना है।

ल्यूपेक्स, JAXA द्वारा चंद्रमा पर बड़ा रोवर भेजने का पहला प्रयास है। जापानी अंतरिक्ष एजेंसी चंद्र रोवर के लिए जिम्मेदार है, वहीं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) रोवर को ले जाने वाले लैंडर को तैयार करेगा।

पिछले वर्ष अगस्त में इसरो चंद्रयान-3 को चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास उतारने वाली पहली अंतरिक्ष एजेंसी बन गया था। इस उपलब्धि के साथ ही भारत चांद पर उतरने वाला चौथा देश बन गया।

जापान का स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून (SLIM) भी चाँद की सतह पर उतरा, जिसके साथ ही जापान इस जनवरी में चांद पर उतरने वाला पांचवां देश बन गया।

SPECULOOS-3b

खगोलविदों ने हाल ही में एक नए, पृथ्वी के आकार के ग्रह की खोज की है, जिसका नाम SPECULOOS-3b है।

यह ग्रह हमसे मात्र 55 प्रकाश वर्ष दूर है और एक अत्यंत ठंडे लाल बौने तारे की परिक्रमा कर रहा है।

यह लाल बौना तारा, यद्यपि आकार में बृहस्पति के समान है, लेकिन सूर्य की तुलना में 100 गुना कम प्रकाश उत्सर्जित करता है तथा इसका तापमान भी सूर्य की तुलना में आधा है।

SPECULOOS-3b को अपने तारे की एक परिक्रमा पूरी करने में इसे लगभग 17 घंटे लगते हैं।

कैल्शियम कार्बाइड

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने विशेष रूप से आम के मौसम में फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड पर प्रतिबंध का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापारियों/फल संचालकों/खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) को सचेत किया है।

कैल्शियम कार्बाइड, जो आमतौर पर आम जैसे फलों को पकाने के लिए उपयोग किया जाता है, से एसिटिलीन गैस निकलता है जिसमें आर्सेनिक और फास्फोरस के हानिकारक अंश होते हैं।

ये पदार्थ, जिन्हें 'मसाल ' ('Masala') के नाम से भी जाना जाता है, चक्कर आना, मुँह सूखना, जलन, कमजोरी, निगलने में कठिनाई, उल्टी और त्वचा के अल्सर आदि जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

प्लेनेटरी अलाइनमेंट (Planetary alignment)

3 जून को, छह ग्रह - बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून - आकाश में एक सीध में होंगे। यह संरेखण पृथ्वी से दिखाई देगा।

मंगल और शनि नंगी आँखों से दिखाई देंगे, जबकि यूरेनस और नेपच्यून को दूरबीन की आवश्यकता होगी।

बुध और बृहस्पति को देखना मुश्किल होगा।

प्लेनेटरी अलाइनमेंट एक शब्द है जिसका उपयोग सौरमंडल में ग्रहों की स्थिति का वर्णन करने के लिए किया जाता है, ताकि वे एक विशिष्ट स्थान से देखने पर एक सीधी रेखा में दिखाई देते हैं।

R21/मैट्रिक्स-एम वैक्सीन

हाल ही में, वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने अफ्रीका के कुछ देशों को आर21/मैट्रिक्स-एम मलेरिया वैक्सीन का पहला सेट भेजा है।

इस वैक्सीन को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और एसआईआई द्वारा विकसित किया गया है।

यह टीका मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों में उपयोग के लिए अधिकृत होने वाला दूसरा मलेरिया टीका है।

यह अफ्रीकी महाद्वीप के लिए मलेरिया का टीका है।" "यह भारत के लिए नहीं है क्योंकि परजीवी अफ्रीका में पाया जाता है।

लिग्नोसैट उपग्रह

जापानी शोधकर्ताओं ने दुनिया में पहली बार लिग्नोसैट नामक एक छोटा लकड़ी का उपग्रह बनाया है जिसे सितंबर में अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

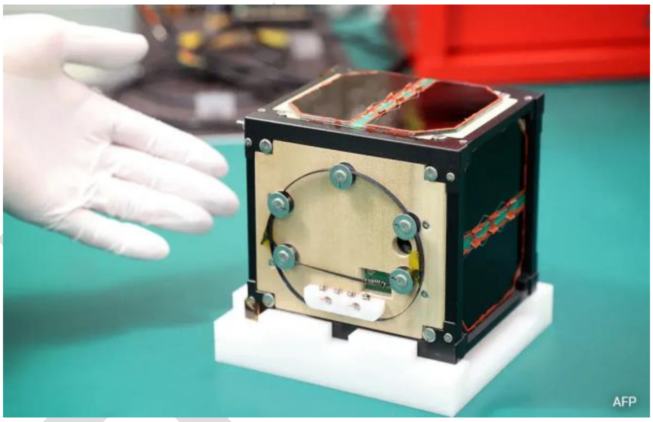

इस परियोजना का उद्देश्य पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करने पर पूरी तरह से जलकर अंतरिक्ष मलबे को कम करना है। इसे मैगनोलिया की लकड़ी से तैयार किया गया है।

परंपरागत रूप से, उपग्रहों का निर्माण धातु से किया जाता है, जो वायुमंडल में जलने पर हानिकारक मलबा पैदा करता है। यह मलबा परिचालन उपग्रहों और अंतरिक्ष यान के लिए एक बड़ा खतरा बन जाता है, और शोधकर्ताओं का मानना है कि लकड़ी के उपग्रह अधिक टिकाऊ समाधान पेश कर सकते हैं।

लिग्नोसैट को सितंबर में कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स रॉकेट पर लॉन्च किया जाना है। इसे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) तक पहुंचाया जाएगा, जहां इसकी ताकत और अत्यधिक तापमान में उतार-चढ़ाव को झेलने की क्षमता का आकलन करने के लिए इसे कई परीक्षणों के लिए तैनात किया जाएगा।

कला एवं संस्कृति

कच्छ अजरख को जीआई टैग

हाल ही में, गुजरात के कच्छ क्षेत्र की 'कच्छ अजरख' वस्त्र शिल्प कला को भौगोलिक संकेत (जीआई) प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

कच्छ अजरख के बारे में

- अजरख एक वस्त्र शिल्पकला है, जो विशेष रूप से सिंध, बाड़मेर और कच्छ के क्षेत्रों में प्रचलित है। अजरख की कला में सूती कपड़े पर हैंड-ब्लॉक प्रिंटिंग की जाती है।
- कच्छ में धमड़का और अजरखपुर गांव अजरख परंपरा के प्रमुख स्थान हैं, जहां कारीगर पीढ़ियों से चली आ रही सदियों पुरानी तकनीकों का अभ्यास करते रहते हैं।
- अजरख का नामकरण ' अज़रक' से हुआ है, जिसका अर्थ है नील, एक प्रसिद्ध पदार्थ जिसे अक्सर नीला प्रभाव प्राप्त करने के लिए एक शक्तिशाली डाई के रूप में उपयोग किया जाता है।
- अजरख प्रिंट में पारंपरिक रूप से तीन रंग शामिल होते हैं: नीला जो आकाश का प्रतीक है, लाल जो भूमि और आग का प्रतीक है, और सफेद जो तारों का प्रतीक है।
- वस्त्रों को रंगने के लिए वनस्पति और खनिज रंगों का प्रयोग किया जाता है।
- यह शिल्पकला इस क्षेत्र में 400 वर्ष पूर्व सिंध मुसलमानों द्वारा लाई गई थी।
- रबारी, मालधारी और अहीर जैसे खानाबदोश चरवाहे और कृषि समुदाय अजरख छपाई के कपड़े को पगड़ी, लुंगी या स्टोल के रूप में पहनते हैं।

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रीजनल रजिस्टर में भारतीय साहित्य

एशिया और प्रशांत के लिए मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड समिति (Memory of the World Committee for Asia and the Pacific : MOWCAP) की दसवीं बैठक के दौरान तीन भारतीय साहित्यिक रचनाएँ- रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक क्षेत्रीय रजिस्टर में जोड़ा गया।

MOWCAP के गठन के बाद यह पहली बार है जब भारत ने कोई नामांकन भेजा है और देश द्वारा भेजे गए तीनों आवेदनों को स्वीकार कर लिया गया है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) में कला निधि प्रभाग नामांकन भेजने वाली नोडल एजेंसी है।

सहृदयालोक-लोकन, पंचतंत्र और रामचरितमानस क्रमशः आचार्य आनंदवर्धन, पंडित विष्णु शर्मा और गोस्वामी तुलसीदास द्वारा लिखे गए थे।

यूनेस्को का मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड क्या है?

यूनेस्को का मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कार्यक्रम 1992 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा शुरू किया गया था।

कार्यक्रम का उद्देश्य महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक मूल्य की दस्तावेजी सामग्रियों को संरक्षित करना और उन तक पहुंच सुनिश्चित करना है।

इसमें पांडुलिपियाँ, मुद्रित पुस्तकें, अभिलेखीय दस्तावेज, फिल्में, ऑडियो और फोटोग्राफिक रिकॉर्ड शामिल हैं जो अद्वितीय और अपूरणीय हैं।

एशिया और प्रशांत के लिए मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड समिति (MOWCAP) क्या है?

MoW कार्यक्रम के तहत MOWCAP की स्थापना 1998 में बीजिंग, चीन में की गई थी। MOWCAP 43 देशों के एशिया प्रशांत क्षेत्र को कवर करता है, जो दुनिया भर के पांच यूनेस्को क्षेत्रों में से एक है।

मई 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय MoW रजिस्टर पर 494 अभिलेख शामिल हो चुके हैं, जिसमें से तीन भारतीय ग्रंथ हैं।

खेल घटनाक्रम

वैशाली रमेश बाबू

भारतीय शतरंज प्रतिभा, वैशाली रमेश बाबू, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ FIDE द्वारा ग्रैंडमास्टर की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बाद वैशाली तीसरी भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर हैं।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2024

जापान के कोबे में हाल ही में संपन्न विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय पैरा-एथलेटिक्स टीम में छह स्वर्ण सहित 17 पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य के साथ भारत ने शनिवार को पदक तालिका में छठे स्थान पर अपना अभियान समाप्त किया, जो पिछले संस्करण के 19वें स्थान से कई पायदान ऊपर है।

सिमरन शर्मा (महिला 200 मीटर टी 12), दीप्ति जीवनजी (महिला 400 मीटर टी 20), सचिन खिलाड़ी (पुरुष शॉटपुट एफ 46), सुमित अंतिल (पुरुष भाला फेंक एफ 64), थंगावेलु मरियप्पन (पुरुष ऊंची कूद टी 63) और एकता भयान (महिला क्लब थ्रो एफ 51) भारत के स्वर्ण पदक विजेता रहे।

एशियाई सीनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक

जिमनास्ट दीपा करमाकर ने एशियाई सीनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया, उन्होंने महिलाओं की वॉल्ट स्पर्धा में खिताब जीता।

उन्होंने उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 2024 एशियाई महिला कलात्मक जिमनास्टिक चैंपियनशिप में महिलाओं के वॉल्ट फाइनल में 13.566 के स्कोर के साथ जीत हासिल की।

उत्तर कोरिया की किम सोन-हयांग और जो क्योंग-ब्योल ने रजत और कांस्य पदक जीता। इस जीत के बावजूद, दीपा ऑल-अराउंड में 16वें स्थान पर रहीं और 2024 पेरिस ओलंपिक का कोटा चूक गईं।

वन लाइनर

- भारत सरकार ने हरित और स्वस्थ ग्रह को बढ़ावा देने हेतु 3 मई, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय सूर्य दिवस (इंटरनेशनल सन डे) मनाने के उद्देश्य से 'रन फॉर सन' मैराथन का आयोजन किया- **नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में**
- भारत 20 से 30 मई, 2024 तक 46वीं अंटार्कटिक संधि सलाहकार बैठक (ATCM 46) और पर्यावरण संरक्षण समिति (CEP 26) की 26वीं बैठक की मेजबानी करेगा- **कोच्चि, केरल में**
- भारत और ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह पर शाहिद-बेहस्ती टर्मिनल (Shahid-Behesti terminal) के संचालन के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए- **10 वर्ष के लिए**
- पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों के लिए 10-वर्षीय ब्लू रेजीडेंसी वीज़ा को मंजूरी दी है- **संयुक्त अरब अमीरात ने**
- 2024 का अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीता है- **जेनी एर्पेनबेक द्वारा लिखित और माइकल हॉफमैन द्वारा अनुवादित पुस्तक 'कैरोस' ने**
- विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा जारी यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक 2024 में भारत को 119 देशों में से स्थान दिया गया है- **39वां**
- फिलिस्तीन को राज्य का दर्जा दिया है- **नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन ने**
- कजाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया की सह-अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के तत्वावधान में परमाणु सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICONS-2024) का आयोजन किया गया- **वियना (ऑस्ट्रिया) में**

- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए)/ईयू अंतरिक्ष परिषद में जीरो डेब्रिस चार्टर पर हस्ताक्षर किए हैं- **12 देशों ने**
- विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2024 में भारत का स्थान है- **159वां**
- बहुराष्ट्रीय अभ्यास रेड फ्लैग 24 का आयोजन किया गया है- अलास्का के एइलसन एयर फ़ोर्स बेस पर सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रम कंपनी भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA) को सार्वजनिक उद्यम विभाग से दर्जा प्रदान किया है- **'नवरत्न का**
- हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) के विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 के अनुसार विदेशों से प्रेषण का उच्चतम प्राप्तकर्ता देश था- **भारत**
- इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (IIBX) में पहला ट्रेडिंग-कम-क्लियरिंग सदस्य बन गया है- **भारतीय स्टेट बैंक**
- ग्रीन लिंक्स मकड़ी (**green lynx spider**) की खोज की गयी है, जिसका नाम है- **प्युसेटिया छपराजनिर्विन (Peucetia chhaparajnirvin)**
- छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के संयोजक और हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के संस्थापक सदस्य आलोक शुक्ला को सम्मानित किया गया है- **गोल्डमैन पुरस्कार 2024 (एशिया महाद्वीप के लिए) से**
- भारतीय अनुसंधान कृषि परिषद्-नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज द्वारा ने अरुणाचल प्रदेश में कैटफ़िश की एक नई प्रजाति की खोज की है, जिसे नाम दिया गया है- **ग्लाइप्टोथौरैक्स पुण्यब्रतई**
- शोधकर्ताओं ने पृथ्वी पर सबसे गहरे ज्ञात ब्लू होल के रूप में खोजा है, जो 1,380 फीट (420 मीटर) से भी गहरा है- **मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप के पास चेतुमल खाड़ी में ताम जा' ब्लू होल को**
- ग्लोबल स्पीशीज एक्शन प्लान स्किल्स प्लेटफॉर्म (Species Conservation Knowledge, Information, Learning, Leverage and Sharing : SKILLS) platform) को जैव विविधता सम्मेलन में लॉन्च किया गया- **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) ने**
- अंटार्कटिका में ब्रंटआइस शेल्फ से टूटकर अलग हुआ विशाल हिमखंड (Iceberg) का नाम है- **A-83 हिमखंड**
- कावांगो-जाम्बेजी (काजा) ट्रांस-फ्रंटियर संरक्षण क्षेत्र (टीएफसीए) शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया है- **विक्टोरिया फॉल्स के उत्तरी किनारे पर स्थित जाम्बिया के शहर लिविंगस्टोन में**
- बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवात रेमल बंगाल की खाड़ी में आने वाला पहला प्री-मानसून उष्णकटिबंधीय चक्रवात है। उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नामकरण की परंपरा के अनुसार यह नाम चुना गया है- **ओमान द्वारा**
- भारत के रक्षा और एयरोस्पेस कंपनी "फ्लाइंग वेज डिफेंस" द्वारा विकसित भारत का पहला स्वदेशी बमवर्षक मानवरहित हवाई वाहन (unmanned aerial vehicle : UAV) का अनावरण किया गया- **FWD-200B**
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) ने उच्च उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म पेश की है- HD 3386
- वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने अफ्रीका के कुछ देशों को पहला सेट भेजा है- **आर21/मैट्रिक्स-एम मलेरिया वैक्सीन का**
- दुनिया में पहली बार लिग्नोसैट नामक एक छोटा लकड़ी का उपग्रह बनाया है- जापानी शोधकर्ताओं ने
- एशिया और प्रशांत के लिए मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड समिति (Memory of the World Committee for Asia and the Pacific : MOWCAP) की दसवीं बैठक के दौरान तीन भारतीय साहित्यिक रचनाओं को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक क्षेत्रीय रजिस्टर में जोड़ा गया है- **रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन**
- अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ FIDE द्वारा ग्रैंडमास्टर की उपाधि से सम्मानित किया गया है- **वैशाली रमेश बाबू को**
- जापान के कोबे में हाल ही में संपन्न विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय पैरा-एथलेटिक्स टीम ने पदक जीते हैं- **17 (छह स्वर्ण सहित)**
- एशियाई सीनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय है- **जिमनास्ट दीपा करमाकर ने**

अभ्यास प्रश्न

1. साल्मोनेला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह बैक्टीरिया का एक समूह है जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी का कारण बन सकता है।
2. यह शुष्क वातावरण में कई सप्ताह और पानी में कई महीनों तक जीवित रह सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

2. सप्तपदी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस शब्द का वर्णन ऋग्वेद में मिलता है।
2. यह हिन्दू विवाह से जुड़ा एक संस्कार है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

3. शक्सगाम घाटी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसके दक्षिण में काराकोरम रेंज और उत्तर में कुनलून पर्वत श्रृंखला स्थित है।
2. यह दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर के दक्षिण में स्थित है।
3. यह एक विवादित क्षेत्र है जिस पर भारत दावा करता है लेकिन नियंत्रण पाकिस्तान द्वारा किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

4. प्राचीन जीवाश्मों की खोज के कारण चर्चा में रहा टोलेग्रे गुफा अवस्थित है:

A. गिरनार हिल्स में
B. गारो हिल्स में
C. बैलाडिला हिल्स में
D. राजमहल हिल्स में

उत्तर: (B)

5. मानक आवश्यक पेटेंट (Standard Essential Patent) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक तकनीकी आविष्कार के लिए दिया गया पेटेंट है जो किसी मानक के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक है।
2. यह पेटेंट विभिन्न ब्रांडों के सेलुलर फोन की अंतरसंचालनीयता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

6. ऑक्सीटोसिन हार्मोन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह हार्मोन स्तनधारियों की एड्रिनल ग्रंथि द्वारा सेक्स, प्रसव या स्तनपान के दौरान स्रावित होता है।
2. दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए दुधारू मवेशियों पर इसका दुरुपयोग किया जाता है।
3. पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 12 के तहत ऑक्सीटोसिन का सेवन एक संज्ञेय अपराध है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

7. इंटरपोल की रंग-कोडित नोटिस प्रणाली के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये नोटिस दुनिया भर में वांछित व्यक्तियों/अपराधों पर" जानकारी के लिए अलर्ट और अनुरोध साझा करने में सक्षम बनाता है।
2. ये नोटिस 5 प्रकार के होते हैं, जिसे नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के अनुरोध पर इंटरपोल के जनरल सचिवालय

QuizHat

द्वारा जारी किए जाते हैं, और सभी सदस्य देशों के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1, न ही 2

उत्तर: (A)

8. इंटरपोल के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन के नाम से जाना जाता है।
2. यह दुनिया भर में पुलिस सहयोग और अपराध नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है।
3. इसका मुख्यालय बर्लिन, जर्मनी में स्थित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. केवल 1 और 2

उत्तर: (D)

9. चर्चा में रही पलियार जनजाति के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये कर्नाटक के पहाड़ों और जंगलों में रहने वाली एक खानाबदोश द्रविड़ जनजाति है।
2. ये परंपरागत रूप से शिकारी और संग्रहकर्ता थे। वर्तमान में, ये वन उत्पादों के व्यापारियों, खाद्य कृषकों और मधुमक्खी पालकों में बदल गए हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1, न ही 2

उत्तर: (B)

10. टीकाकरण पर आवश्यक कार्यक्रम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे 1974 में विश्व स्वास्थ्य संगठन **टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम** के रूप में शुरू किया गया था।
2. इस कार्यक्रम के तहत 13 आवश्यक टीके लगाए जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

11. इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक स्वचालित फोन सिस्टम तकनीक है जो कॉलर्स को किसी एजेंट से बात किए बिना ही पहले से रिकॉर्ड किए गए संदेशों तक पहुंचने की अनुमति देती है।
2. यह कंपनियों और संगठनों से अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों और अन्य बुनियादी कार्यों को स्वचालित रूप से हल करने में मदद करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

12. इंडियन ओशन डायपोल (IOD) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे इंडियन नीनो के नाम से भी जाना जाता है।
2. यह प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में अनियमित उतार-चढ़ाव से संबंधित है।
3. सकारात्मक आईओडी भारतीय उपमहाद्वीप में वर्षा में मदद करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

13. कादर अनुसूचित जनजाति के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह पूर्वोत्तर भारत का एक स्वदेशी आदिवासी समुदाय है।
2. ये जंगली हाथियों के साथ सह-अस्तित्व में रहने के लिए जाने जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1, न ही 2

उत्तर: (B)

14. पीएम-वाणी योजना के संदर्भ में, विचार कीजिये:

1. इस योजना को ग्रामीण मंत्रालय ने 2020 में लॉन्च किया था।
2. इसका उद्देश्य केवल ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत डिजिटल संचार बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है।
3. इस योजना के तहत सार्वजनिक हॉटस्पॉट तक पहुंचने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध मोबाइल एप्लिकेशन 'Wi-DOT' डाउनलोड करना होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

15. स्कारबोरो शोल के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह शोल भूमध्य सागर में स्थित है।
2. इसे 'पैनाटैग शोल' या 'बाजो डी मासिनलोक' (Bajo de Masinloc/Panatag Shoal) भी कहते हैं।
3. यह शोल इटली और ग्रीस के मध्य विवादित है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर-(A)

16. विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संचालित टीकाकरण पर आवश्यक कार्यक्रम के अंतर्गत कौन-कौन से टीके शामिल है?

1. बैसिलस कैलमेट-गुएरिन
2. पर्टुसिस
3. टेटनस
4. पोलियो
5. रूबेला
6. कोविड-19

नीचे दिए गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

A. केवल दो
B. केवल तीन
C. केवल चार
D. सभी छह

उत्तर: (D)

17. हाल ही में समाचारों में रही 'ब्लू रेजीडेंसी' या 10-वर्षीय ब्लू वीज़ा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह संयुक्त अरब अमीरात द्वारा शुरू किया गया एक दीर्घकालिक निवास कार्यक्रम है।

2. यह वीज़ा विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन किया गया है जिन्होंने समुद्री व्यापार और वाणिज्य में देश के आर्थिक विकास के लिए असाधारण योगदान दिया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (A)

18. मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड (एमओडब्ल्यू) रजिस्टर के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह कार्यक्रम 1992 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा शुरू किया गया था।
2. इस कार्यक्रम का उद्देश्य दस्तावेजी विरासत, विशेष रूप से दुर्लभ और लुप्तप्राय विरासत की सुरक्षा,

संरक्षण और पहुंच तथा उपयोग की सुविधा प्रदान करना है।
3. तीन भारतीय साहित्यिक कृतियों- रामचरितमानस, भगवद गीता और सहृदयलोक-लोकन को इसके एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

उत्तर: (B)

19. केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह दवाओं के निर्यात हेतु विनिर्माण लाइसेंस जारी करने वाला एकमात्र प्राधिकरण है।
2. यह प्राधिकरण देश में नई दवाओं, क्लिनिकल परीक्षणों की मंजूरी, दवाओं के लिए मानक निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (C)

Join us now...@QuizHat

20. पाइरेनीज़ पर्वत श्रृंखला के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह दक्षिण-पश्चिमी यूरोप में एक वलित पर्वत श्रृंखला है।
2. यह स्पेन और पुर्तगाल के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है।
3. यह पूर्व में भूमध्य सागर के तट से लेकर पश्चिम में अटलांटिक महासागर पर बिस्के की खाड़ी तक फैला हुआ है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

विस्तृत उत्तर व्याख्या एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों के लिए QuizHat ऐप डाउनलोड करें...